सांची एक्सप्रेस
61 साल से लगातार...
। जनपक्षीय पत्रकारिता।
देसी अंदाज नया मिजाज

सांची एक्सप्रेस

1963 से लगातार आपकी सेवा में

epaper.theranchiexpress.com

वर्ष-02 | अंक-71 | कोलकाता, बुधवार 08 मई 2024, संवत् 2079 | पृष्ठ-12

मूल्य 3 रु.

पुतिन ने पांचवीं बार ली रूस के राष्ट्रपति पद की शपथ

- पहाड़ जैसी चुनौतियां कर रहीं इंतजार, बढ़ाया राष्ट्रवाद का एजेंडा

मॉस्को (एजेंसी)। व्लादिमार पुतिन ने मगलवार को पांचवीं बार रूस के राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ली है। क्रेमलिन में एक भव्य समारोह में शपथ लेकर 71 साल के पुतिन ने अपने पांचवें कार्यकाल की शुरुआत की है। पुतिन ने ऐसे समय में रूसी राष्ट्रपति का पद पांचवीं बार संभाला है, जब उन पर देश में विपक्ष को कुचलने का आरोप लग रहा है और पश्चिम के साथ टकराव काफी ज्यादा बढ़ा हुआ है। रूस की सत्ता में लगातार मजूबत होते रहे पुतिन के सामने अपने इस कार्यकाल में कई तरह की चुनौतियां होंगी। खासतौर से यूक्रेन में युद्ध का संकट उनके सामने एक बड़ा

चैलेंज है। पुतिन के मुख्य प्रतिद्वंद्वी एलेक्सी नवलनी की आर्कटिक जेल में रहस्यमय परिस्थितियों में मौत के बाद मार्च में हुए चुनाव को पश्चिम ने एक दिखावा करार दिया है। रूस में पुतिन के ज्यादातर विरोधी या तो जेल में हैं या देश छोड़ चुके हैं। 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद सत्ता पर पुतिन की पकड़ और मजबूत होती रही है लेकिन इसके चलते रूस पश्चिमी प्रतिबंधों का भी सामना कर रहा है, जिससे रूसी अर्थव्यवस्था को काफी झटका लगा है। अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए कदम उठाने की चुनौती पुतिन के सामने होगी। यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिम के बैन को देखते हुए पुतिन ने ऊर्जा निर्यात में वृद्धि के साथ भारत और चीन को लुभाने के लिए पूर्व की ओर रुख किया है।

रूसी सेना परमाणु हथियारों के साथ करेगी युद्धाभ्यास

- नाटो सैनिकों की यूक्रेन में तैनाती की आशंकाओं के बीच पुतिन का बड़ा फैसला

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी सेना को परमाणु हथियारों की ड्रिल करने का आदेश दिया है। इस युद्धाभ्यास में नेवी और यूक्रेनी सीमा के पास तैनात सैनिकों को भी शामिल करने को कहा गया है। अलजजीरा के मुताबिक, पुतिन ने यह फैसला तब लिया जब नाटो और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन की मदद के लिए सेना भेजने की बात कही थी। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि युद्धाभ्यास के दौरान टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपन की तैनाती पर फोकस किया जाएगा। हालांकि, यह ड्रिल कब

होगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। दरअसल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले हफ्ते कहा था कि अगर यूक्रेन ने मदद मांगी तो वे अपने सैनिकों को वहां भेज सकते हैं। इसके ठीक एक दिन बाद ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरून ने कहा था कि यूक्रेन अगर चाहे तो वह रूस पर हमला करने के लिए ब्रिटिश हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। रूस ने दोनों बयानों का विरोध किया था। पुतिन ने करीब 2 महीने पहले एक इंटरव्यू के दौरान अमेरिका को परमाणु हमले की चेतावनी दी थी। पुतिन ने कहा था, अगर अमेरिका अपने सैनिकों को यूक्रेन में भेजेगा तो इससे जंग और बढ़ सकती है। दरअसल, रूसी न्यूज एजेंसी ने पुतिन ने सवाल पूछा था कि क्या रूस परमाणु जंग के लिए तैयार है।

कश्मीर में मिली बड़ी सफलता

कुलगाम में 2 आतंकी ढेर

- लश्कर कमांडर बासित डार मारा गया, फायरिंग से घर में आग लगी, इसी में आतंकी छिपे थे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में मंगलवार को मुठभेड़ के दौरान सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया। मारा गया पहला आतंकी लश्कर का टॉप कमांडर बासित डार है। बासित पर 10 लाख रुपए का इनाम था। वह कश्मीर में कई लोगों की हत्या में शामिल रहा है। मारे गए दूसरे आतंकी का नाम फहीम अहमद है। वह ओवर ग्राउंड वर्कर था, जो आतंकियों की मदद करता था। हालांकि फहीम को लेकर अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। एनकाउंटर के दौरान सुरक्षाबलों ने उस घर में ब्लास्ट किया, जहां आतंकी छिपे थे। इससे घर में आग लग गई। मारे गए दोनों आतंकियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि उन्हें रेडवानी पाइन इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सोमवार देर रात तलाशी अभियान शुरू किया गया, जो मुठभेड़ में बदल गया। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 4 मई को एयरफोर्स जवानों पर हुए आतंकी हमले में पांच जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान एक जवान की मौत हो गई।

यह हमला पुंछ के शाहसितार इलाके में हुआ। आतंकियों ने सुरक्षाबलों के दो वाहनों पर भारी फायरिंग की। इसमें से एक वाहन एयरफोर्स का था। दोनों गाड़ियां सनाई टॉप जा रही थीं। आतंकियों की गोलियां वाहन के सामने और साइड वाले शीशे को पार कर गईं। सुरनकोट में 21 दिसंबर को सेना के काफिले पर आतंकियों ने हमला किया था। इसमें 5 जवान शहीद हो गए थे। वारदात को 4 आतंकियों ने अंजाम दिया था।

मल्लिकार्जुन खरगे ने 'इंडिया' के दलों को लिखा पत्र

चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप, विश्वसनीयता पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के नेताओं को पत्र लिखा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। खरगे ने पत्र में कहा कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता इस बार बेहद कम है। खरगे ने अपने पत्र में 'इंडिया' के नेताओं से आग्रह किया कि वे ऐसी विसंगतियों के खिलाफ आवाज उठाएं और हमारा एकमात्र उद्देश्य एक जीवंत लोकतंत्र की संस्कृति और संविधान की रक्षा करना है। उन्होंने पत्र में कहा, हमें भारत के निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता सुनिश्चित करनी चाहिए और इसे जवाबदेह बनाना चाहिए। खरगे ने कहा, इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस के तौर पर लोकतंत्र की रक्षा करना और निर्वाचन आयोग की स्वतंत्र कार्यप्रणाली की रक्षा करना हमारा सामूहिक प्रयास होना चाहिए।

पहले और दूसरे राउंड की वोटिंग पर टीएमसी को है शक

- देर से आंकड़ा जारी करने पर अब सीधे मुख्य चुनाव आयुक्त से पूछा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में पहले और दूसरे चरण की वोटिंग का आंकड़ा चुनाव आयोग ने कई दिनों के बाद अपडेट किया था। इसे लेकर पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने सवाल उठाए थे। अब टीएमसी ने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार से मांग की है कि हर लोकसभा क्षेत्र का वोटिंग प्रतिशत शेयर किया जाए। ममता की पार्टी ने कहा कि चुनाव आयुक्त यह बताएं कि पहले और दूसरे राउंड की वोटिंग में किस सीट पर कितना मतदान हुआ।

असल में कितने मतदाता हैं और कितने लोगों ने वोट डाला। इसके अलावा वोटिंग प्रतिशत पर फाइनल आंकड़ा जारी करने में देरी क्यों हुई। इसे लेकर भी सवाल उठाया गया है। चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त को लिखे पत्र में टीएमसी ने कहा कि दो राउंड की वोटिंग में कितना मतदान प्रतिशत रहा।

बिहार में कैदी को सिर पर बिठाकर नाच रही कांग्रेस

लालू पर कसा तंज, राजद सुप्रीमो ने कहा था-मुसलमानों को पूरा आरक्षण मिलना ही चाहिए

पटना (एजेंसी)। आरजेडी चीफ लालू प्रसाद यादव ने कहा कि मुसलमानों को पूरा रिजर्वेशन मिलना चाहिए। लालू ने पीएम मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी संविधान और लोकतंत्र को

खत्म करना चाहते हैं ये बात जनता समझ गई है। लालू मंगलवार को एमएलसी के शपथ ग्रहण में विधान परिषद पहुंचे थे, जहां उन्होंने ये बयान दिया। पीएम मोदी ने मध्यप्रदेश के धार में चुनावी सभा के दौरान लालू के बयान पर पलटवार किया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस चुप है, लेकिन आज उनके एक सहयोगी दल ने इंडिया गठबंधन के इरादों की पुष्टि कर दी। उनके नेता जो चारा घोटाले के मामले में जेल में हैं और कोर्ट से सजा पा चुके हैं,अभी जमानत पर बाहर आए हैं, उन्होंने कहा कि मुसलमानों को आरक्षण मिलना चाहिए, सिर्फ आरक्षण नहीं, उनका कहना है कि मुसलमानों को मिलना चाहिए पूर्ण आरक्षण। इसका अर्थ क्या है। ये लोग एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय को मिला सारा आरक्षण छीनकर मुसलमानों को पूरा आरक्षण देना चाहते हैं। बता दें कि पीएम मोदी लगातार इंडी गठबंधन के नेताओं पर आरोप लगा रहे हैं कि वो पिछड़ा, ओबीसी के आरक्षण को छीनकर मुसलमानों को देना चाहते हैं, जबकि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है।

आरक्षण सामाजिक होता है, धर्म के आधार पर नहीं दिया जा सकता

- मुस्लिम रिजर्वेशन पर घिरे लालू यादव ने पेश की सफाई

पटना (एजेंसी)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने मुस्लिमों को आरक्षण देने वाले अपने बयान पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरक्षण सामाजिक आधार पर होता है, धर्म के आधार पर नहीं होता है। लालू ने कहा कि मंडल कमीशन की सिफारिशें मैंने लागू किया था। बता दें कि कुछ घंटों पहले ही लालू यादव ने मुस्लिमों को आरक्षण देने की बात कही, जिस पर सियासी हंगामा मच गया। बीजेपी इसका जमकर विरोध कर रही है। लालू यादव ने मंगलवार सुबह पटना में दिए एक बयान में मुस्लिमों को आरक्षण देने की वकालत की। इसके बाद सियासी पारा गर्मा गया। बीजेपी और जेडीयू के नेताओं ने इसका विरोध किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मध्य प्रदेश की एक रैली में लालू के बयान का हवाला देते हुए इंडिया गठबंधन पर एससी, एसटी, ओबीसी का हक छिनने का आरोप लगाया।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर अटका 'सुप्रीम' फैसला

सुप्रीम कोर्ट की ओर से कोई आदेश नहीं, अब 9 मई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका पर मंगलवार कोई फैसला नहीं आया। इस मामले में कोर्ट की ओर से कोई आदेश नहीं जारी किया गया और सुनवाई 9 मई या अगले हफ्ते में पूरी होगी। इससे पहले सुनवाई के दौरान पीठ ने दोनों पक्षों को सुना। केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से कोर्ट ने पूछा कि क्या केजरीवाल को जमानत मिलने के बाद सरकारी फाइलों पर साइन करेंगे। सिंघवी ने कहा कि उनके मुवक्किल दिल्ली शराब नीति मामले में किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं करेंगे। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर

दत्ता की बेंच ने ईडी के वकील से पूछा कि आपने बताया कि दिल्ली शराब घोटाले से 100 करोड़ धन मिला था, लेकिन यह 2-3 साल में 1100 करोड़ रुपये कैसे बन गया। यह तो बहुत तेजी से बढ़ने वाली राशि हो गई। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने ईडी के वकील से कई सवाल पूछे। ईडी की ओर से बोलते हुए एसवी राजू ने बताया कि जब हमने जांच शुरू की थी, तब यह सीधे तौर पर केजरीवाल के खिलाफ नहीं थी। हमें जांच के दौरान उनकी भूमिका के बारे में पता चला था। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से केजरीवाल की गिरफ्तारी, उसमें लेटलतीफी और कार्रवाई पर भी सवाल उठाया।

पतंजलि पर तो सवाल उठा रहे, पर आपने क्या किया

अब आईएमए को झटका, सुप्रीम कोर्ट ने की जमकर खिंचाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन का केस दायर करने वाले आईएमए की ही अब सुप्रीम कोर्ट ने खिंचाई की है। अदालत की फटकार के बाद बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने निजी तौर पर माफी मांगी थी। इसके बाद अखबारों में विज्ञापन निकालकर भी माफी मांगी गई थी। इसके बाद आईएमए के अध्यक्ष डॉ. आरवी अशोकन ने इंटरव्यू में एक बयान दिया था, जिसके चलते वह निशाने पर हैं। अदालत की सुनवाई के दौरान एलोपैथी के डॉक्टरों पर की गई टिप्पणी पर बात करते हुए अशोकन ने बेंच पर ही सवाल उठा दिए थे। इसी के खिलाफ अब पतंजलि ने अब आईएमए पर अवमानना की याचिका दाखिल की है। इसी पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने आईएमए की खिंचाई की। इस तरह नजारा बदला हुआ दिखा और जो अदालत अब तक पतंजलि की खिंचाई कर रही थी, उसी ने आईएमए के रवैये पर सवाल उठाए।

नौकरियों की कमी है, अगर जनता का भरोसा चला गया तो कुछ नहीं बचेगा

- बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर एससी ने कहा-यह सिस्टमैटिक फ्रॉड है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार की खिंचाई की है। अदालत ने 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति रद्द किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई की। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने बंगाल सरकार से तीखे सवाल पूछते हुए कहा कि आखिर जब नियुक्ति प्रक्रिया पर ही सवाल उठ रहे थे तो फिर अतिरिक्त पद क्यों निकाले गए। यही नहीं वेटिंग लिस्ट में रहने वाले कैंडीडेट्स तक को क्यों नियुक्ति मिल गई। वहीं बंगाल सरकार के वकील नीरज किशन कौल ने कहा कि यह तो सीबीआई ने भी नहीं कहा है कि 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति अवैध है। हर चीज शिक्षक और छात्र अनुपात के मुताबिक थी। वहीं बंगाल सरकार के एक अन्य वकील जयदीप गुप्ता ने कहा कि हाई कोर्ट का फैसला ही गलत है, जिसमें उसने शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा फैसला देना तो हाई कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में ही नहीं है और सुप्रीम कोर्ट के ही फैसले के विपरीत है। इस पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि भर्ती परीक्षा से जुड़ी कॉपियां क्यों खत्म कर दी गई हैं।

बंगाल-असम में बंपर वोटिंग, बिहार-महाराष्ट्र पिछड़े

11 राज्यों की 93 सीटों पर मतदान खत्म, 3 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 लोकसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 7 बजे से जारी वोटिंग शाम छह बजे खत्म हो गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक, 64.08 फीसदी लोगों ने वोट डाले। असम में सबसे ज्यादा 75 फीसदी, सबसे कम महाराष्ट्र में 53 फीसदी लोगों ने मतदान किया। बिहार में वोटिंग के दौरान पीठासीन अधिकारी और होमगार्ड जवान की मौत हो गई है। छत्तीसगढ़ के जशपुर में मतदान करने पहुंचे एक बुजुर्ग वोटर की मौत हो गई। वहीं, पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के भाजपा कैंडीडेट और टीएमसी समर्थक के बीच झड़प हुई है। यूपी के संभल में पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। इसमें कुछ लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद स्थित निशान हायर सेकेंडरी स्कूल में वोट डाला। उनके साथ गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री सफेद कुर्ता-पायजामा और भगवा जैकेट पहने हुए थे। वहीं अमित शाह सफेद कुर्ता-पायजामा के साथ भगवा रंग का गमछा लिए हुए थे। पीएम मोदी कार से उतरने के बाद अमित शाह के साथ पैदल ही लोगों का अभिवादन करते हुए बूथ तक पहुंचे और मतदान किया। वोट डालने के बाद प्रधानमंत्री ने बच्चों के हाथ पर ऑटोग्राफ दिया। लोगों के साथ तस्वीरें क्लिक करवाईं। एक बच्ची को गोद में लेकर हवा में उछाला। मीडिया से बातचीत में उन्होंने लोगों से बड़ी संख्या में वोटिंग की अपील की। साथ ही खूब सारा पानी पीने को कहा। इस चरण में मैदान में कुछ हाई-प्रोफाइल नामों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हैं।

नाव से बूथ तक पहुंचे वोटर्स, महिलाओं का भी जोश हाई

लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में बिहार की 5 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग हो रही है। इसमें मधेपुरा, सुपौल, अररिया, खगड़िया और मिथिलांचल का झंझारपुर शामिल हैं। वोटिंग के दौरान कई ऐसी तस्वीरें सामने आई, जिसे लोकतंत्र की खूबसूरती से नवाजा जा सकता है। कई बूथ पर महिला वोटर्स की लंबी कतार नजर आई तो कहीं पहली बार मतदान की करने की खुशी नजर आई। कहीं दिव्यांगता को हरा मतदान के लिए बुजुर्ग महिला बूथ तक पहुंचीं।

बंगाल में लोकसभा चुनाव का रोमांचक मुकाबला, बिष्णुपुर सीट पर लड़ रहे तलाकशुदा कपल, BJP-TMC ने दिया है टिकट

बांकुड़ा। पश्चिम बंगाल की बिष्णुपुर लोकसभा सीट पर दिलचस्प मुकाबला है। यहां तलाकशुदा कपल भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर आमने-सामने हैं। दोनों उम्मीदवार यहां की पेयजल समस्या और खस्ताहाल सड़कों की समस्या दूर करने के वादे कर रहे हैं। बिष्णुपुर लोकसभा सीट से सौमित्र खान भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर और उनकी तलाकशुदा पत्नी सुजाता मोंदाल तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर अपनी किस्मत आजमा रही हैं।

टीएमसी से बीजेपी में आकर जीते सौमित्र खान

दरअसल बिष्णुपुर लोकसभा सीट साल 2014 तक भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (एम) का गढ़ थी। इसके बावजूद सौमित्र खान ने 2014 में पहली बार तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर यह सीट जीतने में कामयाबी हासिल की। साल 2019 में बीजेपी में शामिल होने के बाद फिर से खान ने अपनी जीत दोहराई। स्थानीय लोग बारजोरा, सोनामुखी और ओंदा आदि इलाकों में जल संकट का जिक्र करते हैं और तृणमूल उम्मीदवार सुजाता मोंदाल कहती हैं कि इस समस्या के हल के प्रयास किए जा रहे हैं।

सौमित्र खान का मुकाबला उनकी पूर्व पत्नी सुजाता मोंदाल से

बिष्णुपुर से लगातार तीसरी बार चुनाव लड़ रहे सौमित्र खान ने 2014 में 45.5 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। इसके मुकाबले पिछले चुनाव में उन्होंने 46.25 प्रतिशत वोट लेकर अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार को 78,000 मतों के अंतर से हराया था। इस बार बिष्णुपुर सीट पर सौमित्र खान का मुकाबला उनकी पूर्व पत्नी सुजाता मोंदाल से है जो तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर उन्हें चुनौती दे रही हैं।

दोनों की राहें अलग हो चुकी

2019 के चुनाव में जब खान पर, उनके खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों के सिलसिले में अग्रिम जमानत देते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने बांकुड़ा जिले में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगा दिया था, तब उनकी पत्नी सुजाता ने ही बिष्णुपुर में उनके पक्ष में चुनाव प्रचार किया था। इस बारे दोनों की राहें अलग हो चुकी हैं। सौमित्र खान का आरोप है कि उनके बीजेपी में जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने उन्हें सरकारी नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों से वसूली करने के मामलों में फंसाया।

2021 का विधानसभा चुनाव हार गईं थी सुजाता

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सुजाता के अथक प्रयासों की वजह से सौमित्र खान 2019 में अपनी सीट बरकरार रख पाए। इसके बाद दोनों अलग हो गए। दिसंबर 2020 में सुजाता यह दावा करते हुए तृणमूल कांग्रेस में चली गईं कि बीजेपी ने उनके अथक प्रयासों के बावजूद उन्हें वह नहीं दिया जिसकी वह हकदार थीं। उन्होंने हुगली जिले की आरामबाग विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर 2021 का विधानसभा चुनाव लड़ा पर हार गई।

सुजाता मोंदाल ने किया जीत का दावा

बिष्णुपुर लोकसभा क्षेत्र में साल 2021 के विधानसभा चुनावों में सात सीटों में तृणमूल कांग्रेस ने कुल चार और बीजेपी ने तीन विधानसभा सीटें अपने नाम की थीं। इस बार अपनी जीत सुनिश्चित बताते हुए सुजाता मोंदाल ने कहा कि मुझे अब जनता के लिए काम करने का सीधा अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि ममता बनर्जी की सरकार ने महिलाओं के लिए लक्ष्मीर भंडार मासिक मौद्रिक सहायता योजना और स्वास्थ्य साथी स्वास्थ्य बीमा कवरेज के तहत जनता को लाभ पहुंचाया है और इसीलिए लोग बीजेपी और माकपा के बजाय तृणमूल कांग्रेस को ही चुनेंगे। उन्होंने कहा यह मेरी मातृभूमि है और लोग मुझे जानते है।

पेयजल की समस्या का समाधान

भारत मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बारजोरा में केवल 857 मिमी वार्षिक वर्षा होती है, जो जिले में सबसे कम है। सोनामुखी की शंपा गोस्वामी कहती हैं कि इलाके के ज्यादातर नलों में पानी की एक बूंद नहीं है। हमारी मुख्य मांग है कि इस चुनाव में हमारी पेयजल की समस्या का समाधान किया जाए। निवर्तमान सांसद सौमित्र खान को उनकी कथित अनुपस्थिति और अधूरे वादों के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा हैं। हालांकि बीजेपी विधायक अमरनाथ सखा ने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के प्रति समर्पण पर जोर देते हुए खान का बचाव किया।

सासंद को कभी नहीं देखा गया

ओंडा विधानसभा सीट के निवासी चोटन पॉल ने आरोप लगाया है कि पिछले पांच सालों में चुनाव जीतने के बाद सासंद को कभी आसपास नहीं देखा गया। पॉल ने कहा कि सड़कों की खराब हालत के कारण आपात चिकित्सा स्थिति के समय हमें अस्पतालों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। खराब सड़कें और अनियमित पेयजल आपूर्ति को प्रमुख मुद्दा बताते हुए क्षेत्र के एक अन्य निवासी उत्तम मुखर्जी ने कहा कि वे सांसद और स्थानीय विधायक द्वारा स्थानीय समस्याओं पर सक्रिय दृष्टिकोण देखना चाहते हैं जो कथित तौर पर गायब है।

बिष्णुपुर में कब मतदान?

भाकपा (एम) ने बांकुड़ा जॉयपुर के एक स्कूल के प्रभारी शिक्षक शीतल कोइबोर्तो को मैदान में उतारा है, जो दावा करते हैं कि उन्हें निर्वाचन क्षेत्र में अच्छा रुझान मिल रहा है। कोईबोर्तो ने कहा कि बेरोजगारी, पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उचित प्रयासों की कमी, जिले में साली और दारकेश्वर नदियों के तटों पर कटाव को नियंत्रित करने में विफलता क्षेत्र की कुछ प्रमुख समस्याएं है। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। बिष्णुपुर में लोकसभा चुनाव के छठे चरण में, 25 मई को मतदान होगा।

ममता बनर्जी की दीदीगिरी नहीं करूंगा बर्दाश्त, राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को लेकर ऐसा क्यों कहा?

कोलकाता। राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस ने राजभवन की एक अस्थायी महिला कर्मचारी द्वारा उन पर लगाए गए छेड़खानी के आरोप पर सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उन्हें लेकर ओछी राजनीति कर रही हैं। वे उनकी दीदीगिरी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

राजनीति से ऊपर होते हैं राज्यपाल

चेन्नई से लौटे राज्यपाल ने कोलकाता एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में आगे कहा कि राज्यपाल राजनीति से ऊपर होते हैं। चुनाव के समय मुख्यमंत्री राज्यपाल को भी राजनीति के गलियारे में ले आई हैं। मालूम हो कि ममता ने इस प्रकरण पर पिछले दिनों एक चुनावी रैली में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संदेशखाली पर संदेश देते फिर रहे हैं। उन्हें पहले इस बात का जवाब देना चाहिए कि राज्यपाल ने अपनी कर्मचारी के साथ छेड़खानी क्यों की?

चंद्रिमा भट्टाचार्य ने राज्यपाल के बयान पर किया पलटवार

राज्यपाल के बयान पर पलट जवाब देते हुए बंगाल की वित्त राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा कि राज्यपाल ने कोलकाता लौटते ही मुख्यमंत्री के विरुद्ध असम्मानजनक बातें करनी शुरू कर दी हैं। इसी से पता चलता है कि महिलाओं के बारे में उनकी क्या सोच है। वे कह रहे हैं कि ममता की दीदीगिरी नहीं मानेंगे। तो क्या वे दादागिरी करते रहेंगे? बंगाल के लोग इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। धीरे-धीरे यह प्रमाणित होता जा रहा है कि उन्होंने अन्याय किया है। वहीं वरिष्ठ तृणमूल नेता डा शांतनु सेन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राज्यपाल पर आरोप लगाने वाली महिला की मदद करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल के कुछ संवैधानिक अधिकार हैं, लेकिन वे पद के लिए हैं, न कि व्यक्ति के लिए। एक महिला होने के नाते राष्ट्रपति को दूसरी महिला को न्याय दिलाने में मदद करनी चाहिए।

राजभवन के कर्मचारियों को पुलिस से बात नहीं करने की हिदायत

इस बीच राज्यपाल ने राजभवन के समस्त कर्मचारियों को पुलिस से बात नहीं करने की कड़ी हिदायत दी है। पुलिस के राजभवन में प्रवेश करने पर पहले ही रोक लगाई जा चुकी है। राजभवन की ओर से अधिसूचना जारी करके कहा गया है कि इस मामले की जांच को लेकर किसी भी पुलिसकर्मी से बात न की जाए। मालूम हो कि कोलकाता पुलिस की ओर से विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है, जिसने गवाहों से पूछताछ करने की बात कही है।

जांच किसी व्यक्ति के विरुद्ध नहीं: पुलिस

इस बीच कोलकाता पुलिस के उपायुक्त (केंद्रीय प्रभाग) ने सोमवार को बयान जारी करके स्पष्ट किया कि जांच किसी व्यक्ति के विरुद्ध नहीं है बल्कि यह पता लगाने के लिए की जा रही है कि गत गुरुवार को वास्तव में क्या हुआ था। पुलिस ने यह भी बताया कि मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी को अभी तक राजभवन से सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है।

दीदी-भतीजे ने राम का किया बहिष्कार, अमित शाह बोले- इंडी वालो ने करोड़ों का किया घोटाला

दुर्गापुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को दुर्गापुर में भाजपा प्रत्याशी दिलीप घोष के लिए जनसभा करने पहुंचे, जहां उन्होंने धारा 370, राम मंदिर के साथ-साथ केंद्र की उपलब्धियों को गिनाया और भ्रष्टाचार पर विरोधियों पर तंज कसा। उन्होंने तृणमूल और कांग्रेस पर भी निशाना साधा।

दीदी और भतीजे को भी मिला था निमंत्रण: शाह

अमित शाह ने कहा कि 70 वर्षों तक कांग्रेस ने राम मंदिर के लिए कुछ नहीं किया, बंगाल की जनता ने पिछले चुनाव में 18 सीटें भाजपा को दी, जिसका नतीजा था कि राम मंदिर का शिलान्यास हुआ और इस 22 जनवरी को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा भी हुई। दीदी और भतीजे को निमंत्रण भी भेजा गया, लेकिन ये लोग नहीं गए, क्योंकि उन्हें वोट बैंक से डर था। वोट बैंक के कारण राम का बहिष्कार किया, ऐसे लोगों का बहिष्कार जनता को करना चाहिए।

संदेशखाली के आरोपियों को भेजेंगे सलाखों के पीछे

उन्होंने कहा कि जो सिख, बौद्ध, ईसाई अत्याचार से तंग आकर पड़ोसी देश से भारत आ गए, उनके लिए हम लोगों ने सीएए कानून लाया। लेकिन वोट बैंक के कारण ये लोग विरोध कर रहे हैं। एक महिला मुख्यमंत्री के राज्य में संदेशखाली में टीएमसी के नेताओं ने सैकड़ों मां बहनों के साथ अत्याचार किया। दीदी उन्हें पाताल में भी छुपा दे तो हम उन्हें जेल के सलाखों के पीछे भेजेंगे।

घोटाला करने वालों को जाना होगा जेल

अमित शाह ने आगे कहा कि कश्मीर से धारा 370 हटाने का जब बिल पास हुआ, तब राहुल बाबा कहते थे कि ऐसा होने से खून की नदियां बहेगी, लेकिन वहां धारा 370 भी हटा और एक कंकर भी नहीं चला। आईएनडीआईए गठबंधन वालों ने 12 लाख करोड़ का घोटाला किया। बंगाल में एक मंत्री के घर से 50 करोड़, झारखंड में एक कांग्रेस सांसद के घर से 350 करोड़ का रुपया बरामद हुआ, जिन्होंने गरीब जनता का रुपया लूटा है। उन्हें जेल जाना ही होगा। मोदी को वोट देने का मतलब है अर्थतंत्र में तीसरे स्थान पर जाना, आतंकवाद और नक्सलवाद दूर करना, तीन करोड़ लखपति बहनों को बनाना। उन्होंने बंगाल की तीस सीट भाजपा को देने की अपील की।

लोकसभा चुनाव के बीच बंगाल में बम ब्लास्ट, 1 मासूम की मौत, बीजेपी ने NIA जांच की मांग की

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में सोमवार को बम विस्फोट हुआ। इसमें एक किशोर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इसके बाद स्थानीय बीजेपी सांसद लॉकेट चटर्जी ने घटना की एनआईए जांच की मांग की है। टीएमसी ने कहा है कि बीजेपी बंगाल में हर बम विस्फोट की एनआईए जांच की मांग करती है।

पश्चिम बंगाल में आंधी, बिजली और दीवार गिरने के कारण 12 लोगों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बीती रात को अलग-अलग घटनाओं में कुल 12 लोगों की मौत हो गई। आंधी और बिजली गिरने से पूर्व बर्दवान में 5 पश्चिम मेदिनीपुर 2 और पुरुलिया में 2 लोगों समेत 9 लोगों की मौत हो गई जबकि नादिया में दीवार गिरने से 2 और दक्षिण 24 परगना में पेड़ गिरने से 1 और व्यक्ति की मौत हो गई।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा: बंगाल के 12 साथी नागरिकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। हमारे जिला प्रशासन हर जगह चौबीसों घंटे आपदा प्रबंधन मोड पर काम कर रहे हैं और दिशा-निर्देशों के अनुसार राहत और अनुग्रह राशि प्रदान करने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं।

नॉर्थ बंगाल में आंधी-बिजली का अलर्ट: आईएमडी ने नॉर्थ बंगाल में आज दोपहर से कल सुबह तक के लिए मौसम को चेतावनी जारी की है। इस दौरान यहां जलपाइगुड़ी, दार्जिलिंग, कलिमपोंग, अलीपुरद्वार, कूचबिहार में आंधी-तूफान के साथ बिजली और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। इसके अलावा नॉर्थ दिनजपुर, साउथ दिनजपुर और मालदा में आंधी-तूफान के साथ बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

युसूफ पठान के पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए मैदान में उतरेंगे भाई इरफान पठान, 9 मई को देखने को मिलेगा रोड शो

कोलकाता। बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के बहरमपुर सीट से पांच बार के कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे पूर्व भारतीय क्रिकेटर यूसुफ पठान के पक्ष में प्रचार के लिए अब उनके क्रिकेटर भाई इरफान पठान भी उतरने जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान नौ मई, गुरुवार को अपने भाई के लिए बहरमपुर में रोड-शो करेंगे। इरफान का रेजीनगर, बेलडांगा समेत बहरमपुर लोकसभा के विभिन्न इलाकों में रोड-शो का कार्यक्रम है। इस दौरान यूसुफ भी उनके साथ होंगे। बहरमपुर सीट पर चौथे चरण में 13 मई को मतदान होना है। उससे पहले पठान बंधुओं के एक साथ रोड शो की खबर से तृणमूल समर्थकों में खुशी है। दरअसल, कांग्रेस के दिग्गज नेता अधीर को चुनौती देने के लिए तृणमूल कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के कई जिलों में तूफान के साथ भारी बारिश, 6 लोगों की मौत

कोलकाता। कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के विभिन्न जिलों में सोमवार को हुई भारी बारिश गर्मी से बड़ी राहत के साथ आफत भी साथ लेकर आई। पुरुलिया में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं नदिया के नक्काशीपाड़ा में दीवार गिरने से दो लोगों की जान चली गई। विभिन्न जगहों पर अभी तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। कोलकाता, हावड़ा, हुगली उत्तर व दक्षिण 24 परगना आदि जिलों में सोमवार शाम जमकर पानी बरसा, जिससे पारा एक बार में कई डिग्री लुढ़क गया और मौसम में ठंडक आ गई। पश्चिम मेदिनीपुर, झारग्राम, बांकुड़ा, पुरुलिया, नदिया, वीरभूम व पश्चिम बर्द्धमान जिलों में भी आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। बारिश से कुछ जगहों पर कच्चे घरों के ढहने, पेड़ों के उखड़ने व बिजली के तारों के टूटने की खबर है। मालूम हो कि कोलकाता समेत समूचे दक्षिण बंगाल के लोग भीषण गर्मी से त्रस्त थे। कोलकाता समेत कई जिलों में पारा पिछले कई दिनों 40 डिग्री सेल्सियस के पार था।

संक्षिप्त समाचार

मधेपुरा-मुरलीगंज रेल खंड पर मिला अज्ञात वृद्ध का शव

मधेपुरा , एजेंसी। मधेपुरा के भर्राही थाना क्षेत्र के नेहालपट्टी और मानिकपुर के बीच रविवार को रेलवे ट्रैक पर एक वृद्ध की सिर कटी लाश मिली। मधेपुरा-मुरलीगंज रेल खंड पर लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जमा हो गई। किसी ने घटना की सूचना भर्राही थाना को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि शाम 4 बजे पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से घटना हुई है। रेलवे लाइन किनारे उसका धड़ था और सिर दोनों पटरी के बीच पड़ा हुआ था। मृतक की पहचान के लिए पुलिस जानकारी जुटाने में लगी हुई है। भर्राही थानाध्यक्ष मनोज कुमार बच्चन ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। मृतक की पहचान के लिए लोगों से पता लगाया जा रहा है।

रिटायर्ड सैनिक के घर से 5 लाख की डकैती, चाकू के बल पर घर वालों को बनाया बंधक

गया, एजेंसी। गया शहर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रामबाग स्थित भूतपूर्व सैनिक संजय सिंह के घर में सोमवार की रात डकैती की गई है। बताया जाता है कि 12 की संख्या में बदमाश आए थे। इस संबंध में भूतपूर्व सैनिक के पुत्र सागर कुमार ने बताया कि रात्रि को लगभग 3 बजे घर की खिड़की का ग्रिल उखाड़ कर घर में घुसे और चाकू दिखाकर घर में मौजूद लोगों को एक रूम में बंद कर दिया। उसके बाद सोने चांदी के जेवरात लेकर चले गए। सागर कुमार ने बताया कि उनकी माता जो सोने का कान में पहने हुए थे उसको भी डकैतों ने खुलवा लिया। घर वालों के मुताबिक 5 लाख के जेवरात डकैत ले भागे। गृह स्वामी भूतपूर्व सैनिक संजय सिंह रात्रि को घर पर नहीं थे। डकैती की सूचना मिलने के बाद वह अपने घर पहुंचे। वहीं वजीरगंज सीडीपीओ सुनील कुमार पांडेय ने बताया कि डकैती की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंच कर जांच पड़ताल एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

करंट लगने से 48 साल के मजदूर की मौत

सहरसा , एजेंसी। सहरसा में करंट की चपेट में आने से 48 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। घटना जिला के बनगांव थाना क्षेत्र स्थित बरियाही बाजार की बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार मृतक का नाम रंजीत कुमार गुप्ता है और वह बरियाही बाजार वार्ड नंबर 12 का रहने वाला बताया जा रहा है। मृतक मजदूरी और वैल्डिंग करने का काम करता था। घटना के संबंध में वार्ड पार्षद विनय बिहारी ने बताया कि वह किसी के घर में काम कर रहे थे। सरिया खड़ा करने के दौरान 11 हजार के तार में सट गए और झुलस गए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर इलाज के दौरान मौत हो गयी। मृतक मजदूर अपने पीछे चार बेटी और एक

मुसलमानों को आरक्षण मिलना ही चाहिए, अमित शाह डर गए हैं, इसलिए सभी को भड़का रहे हैं :लालू

पटना, एजेंसी। लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को मुस्लिम आरक्षण पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि मुसलमानों को पूरा रिजर्वेशन मिलना चाहिए। इसके साथ ही राजद सुप्रीमो ने पीएम मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं ये बात जनता समझ गई है।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अगर इंडी गठबंधन सत्ता में आई तो देश में जंगलराज हो जाएगा वाले बयान पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इतना डर गए हैं कि वह सभी को भड़का रहे हैं। साथ ही एनडीए के 400 पार के नारे पर कहा कि वो खुद ही पार हो गए हैं, इसलिए 400 पार बोल रहे हैं।

बता दें कि पीएम मोदी लगातार इंडी गठबंधन के नेताओं पर आरोप लगा रहे हैं कि वो पिछड़ा, ओबीसी के आरक्षण को छीनकर मुसलमानों को देना चाहते हैं, जबकि संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है।

दो दिन पहले पीएम मोदी ने दरभंगा में सभा की थी। प्रधानमंत्री ने लालू और तेजस्वी पर जमकर हमला बोला था। उन्होंने कहा था बिहार के शहजादे के पिता जी ने मुस्लिमों को आरक्षण में से कोटा निकालने की

बात कही थी। रेल अधिकारियों को कहा था कि मुस्लिमों को कोटा दिया जाए। ये स्ट्र-स्ट्र का आरक्षण छीन कर मुसलमानों को देना चाहते हैं।

पीएम ने कहा था, जैसे दिल्ली में एक शहजादे हैं। वैसे ही बिहार में भी एक शहजादे हैं। एक ने देश तो एक ने बिहार को जागीर समझा है। दोनों के रिपोर्ट कार्ड एक जैसे हैं। इनके रिपोर्ट कार्ड में भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं है। लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा, बिहार के शहजादे के पिता जी ने मुस्लिमों को आरक्षण में से कोटा निकालने की बात कही थी।

चिराग पासवान ने कहा कि विपक्ष मुद्दे की बात नहीं करता। हर चीज में हिंदू-मुस्लिम आरक्षण खत्म हो जाएगा, संविधान खत्म होने की बात करते हैं। किसने बोला आरक्षण खत्म हो जाएगा, संविधान खत्म हो जाएगा, किसने बोला कि लोकतंत्र खतरे में है। जिन लोगों ने सही मायने में देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की, वह लोग लोकतंत्र की दुहाई दे रहे हैं।

लोगों को डराकर वोट हासिल करना चाहते हैं। 2015 में भी इसी तरह से आरक्षण खत्म करने की बात कह कर हो-हल्ला मचाया था, एकतरफा चुनाव कर लिया था। मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं, गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हैं, वह संविधान को खत्म करने का प्रयास करेंगे।

यह लोग खुद सही मुद्दा नहीं उठाते हैं, जात-पात, धर्म, मजहब, लोगों को डराना-धमकाना विपक्ष के नेताओं की राजनीति का केंद्र बन चुका है। ये बातें लोजपा (रा) सुप्रीमो चिराग पासवान ने तब कही जब वे वोट देने के लिए बखरी में पहुंचे।

लालू प्रसाद के बयान पर बीजेपी के प्रदेश प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने कहा है कि लालू यादव और पूरे इंडी गठबंधन के लोगों के लिए मुसलमानों का तुष्टीकरण पहली प्राथमिकता है। लालू प्रसाद के बयान के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि इस देश में विपक्ष मुसलमानों के तुष्टीकरण और मुसलमान वोटों के ध्रुवीकरण के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।

मुसलमानों को खुश करने के लिए लालू प्रसाद और उनके साथी पिछड़ों और अतिपिछड़ों की हकमारी में भी पीछे नहीं हटेंगे। इस देश के संविधान को किसी से खतरा है तो लालू यादव और इंडी गठबंधन के लोगों से है। चूंकि उनके लिए मुसलमानों का तुष्टीकरण हर चीज से पहले है।

राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद ने एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 10 आरोप लगाए थे, उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि यह चुनाव मरने की नहीं जिंदा रहने की लड़ाई का चुनाव है। देश की 140 करोड़ जनता गंभीरता से यह सोच रही है।

बांका के शंभुगंज में तस्करों के हौसले बुलंद, शाम ढलते ही बालू की तस्करी का काम कर देते शुरू

संवाद सहयोगी, शंभुगंज (बांका)। बदुआ एवं लोहागढ़ नदी से बालू उत्खनन का खेल बदस्तूर जारी है। जबकि सरकारी स्तर पर प्रखंड की नदियों में एक भी बालू घाटों की लीज नहीं है। इसके बावजूद भी प्रशासनिक उदासीनता है। बालू खनन का धंधा दिन रात चल रहा है। खासकर बदुआ नदी के गढ़ी मोहनपुर, बग्घा, वैदपुर, चकरतनी इत्यादि अन्य जगहों पर एवं लोहागढ़ नदी के बंधूडीह, मालडीह, पीपरा, करंजा इत्यादि अन्य गांवों के समीप अवैध बालू खनन हो रहा है। तस्कर दिन भर नदी से बालू खनन कर सुरक्षित ठिकाने पर भंडारण करते हैं। फिर शाम ढलते ही तस्करी कामों में लग जाते हैं। लोहागढ़ नदी के समीप पीपरा गाव के नहर पर कई जगहों पर अवैध भंडारण है। स्थानीय अधिवक्ता आत्मानंद सिंह सहित अन्य ने बताया कि खेसर सड़क पर रात भर दर्जनों बालू लोड ट्रैक्टर, टीपर इत्यादि चलता है। बताया कि बालू वाहनों के कारण ग्रामीणों का सुबह सड़क पर टहलना मुश्किल हो गया है। बालू खनन से एक तो नदियों का स्वरूप बिगड़ गई है। दूसरा समीप के गांवों में चापानल कुआं का जलस्तर खत्म होने से सूखने लगा है। ग्रामीणों ने कहा कि बालू खनन और भंडारण की शिकायत कई बार स्थानीय प्रशासन से किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हई है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत डीएम से करने की जानकारी दी है। इस संबंध में थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने बताया कि बालू खनन और भंडारण होने की शिकायत नहीं मिली है। बताया कि पुलिस लगातार गश्ती और छापामारी अभियान भी चला रही है।

नाबालिगों को फंसाकर शादी कराने वाले गिरोह का खुलासा

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ी में नाबालिग बच्चियों की शादी से जुड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। बचपन बचाव आंदोलन की टीम और पुलिस को रविवार की रात एक नाबालिग बच्ची की शादी की सूचना मिली थी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने नाबालिगों को फांस कर शादी कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। वहीं, इस रैकेट में शामिल यूपी के तीन आरोपी समेत आधा दर्जन लोगों को भी गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना रुन्नी सैदपुर प्रखंड के एक गांव की है। जहां नाबालिग लड़कियों को झांसे में लेकर शादी कराई जा रही थी। जिसकी गुप्त सूचना मिलने पर बचपन बचाओ आंदोलन की टीम व जिला के नोडल पुलिस पदाधिकारी और स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची।हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले लड़की की शादी हो चुकी थी। पुलिस ने लड़की को उसके बंधन से मुक्त कराया। वहीं, मौके पर मौजूद दूल्हे और विवाह कराने वाले पंडित को गिरफ्तार कर लिया गया।

बचपन बचाओ आंदोलन के सहायक प्रोजेक्ट अधिकारी मुकुंद कुमार चौधरी ने बताया, बीडीओ और स्थानीय थाना से समन्वय स्थापित किया गया। जिसके बाद टीम तुरंत मौके पर पहुंची। लेकिन, तब तक नाबालिग लड़की की शादी करवा दिया गया।

लड़का-लड़की के बारे में फिर बोले नीतीश कुमार नए बयान से मची हलचल, जंगलराज पर फोड़ा ठीकरा

तारडीह (दरभंगा), एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा 2005 से पहले किसकी सरकार थी, यह याद है ना। लोगों को रात में निकलने में डर लगता था। जब से हमारी सरकार आई तब से रात में लड़का-लड़की सब साथ में घूमते हैं। अब डर नहीं लगता है।

वे सोमवार को तारडीह प्रखंड के पोखरभिंडा में एनडीए प्रत्याशी गोपालजी ठाकुर के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवंबर 2005 से हम सरकार में हैं। तब से बिहार के विकास के लिए काम कर रहे हैं। बिना नाम लिए कहा कि वे तो राज्य में 15 साल राज किए। हट गए तो अपनी पत्नी को बना दिए। नीतीश ने आगे कहा कि अब बेटे-बेटी को बना रहे। नौ-नौ गो बेटा-बेटी पैदा किए। उन्हें सिर्फ परिवार की

चिंता है। उनके राज में न तो कहीं बिजली थी, ना आने-जाने का रास्ता। कानून व्यवस्था नहीं थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका परिवार राज्य और देश है। हम काम करते हैं और वे कमाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा से हम लोगों का संबंध तो 1995 से है। बीच में गलतियां हो गई, जिसे सुधार लिया गया है। सीएम ने कहा कि बिहार में अब लड़कियां पढ़ रही हैं। पहले प्रजनन दर अधिक थी, लेकिन जब लड़कियां पढ़ती हैं तो प्रजनन दर घटती है। महिलाओं को नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया है।

नीतीश ने कहा कि बिहार पुलिस में देश व अन्य राज्यों के अनुपात में सबसे ज्यादा महिला पुलिसकर्मी आज राज्य में हैं। उनकी सरकार ने यह तय किया है कि इस कार्यकाल के खत्म होते-होते 10 लाख को सरकारी नौकरी और 10 लाख को रोजगार देंगे। अभी तक चार लाख को रोजगार मिल गया है। एक लाख को बहुत जल्द मिलने वाला है। जरूरत पड़ी तो उसके आगे भी नौकरी दी जाएगी। नीतीश ने कहा कि 17 माह के कार्यकाल में की गई बहाली को वे अपना कार्य बताते हैं, जबकि इसके लिए रोडमैप पूर्व में ही तैयार कर लिया गया था। लड़कियों के साथ राज्य की महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्र में हिस्सेदारी बढ़ाई गई। पंचायत, नगर निकाय के चुनाव में आरक्षण दिया गया।

उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह जीविका की भी चर्चा की।

पूजा-पाठ के बाद आरके सिंह ने किया नामांकन, रोड शो करते पहुंचे नॉमिनेशन केंद्र

आरा(भोजपुर), एजेंसी। एनडीए समर्थित भाजपा पार्टी से आरा लोकसभा के उम्मीदवार केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने नामांकन कर लिया है। डीएम महेंद्र कुमार को उन्होंने अपना नामांकन पत्र सौंपा है। नामांकन से पहले वे लोगों से मिले। जनता से पूछा नामांकन करूं या नहीं। जानता ने समर्थक देते हुए कहा हां बिल्कुल नामांकन करें। दो लाख वोट से विजयी बनाएंगे। उनके साथ उनकी पत्नी भी थीं। जिनके साथ आरके सिंह

नामांकन से पहले मां आरण्य देवी मंदिर भी पहुंचे। जहां भाजपा महिला मोर्चा ने उनका और उनकी पत्नी का तिलक लगाकर स्वागत किया।

आरके सिंह ने मां आरण्य देवी की आरती की। आरण्य देवी मंदिर परिसर में केंद्रीय मंत्री आरके सिंह का ढोल-नगाड़ों के साथ स्वागत किया गया। सैकड़ों की संख्या में समर्थक मंदिर में पहुंचे हुए हैं। आरण्य देवी मंदिर परिसर से माता की आरती के बाद आरके सिंह नामांकन के लिए निकल गए हैं।

आरके सिंह ने कहा कि मां आरण्य देवी का आशीर्वाद है कि विजय हमारी होगी, मोदी की होगी। यह देश महाशक्ति बनेगा। नरेंद्र मोदी पुनः प्रधानमंत्री

बनेंगे। यह देश पुनः महाशक्ति बनेगा। हम लोग आरा का कायाकल्प कर रहे है।

मंदिर से निकलने के बाद रोड शो करते हुए आरके सिंह शहर के शीश महल चौक, जेल रोड, बड़ी मठिया, महादेवा रोड, बाबू बाजार, रमना मैदान के रास्ते नामांकन केंद्र तक जाएंगे। रोड शो के दौरान ऊंट और सैकड़ों गाड़ियां केंद्रीय मंत्री के नामांकन में शामिल है। इस दौरान हजारों की संख्या में भीड़ उमड़ी हुई है। रोड शो के दौरान आरा की जनता अपनी छत से मंत्री पर फूलों की वर्षा कर रहे हैं।

आज मंगलवार को एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन एनडीए गठबंधन की ओर से किया गया है। आरके सिंह के नामांकन में कई दिग्गज नेता कार्यक्रम सह नामांकन का हिस्सा बनेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिले के हर कोने से लगभग 50 हजार लोगों के पहुंचने की उम्मीद एनडीए गठबंधन ने जताई है। कार्यक्रम स्थल तैयार है। कार्यक्रम स्थल की लंबाई-चौड़ाई लगभग 200-150 फीट रखी गई है। स्टेज को 30 बाई 50 का बनाया गया है। बिहार के कई दिग्गज नेता कार्यक्रम में शामिल होकर जनता से जुड़ेंगे।

वहीं एमएलसी जीवन कुमार ने बताया कि आरके सिंह को बिहार के लोग और आरा की जनता विकास पुरुष के नाम से जानते है। क्योंकि आजादी के बाद जितने भी सांसद हुए और जिन लोगों ने भी काम किया उनकी गिनती की जाए और आरके सिंह की गिनती की जाए तो इनके काम की जो चर्चा होती है। तो लोग ये कहते है कि सब को मिलाकर जितना काम हुआ उससे 5 गुना ज्यादा काम आरके सिंह ने कर दिया है। इसलिए इनको विकास पुरुष का संज्ञा दिया हुआ है। एमएलसी ने कहा कि देश का बिजली का उत्पादन जितना होता है आज के डेट में दो गुना हो गया है। वहीं आरके सिंह जी ने मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट को पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि आरा को जाम का शहर माना जाता था आरा से निकलना बहुत मुश्किल होता था लेकिन आज आरा शहर जाम की समस्या से छुटकारा मिल चुका है। बक्सर के लोग आसानी से अब पटना जा सकते है। किसी मरीज को अगर पटना रेफर किया जाता था तो जाम की वजह से मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है।

जमीन बंटवारे को लेकर परिवार में मारपीट, 9 घायल

शेखपुरा , एजेंसी। शेखपुरा के सदर प्रखंड स्थित हथियावा थाना क्षेत्र के दुल्लापुर गांव में दुबारा जमीन बंटवारे की बात पर भाइयों के बीच मारपीट हो गई। घटना में वृद्ध मां सहित दोनों पक्ष के 9 लोग घायल हो गए। घटना के बाद घायलों को ग्रामीणों ने सदर अस्पताल शेखपुरा में भर्ती कराया। वहीं घायलों की पहचान एक पक्ष से अनारवा देवी, प्रमोद यादव, रेणु देवी और ब्रह्मदेव यादव के रूप में की गई। जबकि दूसरे पक्ष से सुग्गन यादव, चंपा देवी, सोनू कुमार, कौशल कुमार और अशोक यादव का नाम शामिल है।

घटना की सूचना पर हथियावा थाना के एसआई विनय कुमार सिंह घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि घायल अनरवा देवी के तीन बेटों के बीच आपसी बंटवारे को लेकर विवाद हुआ था। इसमें एक तरफ से प्रमोद यादव की पत्नी रेणु देवी और दूसरी ओर से सोनू कुमार ने स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। घायल प्रमोद यादव ने कहा कि तीनों भाइयों के बीच 20 साल पहले भूमि को लेकर बटवारा हो गया था। अब परिवार के लोग फिर से बटवारा करने के लिए दबाव बना रहे है। इसलिए लड़ाई हो गई।

नाव से बूथ तक पहुंचे वोटर्स, दिव्यांग और बुजुर्गों में भी मतदान को लेकर दिखा उत्साह

पटना , एजेंसी। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में बिहार की 5 सीटों पर मंगलवार को वोटिंग हो रही है। इसमें मधेपुरा, सुपौल, अररिया, खगड़िया और मिथिलांचल का झंझारपुर शामिल हैं। वोटिंग के दौरान कई ऐसी तस्वीरें सामने आई, जिसे लोकतंत्र की खूबसूरती से नवाजा जा सकता है।कई बूथ पर महिला वोटर्स की लंबी कतार नजर आई तो कहीं पहली बार मतदान की करने की खुशी नजर आई। कहीं दिव्यांगता को हरा मतदान के लिए बुजुर्ग महिला बूथ तक पहुंचीं।

पांच घंटे तक चली केके पाठक के अधिकारियों और कुलपतियों के बीच बैठक

पटना, एजेंसी। सोमवार को शिक्षा विभाग के साथ विश्वविद्यालयों की आयोजित बैठक में दोनों के बीच संवादहीनता की स्थिति दूर होती दिखी। पटना उच्च न्यायालय के निर्देश पर यह बैठक होटल मौर्या में बुलायी गई थी। इसमें चार महीने के बाद शिक्षा विभाग के अफसर और तमाम कुलपति एक-दूसरे के आमने-सामने हुए।

इससे पहले आठ जनवरी को विभागीय बैठक में कुलपतियों ने हिस्सा लिया था। रुचिकर यह कि बैठक में कुलपतियों ने विश्वविद्यालयों की समस्याएं गिनाईं तो शिक्षा विभाग ने कुलपतियों से अपनी अपेक्षाएं रखीं। पूरे पांच घंटे तक चली बैठक की वीडियो रिकॉर्डिंग भी करायी गयी।

कुलपतियों ने शिक्षा विभाग के समक्ष विश्वविद्यालयों के वित्तीय संकट से पैदा

हुई विषम परिस्थिति की चर्चा की। इस बीच विश्वविद्यालयों की परीक्षाएं अप-टू-डेट करने की भी जानकारी दी।

विश्वविद्यालयों के कुलपति समेत सभी प्राध्यापकों का भी वेतन भुगतान लंबित रहने से कामकाज पर पड़ने वाले असर से भी विभाग को अवगत कराया गया। वहीं, विश्वविद्यालयों में स्थापित होने वाली डिजिटल लाइब्रेरी के लिए संसाधनों हेतु कमेटी के गठन की आवश्यकता जतायी गई।

नियमित पुस्तकालयाध्यक्षों की नियुक्ति की भी जरूरत बतायी। शिक्षा विभाग से सभी कुलपतियों ने आग्रह किया कि विश्वविद्यालयों में दूरस्थ शिक्षा की समस्याओं का समाधान किया जाए। पर्यटन सहित विभिन्न स्ववित्तपोषी पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने के सुझाव भी बैठक में दिए गए।

शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव ने विश्वविद्यालयों में वित्तीय प्रबंधन और उसमें पूरी पारदर्शिता लाने की नसीहत कुलपतियों को दी। पूर्व से तय एजेंडे के आधार पर चली बैठक में विभाग की ओर से कुलपतियों के समक्ष यह अपेक्षा भी रखी गई कि सरकार द्वारा उपलब्ध बजट का खर्च संबंधी पाई-पाई का हिसाब दिया जाए।

इसके लिए बही-खाता दुरुस्त रखें । विभाग द्वारा पावर प्रजेंटेशन के जरिए अहम जानकारियां दी गईं। साथ ही विभाग द्वारा वित्तीय नियमावली बीएफआर-जीईआर का उन्मुखीकरण भी हुआ।

तय एजेंडे के तहत जिन मामलों पर बैठक में चर्चा हुई, उनमें न्यायिक मामलों का निष्पादन (विशेषकर अवमाननावाद), अकादमिक कैलेंडर एवं परीक्षाफल प्रकाशन, विश्वविद्यालयों में आंतरिक स्त्रोत की राशि की उपलब्धता, समयबद्ध तरीके से निधि का महत्तम उपयोग की कार्य योजना तथा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के कार्यों को सुगम बनाया जाना शामिल हैं।

शिक्षा विभाग के विशेष सचिव सतीश चन्द्र झा, उच्च शिक्षा निदेशक रेखा कुमारी, उच्च शिक्षा के उप निदेशक डा.दीपक कुमार सिंह एवं उप निदेशक दिवेश कुमार चौधरी के अलावा सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव, वित्त परामर्शी, परीक्षा नियंत्रक एवं वित्त अधिकारी।

सामान्य पर्यवेक्षक के द्वारा क्लस्टर विद्यालयों का किया गया निरीक्षण

रांची एक्सप्रेस संवाददाता जयनगर प्रखंड के क्लस्टर विद्यालयों में उत्क्रमित मध्य विद्यालय मधवाटांड़ एवं परसाबाद स्थित राज्य संपोषित उच्च विद्यालय में जनरल ऑब्जर्व आलोक सिंह एवं साथ चल रहे पदाधिकारियों के द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव विधि व्यवस्था को देखते हुए विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। विद्यालयों में विधि व्यवस्था को लेकर कई दिशा निर्देश दिए गए। इन्होंने कहा कि शौचालय की व्यवस्था पानी की व्यवस्था एवं बिजली की व्यवस्था चुस्त एवं दुरुस्त होनी चाहिए। विद्यालयों में निरीक्षण के दौरान सारी व्यवस्था पर्याप्त देखी गई। विद्यालय की व्यवस्था को देखकर विद्यालय के प्रिंसिपल मनोज कुमार पांडे एवं विद्यालय के सभी शिक्षकों को पर्यवेक्षक आलोक सिंह ने धन्यवाद दिया और कहा कि विद्यालय में तो सारी व्यवस्थाएं उपलब्ध है और बहुत ही अच्छी साफ सफाई देखने को मिली। निरीक्षण के दौरान उपस्थित जनरल ऑब्जर्व आलोक सिंह डीएसपी पुरुषोत्तम सिंह एसडीओ रिया सिंह एलआर डीसी बरही अजय भगत प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार जयनगर थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान परसाबाद पुलिस पीकेट प्रभारी इस्लाम अंसारी बीपी आरओ वीरेंद्र कुमार बीपीओ रविकांत कुमार जेई सत्यवान कुमार सुपरवाइजर दिलीप यादव विजय शर्मा पीएस शिवानी यादव कुंदन कुमार प्रिंस रॉबिन बी एल वो मीना देवी रीना देवी सरिता देवी सपना कुमारी आ एस आर प्रभारी प्रवीण कुमार देवनारायण यादव कुमार प्रिंस विद्यालय के प्रिंसिपल मनोज कुमार पांडे मुखिया प्रतिनिधि सरफुद्दीन अंसारी विद्यालय के सभी शिक्षक थाना के जवान पीकेट के जवान उपस्थित थे।

विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति के द्वारा चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा-विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति के द्वारा लोकतंत्र के महापर्व के शुभ अवसर पर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया यह अभियान विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति झारखंड प्रांत के सह प्रमुख योगाचार्य सुषमा सुमन ने गांव गांव में जाकर मतदान का महत्व बताई और आपका मतदान से 5 वर्षों के लिए सरकार बनती है और आप मतदान देते हैं तो लोकतंत्र मजबूत होती है और एक मजबूती सरकार बनती है इसलिए आपका मतदान आने वाले पीढ़ी और समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाता है इसलिए मतदान अवश्य करें । सुषमा सुमन ने सभी को शपथ दिलाई और सभी लोग ने शपथ लेते हुए बोले पहले मतदान करेंगे उसके बाद जलपान करेंगे, प्रदीप कुमार सुमन ने बताया की सुबह से निकलकर लगभग 20 गांव का भ्रमण किया गया जिसमें सभी छोटे-बड़े लोग को मतदान का महत्व बताया गया और सभी लोगों को उमंग देख करके लगा की लोकतंत्र एक बहुत बड़ा त्यौहार है, जो लोकसभा का द भारत सरकार जो बनती है। इसलिए हम लोग का मतदान कितना महत्व है इसलिए सभी मतदान देने के लिए उत्साहित है। जिस जिस गांव में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया वह गांव है,उरमा मोर, मदन गुंडी, पत्थलगड़ा, हेरनो, चंदवारा, माथाडीह, पुरनाडीह, मंझालाडीह, राजपूत मोहल्ला ,तिवारी मोहल्ला , कुम्हार टोली, पांडे मोहल्ला, डोयांडीह, आदि गांव में चलाया गया और अभी प्रत्येक दिन चलेगा, भारत माता की जय,पहले मतदान उसके बाद जलपान।

होली चाइल्ड स्कूल की ओर से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए निकाली जागरूकता रैली

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा लोकसभा में 20 मई को मतदान होना है और इसको लेकर मंगलवार की सुबह झुमरी तिलैया के बिशुनपुर रोड स्थित होली चाइल्ड स्कूल की ओर से मतदाताओं को जागरूक करने के लिए एक रैली निकाली गई। इस जागरूकता रैली में स्कूल की प्रिंसिपल प्रियंका ओझा सहित सभी शिक्षक गण व नवमी और दशमी के बच्चे शामिल थे। यह रैली बिशुनपुर होते हुए कोरिया बस्ती , नवादा बस्ती , सीडी कॉलोनी और नरेश नगर होते हुए पुन- स्कूल जाकर एक अच्छे भारतीय होने की शपथ लेते हुए कार्यक्रम में तब्दील होते हुए समाप्त हो गई। रैली में शिक्षक व बच्चों ने अलग-अलग स्लोगन की तकक्तियां जैसे पहले मतदान फिर जलपान, वोट देने जाना है अपना फर्ज निभाना है, 20 मई को वोट करेगा कोडरमा आदि जैसे नारों से लोगों को जागरुक कर रहे थे। शिक्षक गण व बच्चों ने लोगों को अपने साथ-साथ आसपड़ोस में रहने वाले लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। प्रिंसिपल प्रियंका ओझा ने बताया कि स्टूडेंट्स की अपील का लोगों पर काफी प्रभाव पड़ता है और इसी को ध्यान में रखकर होली चाइल्ड स्कूल द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। प्रियंका ने लोगों से अपील करते हुए कहा की 20 मई को छुट्टी का दिन न समझें, बल्कि इस दिन को सबसे अहम दिन मानते हुए जलपान से पहले मतदान करें। एक अच्छी सरकार बनने से ही देश व समाज की तकदीर बदल सकती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिका सीमा सिंह,मुस्कान सिन्हा, प्रीति सिंह, काजल कुमारी, साध्वी पांडे, काजल सिन्हा, पायल कुमारी, सृष्टि कुमारी, पूनम सिन्हा, रूपाली कुमारी सहित शिक्षक शौर्य चौधरी, निशिथ ओझा, महेश सिंह, गोपाल पांडे,कुणाल कुमार, प्रवीण कुमार यादव, अफजल हुसैन, असगरी खातून, रितु कुमारी सहित सभी बच्चे शामिल थे।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री एवं कोडरमा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी ने विभिन्न गांवों में किया जनसंपर्क

रांची एक्सप्रेस संवाददाता कोडरमा - केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री और कोडरमा संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि जनता को अराजक, हिंसक और मतलबपरस्त भाकपा माले से सावधान रहने की जरूरत है। एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भाकपा माले के गुंडे अपने प्रभाव क्षेत्र में आए दिन राहगीरों, छोटे दुकानदारों, वाहन चालकों आदि से अवैध वसूली करते हैं और इनकार करने पर मारपीट और गाली गलौज करते हैं। अभी तक तो इनकी अराजकता एक खास इलाके तक सीमित है लेकिन ये अपनी गुंडागर्दी का विस्तार पूरे कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में करने का मंसूबा पाले बैठे हैं। झामुमो, कांग्रेस और राजद को इनकी गुंडागर्दी से फायदा है और भाकपा माले इन दलों के गठबंधन वाली सरकार की लूट में हिस्सेदार है। यही कारण है कि इन दिनों ये साथ साथ हैं। ये लुटेरा गठजोड़ झारखण्ड और खासकर कोडरमा लोकसभा क्षेत्र की शांतिप्रिय मेहनतकश जनता के लिए खतरनाक है। इस गठजोड़ के मंसूबे को किसी कीमत पर पूरा नहीं होने देना है। सतगांवा प्रखण्ड के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क के क्रम में अन्नपूर्णा देवी ने ये बातें कहीं। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि कल पूरे देश ने देखा कि राज्य सरकार के एक मंत्री के पीएस के नौकर के घर से करीब 35 करोड़ रुपए मिले। लेकिन भाकपा माले प्रत्याशी या गठबंधन के किसी नेता के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। यह चुप्पी सिद्ध करती है कि लूट के माल में सबका हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भाकपा माले के लोग अपनी चोरी और नाकामी छिपाने के लिए हमेशा झूठ का सहारा लेते हैं। झारखण्ड के बच्चे बच्चे को पता है कि अभ्रक, ढिबरा, बालू और पत्थर का कारोबार राज्य का विषय है और हेमंत सरकार की उपेक्षा के कारण इन सबका वैध कारोबार संकट में हैं। लोगों को यह भी पता है कि राज्य सरकार के संरक्षण में झामुमो, भाकपा माले, कांग्रेस और राजद के लोग धड़ल्ले से बालू, पत्थर, ढीबरा आदि का अवैध कारोबार कर रहे हैं। इसके बावजूद बेशर्मी के साथ इसके लिए केंद्र की मोदी सरकार को जिम्मेवार ठहराया जा रहा है। लोग जागरूक हैं, साजिश - सियासत - सेवा - सरोकार सब कुछ समझते हैं। उन्हें पता है कि एक तरफ लुटेरों की जमात है जो जहां मौका मिलता है, जनता की गाढ़ी कमाई लूटकर अपनी तिजोरी भर लेता है। एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण में सेंधमारी कर धर्म के आधार पर अपने वोट बैंक को आरक्षण देता है। दूसरी तरफ, चौकीदार है जो इन चोरों की काली कमाई पकड़कर इन्हें जेल भेज रहा है। लूट का माल इन्होंने अपने सीए के पास छिपाया हो, अपने पीएस के नौकर के घर रखा हो या अपने दलालों को दे रखा हो, सब पकड़ा जा रहा है। ये चौकीदार मुस्तैदी से संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण की पहरेदारी कर रहा है। इसलिए मेरे सभी परिवारजन एक स्वर में कह रहे हैं कि कोडरमा को चोर नहीं, चौकीदार चाहिए। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भाजपा और इन चोरों की जमात के बीच के भारी फर्क को जनता समझ रही है। जनसंपर्क के दौरान सहज भाव से मेरे परिवारजन, मेरी माताएं - बहनें बताती हैं कि मोदी सरकार ने 10 साल में कितना कुछ बदल दिया। अब खुले में शौच नहीं जाना पड़ता, हर महीने निःशुल्क अनाज मिल जाता है, रसोई से धुंवा गायब हो गया है, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के जरिए घरेलू महिलाएं उद्यमी बन रही हैं, इलाज के लिए आयुष्मान है, स्वरोजगार के लिए मुद्रा और पीएम स्वनिधि है, खेती किसानी के लिए पीएम किसान है। ये सारी सुविधाएं पारदर्शी तरीके से क्रमवार लोगों को मिल रही है। जो थोड़ी बहुत बाधाएं हैं भी, वो कांग्रेस, राजद, झामुमो और भाकपा माले ने ही कमीशन खाने के लिए खड़ी की हैं।

लरियाडीह में इंडिया गठबंधन का प्रखण्ड स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा। भाजपा नही चाहती की देश के गरीबों के बच्चे देश के अव्वल विश्वविद्यालय जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर सकें। इसलिए जेएनयू को लेकर झूठ फैलाती है। भाजपा सरकार के खिलाफ जेएनयू ने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार और महिला सुरक्षा को लेकर हमेशा आवाज़ बुलंद की है। इसबार कोडरमा में पैसेवालों और खून पसीना बहाने वालों के बीच लड़ाई है। मेहनतकश आवाम बदलाव के पक्ष में खड़ा होकर भाजपा को हराने के लिए उत्साहित है। कोडरमा की आवाज़ संसद में अब विनोद सिंह के रूप में गूंजेगी। उक्त बातें जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष कॉमरेड धनंजय कुमार ने कोडरमा के लरियाडीह में आयोजित प्रखण्ड स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार लगातार मुद्दे से भाग रही है और ध्यान भटकाओ अभियान चला रही है।लेकिन जनता भाजपा और पीएम मोदी को मुद्दे से भागने नही देंगे। कोडरमा प्रखण्ड स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की अध्यक्षता राजद नेता रामबचन यादव और संचालन सीपीआई नेता प्रकाश रजक ने किया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए इंडिया गठबंधन के जिला संयोजक सह राजद जिलाध्यक्ष रामधन यादव ने कहा कि खेत खलिहान से लेकर गली मुहल्ले तक बदलाव की लहर है। इंडिया गठबन्धन के कार्यकर्ता गली गली में मेहनत कर रहें है। इंडिया गठबंधन को अप्रत्याशित मिल रहे जनसमर्थन से भाजपा बौखला गयी है। मुद्दों से भटकाने के लिए इधर-उधर और हिन्दू मुसलमान का गीत गा रहें है। उन्होंने कार्यकर्ताओ से कहा कि सभी प्रखंडों में डोर टू डोर अभियान चल रहा है।उन्होंने कहा कि कोडरमा प्रखण्ड में हर घर तक पहुंचना है।प्रखण्ड के हर पंचायत में सामंजस्य स्थापित कर ऊर्जा के साथ काम मे जुटने की आह्वान किया। सम्मेलन में राजद नेता अवधेश प्रसाद यादव, सीपीआई नेता महादेव राम, दलित उत्पीड़न संघर्ष समिति के इंद्रदेव राम,कांग्रेस जिलाध्यक्ष भगीरथ पासवान, कांग्रेस नेता मनोज सहाय पिंकू, बसपा नेता प्रकाश अंबेडकर,सीपीएम नेता असीम सरकार, राजद नेता सरफराज नवाज, महेंद्र यादव,मो मुबारक ने संबोधित करते हुए कहा कि बदलाव के लिए भाकपा माले उम्मीदवार विनोद सिंह को भारी मतों से जिताने की अपील की।मौके पर रघुनाथ दास, महेश यादव, कन्हाई यादव, रामचंद्र यादव,सहदेव यादव, क्युमुद्दीन, समसुद्दीन अंसारी,रामेश्वर यादव, महेश सिंह, सोनू कुमार, पारस कुमार, असगर अली, लक्ष्मण रजक, गौतम कुमार, सुभाष कुमार, भीम कुमार, दामोदर दास आदि मौजूद थे।

सतगावां के चुनावी सरगर्मी तेज,प्रत्याशियों ने विभिन्न गांवों में चलाया जनसंपर्क अभियान

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

सतगावां प्रखंड में मंगलवार को सुबह से ही प्रत्याशियों के द्वारा विभिन्न गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर चुनावी सरगर्मी तेज कर दिया है ।एक दिन पहले तक प्रखंड में चुनाव को लेकर किसी तरह की कोई चहल पहल नही थी लेकिन अचानक दो अलग अलग प्रत्याशियों के द्वारा जन संपर्क अभियान चलाकर कार्यकर्ताओं एवं मतदाताओं के एक अलग संचार पैदा कर दिया।सुबह नौ बजे से ही चिलचिलाती धूप में इंडिया गठबंधन से माले के प्रत्याशी बिनोद सिंह के द्वारा अपने समर्थकों के साथ जनसमपर्क अभियान चलाया वहीं दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी के बहुचर्चित कोडरमा सांसद सह केन्द्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ ग्राम ,कटैया, पोखरडीहा ढाब सिहास ,नासरगंज शिवपुर, बासोडीह, रामडीह, नासरगंज, समलडीह,महथाखैरा नरायडीह , मरचोई,योगीडीह इटाई ,डेवोडीह राजाबर समेत दर्जनों गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाकर कमल छाप पर वोट देने की अपील की।वहीं अन्नपूर्णा देवी ने लोगों से अपने पक्ष में वोट देने की अपील करते हुए कहा की आपका हर वोट देश की तरक्की के लिए होगा, हर वोट महिलाओं एवं देश की सुरक्षा के लिए होगा,आपका हर वोट देश के सम्मान के लिए होगा जो नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करेगा।मौके पर जयशंकर , प्रसाद कौआकोल जिला परिषद सदस्य अजित यादव सांसद प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार मेहता भाजपा नेता महावीर यादव सरोज कुमार राजकुमार यादव वीरेंद्र यादव सुरेश यादव विधायक प्रतिनिधि धनन्जय प्रमुख प्रतिनिधि रामावतार चौधरी उप प्रमुख मनोज कुमार निराला नावाडीह मुखिया प्रतिनिधि श्रीकांत यादव ,दीपश अग्रवाल बालमुकुंद सिंह,अरविंद सिंह,रंजित सिंह,उत्तम सिंह,विकास कुमार, मनोज यादव पूर्व मुखिया चन्दिका यादव,विजय सिंह,नरेश यादव,राहुल कुमार,मनोज चौधरी,, सुबोध कुमार सिन्हा ,प्रवीण कुमार,अविनाश कुमार गोयल,,तारणी सिंह,धर्मेंद्र कुमार,मनोज कुमार,भोला प्रसाद व्यास यादव सिकंदर यादव वीरेंद्र कुमार वर्णवाल,पिंटू पांडेय आदि मौजूद थे।।

ग्रिज़ली विद्यालय में एनडीए के लिए काउन्सलिंग सेमिनार का आयोजन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा - ग्रिजली विद्यालय के सभागार में कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्रों के लिए स्टूडेंट सर्विस सेल के द्वारा भारतीय सेना में कमीशन अफसर के तौर पर अपनी सेवा देने के इच्छुक युवाओं को कैरियर के अवसरों के बारे में युवा मन को प्रेरित और प्रबुद्ध करने के लिए एक कैरियर काउन्सलिंग सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के तौर पर भारतीय सेना के रिटायर्ड ब्रिगेडियर अमर नारायण शामिल हुए और भारतीय सशस्त्र बलों में जीवन और अवसरों के बारे में बहुमूल्य जानकारी को पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से साझा किया। सैनिक स्कूल तिलैया के पूर्व छात्र ब्रिगेडियर अमर नारायण ने 1981 में नेशनल डिफेंस अकादमी में प्रवेश प्राप्त किया था एवम 1985 में आर्मी एयर डिफेंस में कमीशन हुए थे। स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड के प्रेसिडेंट के

तौर पर ब्रिगेडियर अमर नारायण ने 3 साल के सेवा अवधि में 3000 से ज्यादा अभ्यर्थियों का साक्षात्कार एवम स्क्रीनिंग किया है। कार्यक्रम की शुरुवात में विद्यालय की प्राचार्या अंजना कुमारी ने मुख्य वक्ता ब्रिगेडियर अमर नारायण का स्वागत पौधा देकर किया। अपने स्वागत संबोधन में प्राचार्या अंजना कुमारी ने कहा कि भारतीय सेना में शामिल होकर देश की सेवा करना हर छात्र का सपना होता है मगर सभी सफल नहीं हो पाते है परंतु संपूर्ण जानकारी एवम तैयारी के द्वारा ये सपना जरूर पूरा हो सकता है और ऐसे सेमिनार के माध्यम से छात्र अपने इस सपने के और करीब आ सकते है। मुख्य वक्ता ब्रिगेडियर अमर नारायण ने छात्रों को भारतीय सेना में उपलब्ध कैरियर की संभावनाओं की गहरी समझ प्रदान कराई एवम उनसे जुड़ी अनूठी जीवनशैली और मूल्यों पर भी प्रकाश डाला। ब्रिगेडियर अमर नारायण ने अपने व्यापक अनुभव और ज्ञान को छात्रों के सामने प्रस्तुत करते हुए उन्हें देश सेवा में जाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एनडीए, सीडीएस और एएफसीएटी, टीईएस, अग्निवीर सहित विभिन्न प्रवेश मोड पर चर्चा की, जिसके माध्यम से छात्र भारतीय सेना में अपना करियर बना सकते हैं।

सामान्य प्रेक्षक आलोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में 05 कोडरमा लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सभी कोषांग की समीक्षा बैठक का आयोजन

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा 05 कोडरमा लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के निमित्त समाहरणालय सभागार में सामान्य प्रेक्षक महोदय, आलोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में 05 कोडरमा लोकसभा संसदीय क्षेत्र के निमित्त सभी कोषांग की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी, मेघा भारद्वाज द्वारा सामान्य प्रेक्षक महोदय को 05 कोडरमा लोकसभा संसदीय क्षेत्र के निमित्त सभी कोषांग द्वारा की गई तैयारियों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक महोदय, आलोक कुमार सिंह के द्वारा सभी कोषांग की बारी-बारी से समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित अधिकारियों को सुनियोजित तरीके से कार्य करने का निर्देश दिया। वहीं सामान्य प्रेक्षक ने सभी कोषांगों का समीक्षा करते हुए स्वतंत्र, निष्पक्ष व भयमुक्त निर्वाचन को लेकर अधिकारियो को कई बिंदुओं पर निर्देश दिया। उन्होंने सभी कोषांग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उन्होंने निर्वाचन कार्य के लिए उपलब्ध इवीएम व वीवीपैट की संख्या, सी- विजिल, इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम, एफएसटी, वीएसटी व वीवीटी की संख्या की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इसके अलावा सामान्य प्रेक्षक के द्वारा सभी सहायक निर्वाची पदाधिकारियों को वोटर इनफॉर्मेशन स्लिप का वितरण जल्द से जल्द सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

विभिन्न मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

सामान्य प्रेक्षक ने डोमचांच एवं कोडरमा प्रखंड के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस क्रम में उन्होंने आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों का भ्रमण कर वहां सारी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित कराएंगे। साथ ही वहां शौचालय, पेयजल की उपलब्धता, बिजली की व्यवस्था, मोबाइल चार्जिंग आदि व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित रखेंगे। इसके अलावा उन्होंने मॉकपोल की व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली तथा सभी संबंधित अधिकारियों को कम्युनिकेशन को बेहतर रखने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में मशीनरी का बहुत महत्वपूर्ण रोल होता है, इसलिए सभी मशीनरी को सुव्यवस्थित रखेंगे।

डिस्पैच सेंटर व स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

सामान्य प्रेक्षक ने डिस्पैच सेंटर और स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त मेघा भारद्वाज, पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, उप विकास आयुक्त ऋतुराज, अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पुरेंदु समेत विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारी व नोडल पदाधिकारी मौजूद रहे।

टिकट के दांवपेच... चढ़ा सियासी पारा

इस सीट पर सपा के प्रत्याशी को बदलने की चर्चाओं ने सियासी माहौल उलझाया

बलरामपुर , एजेंसी। कयास, कशमकश और करामात से देवीपाटन मंडल की कैसरगंज सीट उबरी तो श्रावस्ती में सिलसिला तेज हो गया है। सपा के दांव से लड़ाके तो चारों खाने चित्त ही हुए, आम लोग भी हैरत में सिर पकड़े बैठे हैं। टिकट के बदलाव और फिर पुराने को यथावत रखने के फैसले की गूंज सोमवार को मंडल के चारों जिलों में रही। समीकरण साधने में देवीपाटन मंडल की श्रावस्ती सीट इस समय काफी अहमियत रखती है। यहां की चाल से बहराइच और गोंडा संसदीय सीट पर भी असर पड़ता है। नामांकन के दौर में सबकुछ ठीक चल रहा था, लेकिन रविवार से सपा के खेमे में हलचल बढ़ी तो भाजपा के रणनीतिकार भी सजग हो गए। गतिविधि को पढ़ने व गढ़ने में जुट गए। सोमवार को बड़े धमाके ने सियासी चाल ही बदल दी। सियासत में ऐन वक्त के फैसले जहां काफी मायने रखते हैं, वहीं समीकरण बनाते-बिगाड़ते भी हैं। श्रावस्ती संसदीय सीट पर दो दिनों के

सियासी समीकरण का था दांव या फिर कोई बड़ा दबाव

सपा की दावेदारी में जिस तरह बवंडर मचा, इसके पीछे के निहितार्थ भी तलाशे जा रहे हैं। पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा कि फैसला चाहे जो रहा, इसके पीछे पार्टी की कोई अहम रणनीति रही होगी, वहीं माना जा रहा है कि देवीपाटन मंडल में सियासी समीकरण का दांव था। कैसरगंज से ब्राह्मण, गोंडा से कुर्मी व बहराइच में दलित प्रत्याशी के बाद पड़ोस की सीट पर क्षत्रिय प्रत्याशी पर दांव चलकर सोशल इंजीनियरिंग को धार देने की कोशिश थी, लेकिन सोमवार को फिर तस्वीर बदल गई।

दावेदारों के अपने- अपने दावे

सोमवार को सपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन करने के साथ ही पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने दावा किया कि टिकट उनका पक्का है। उन्हें सपा नेतृत्व से प्रपत्र मिले हैं, इसके बाद ही उन्होंने नामांकन किया है। उन्होंने इसकी जरूरत के बारे में भी बताया, वहीं पहले से नामांकन दाखिल करने वाले सांसद राम शिरोमणि वर्मा ने भी दावा किया कि उनका टिकट पक्का है। पार्टी नेतृत्व ने उन्हें ही अधिकृत किया है। सोमवार को फिर से भी दावेदारी पक्की की है, जिससे किसी तरह की दुविधा न रहे। अब चिह्न आवंटन के साथ ही चीजें साफ हो जाएंगी।

घटनाक्रम से सियासत में भूचाल मचाए रखा। सपा के पैंतरे से हर कोई चकित ही नहीं भौचक्का है। शनिवार को सपा से दाखिला करने वाले सांसद राम शिरोमणि वर्मा के नामांकन जश्न का जोश ठंडा भी नहीं पड़ा था कि रविवार को टिकट बदलने के संदेश ने हलचल मचा दी।

सोमवार को नए दावेदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने जोश और उत्साह के साथ बतौर सपा प्रत्याशी दाखिला भी किया। इसके बाद दोपहर तक फिर सांसद राम शिरोमणि वर्मा का टिकट सुरक्षित होने का संदेश आ गया। सपा दिग्गज संदेशों को संभालते दिखे। हाईकमान तक संपर्क कर स्थिति साफ करने में जुटे रहे। सपा के एक नेता ने कहा कि टिकट की लड़ाई अभी जारी है, सिंबल कौन दाखिल करता है इसी से तस्वीर साफ होगी। दोनों दावेदारों की कदमताल पर लोगों की निगाहें टिकी हैं। मंगलवार व बुधवार को नामांकन पत्रों की जांच पूरी होनी है। इसके बाद बृहस्पतिवार को नाम वापसी होगी। इस दौरान सिंबल जमा ही करना होगा। फिलहाल राम शिरोमणि वर्मा की दावेदारी पर सोमवार को मुहर लगती दिखी तो दूसरे खेमे ने भी अभी हार नहीं मानी है। खेमों में बंटी सपा, अब हाईकमान के फैसले पर नजर

भाजपा, सपा व बसपा के प्रत्याशियों ने अपना नामांकन शनिवार तक दाखिल कर दिया था। रविवार की शाम को सपा के सहयोगी दल कांग्रेस के नेता धीरेंद्र प्रताप सिंह के खेमे में ढोल-नगाड़ा बजने के साथ ही सपा कार्यालय को मिली जानकारी से माहौल बदला। सियासत में बदलाव का रंग सोमवार की दोपहर तक गाढ़ा रहा, लेकिन दोपहर में फिर सपा की ओर से संदेश मिला कि पुराने प्रत्याशी राम शिरोमणि वर्मा पर ही सहमति बनी है। इसके बाद नई चर्चाओं ने जोर पकड़ा। इसी के साथ सपा दो खेमों में बदली दिखी।

सपा जिलाध्यक्ष डा. मणिक लाल कश्यप ने भी दबी जुबान से नये संदेश की पुष्टि की। इसी के साथ सभी की निगाहें सपा हाईकमान के अगले कदम पर टिक गई। श्रावस्ती में बहती सियासी धारा में पत्थर मारने की हलचल दूर तक पहुंची है।

संक्षिप्त समाचार

वाराणसी सहित पूर्वांचल के कई जिलों में येलो अलर्ट

अगले 6 दिन तक आंधी के साथ बारिश के आसार

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी में भीषण गर्मी से मामूली राहत मिली है, लेकिन धूप तेज होने से सड़कों से लेकर घाटों तक सन्नाटा पसरा है। सोमवार की सुबह ठंडी हवा के साथ हुई तो लोगों को राहत तो मिली, लेकिन दिन चढ़ने के साथ ही धूप तेज होने लगा। इधर, मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है।

ऐसे बदल रहा मौसम

सोमवार को दिन में तेज धूप के बाद रात से मौसम तेजी से बदला है। मंगलवार की सुबह से ही इसका असर देखने को मिल रहा है। नम पछुआ हवाओं के चलने की वजह से धूप का असर भी कम है, इस वजह से लोगों को गर्मी से मामूली राहत मिली है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव का कहना है कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से वाराणसी से लेकर बलिया, गाजीपुर, जौनपुर सहित पूर्वांचल के कई जिलों को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके तहत 7 से 12 मई तक आंधी के साथ बारिश भी की संभावना है। इस वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिलने के साथ ही तापमान में भी गिरावट के आसार हैं।

सो रहे बुजुर्ग के सिर में ईंट से हमलाकर हत्या का आरोप

इंदिरापुरम। कोतवाली क्षेत्र के प्रह्लादगढ़ी में सोमवार सुबह सात बजे मंदिर परिसर की बनी झोपड़ी में सो रहे बुजुर्ग खून से लथपथ पड़े मिले। पत्नी ने शोर मचाकर परिजनों को बुलाया। दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में घायल की मौत के बाद परिजनों ने जमीनी विवाद में ईंट से हमलाकर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस को दो नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर सीसीटीवी फुटेज चेक कर साक्ष्य एकत्रित कर रही है। प्रह्लादगढ़ी निवासी विरेश जाटव ने बताया कि उसके पिता चरणसिंह (72) ने लालबत्ती के पास मंदिर में गाय पाल रखी हैं। वह झोपड़ी बनाकर परिसर में ही रहते थे। रात दो से तीन बजे के बीच में सोने के दौरान कुछ लोगों ने ईंट से उनके सिर पर हमला कर लहूलुहान कर दिया। वह खाट से नीचे फर्श पर गिर पड़े। सुबह सात बजे उनकी मां रोजाना की तरह दूध लेने पहुंचीं तो देखा कि पति लहूलुहान पड़े थे। वह शोर मचाकर भागती हुई घर पहुंचीं और परिवारजनों को जानकारी दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायल चरण सिंह को संजय नगर स्थित संयुक्त अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां सोमवार दोपहर को इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। विरेश का आरोप है कि पिछले कई सालों से प्रह्लादगढ़ी में 350 वर्गगज जमीन को लेकर प्रदीप शर्मा और अन्य से विवाद चल रह है जबकि वह और परिवार के अन्य लोग जमीन पर बने मकान में रहते हैं। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या और एससी-एसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। डीसीपी निमिष पाटील का कहना है कि घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

जिस ट्रेन से जाना था लुधियाना वह आई ही नहीं

इंतजार में गुजरी रात- कुछ लौट भी गए

गोरखपुर , एजेंसी। पंजाब में किसान आंदोलन के चलते अमृतसर-दिल्ली-गोरखपुर रूट की ट्रेनें 15 से लेकर 24 घंटे तक लेट चल रही हैं। सोमवार दोपहर बाद जिस अमरनाथ एक्सप्रेस को गोरखपुर से लुधियाना जाना था, वह अभी लुधियाना में ही थी। इस वजह से ट्रेन को 24 घंटे के लिए रिशिड्यूल कर दिया गया है।

कई और ट्रेनें भी रिशिड्यूल हुई हैं। इस वजह से सोमवार की देर रात तक गोरखपुर रेलवे स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म से लेकर नौ नंबर तक भीड़ लगी थी। पश्चिमी फुट ब्रिज पर शाम को इतनी भीड़ बढ़ गई कि आरपीएफ जवानों को मोर्चा संभालना पड़ा।

देवरिया के रहने वाले रविंद्र परिवार संग सोमवार को दोपहर एक बजे गोरखपुर जंक्शन पर आए। उनको अमरनाथ एक्सप्रेस से लुधियाना जाना था। यहां आने पर पता चला कि ट्रेन दो घंटे लेट है। थोड़ी देर बाद पता चला कि पांच घंटे लेट हो गई। ऐसे करते-करते शाम को सूचना मिली कि सोमवार को दोपहर 2:20 बजे जाने वाली 12587 अमरनाथ एक्सप्रेस अब मंगलवार को इसी समय से जाएगी। रविंद्र का गोरखपुर में कोई नहीं है। बताया कि अब रात हो गई, समझ नहीं आ रहा देवरिया वापस जाएं कि नहीं। अकेले रहते तो कहीं भी रात गुजार लेते। मगर परिवार है तो घर जाना ही ठीक रहेगा। बिहार के सीवान से आए दीनानाथ ने बताया कि बड़ी मुश्किल से इस ट्रेन में टिकट मिला था। सुबह ही घर से गोरखपुर आ गए हैं। शाम को बताया जा रहा है कि गाड़ी अब मंगलवार को जाएगी। स्टेशन पर भयंकर भीड़ है। रात कैसे गुजरेगी, इसका कुछ नहीं पता। भीषण गर्मी में कोई ठिकाना नहीं है। अंबाला खंड के शंभू स्टेशन पर चल रहे किसान आंदोलन की वजह से अमृतसर जाने वाली सभी ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है। डायवर्जन की वजह से ट्रेनें 24 घंटे तक रिशिड्यूल हो रही है। सोमवार को गोरखपुर से जाने वाली अमरनाथ एक्सप्रेस 24 घंटे रिशिड्यूल हो गई। इसके अलावा आम्रपाली एक्सप्रेस सोमवार को तीन घंटे, गरीबरथ एक्सप्रेस 17 घंटे, जनसेवा एक्सप्रेस छह घंटे, अंत्योदय एक्सप्रेस लगभग नौ घंटे, जनसाधारण एक्सप्रेस 10 घंटे, शहीद सात घंटे, अमृतसर जाने वाली गरीबरथ एक्सप्रेस 15 घंटे और गोरखपुर-अमृतसर जनसाधारण एक्सप्रेस 10 घंटे देरी से गोरखपुर पहुंची। ट्रेनों के लेट और रिशिड्यूल होने की वजह से सोमवार शाम प्लेटफॉर्म नंबर एक के फुट ओवरब्रिज पर भयंकर जाम लग गया। जाम की वजह से करीब आधे घंटे तक लोग ओवरब्रिज पर फंसे रहे। भीषण गर्मी के बीच यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों की मानें तो ट्रेन लेट होने के साथ एक गाड़ी का प्लेटफॉर्म बदलने की वजह से यात्रियों की भीड़ अचानक से एफओबी पर पहुंच गई। इस दौरान कई यात्री जान जोखिम में डालकर ट्रैक को पार करने लगे। छोटे-छोटे बच्चों को लेकर लोग जाम में फंसे रहे। आरपीएफ की टीम ने काफी मशक्कत के बाद एफओबी से जाम को हटवाया।

गंगाजल संभालकर करें उपयोग...40 दिनों तक कम होगी आपूर्ति

साहिबाबाद। टिहरी बांध पर मरम्मत कार्य होने से अगले 40 दिन (15 जून) तक टीएचए और नोएडा में गंगाजल की कम आपूर्ति होगी। इसे लेकर जल निगम ने शहरवासियों को गंगाजल संभालकर उपयोग करने की अपील की है। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता पीके जैन ने बताया कि टिहरी बांध पर मरम्मत कार्य किया जा रहा है। ऐसे में जहां 13 हजार क्यूसेक गंगाजल की आपूर्ति हो रही थी व घटकर 6-7 हजार क्यूसेक ही हो गई है। यह सिलसिला अगले 40 दिन तक चलेगा। बता दें कि गंगनहर से गंगाजल आने के बाद सिद्धार्थ विहार और प्रताप विहार स्थित प्लांट से इंदिरापुरम, वसुंधरा, वैशाली, कौशांबी, सिद्धार्थ विहार, डेल्टा कॉलोनी और नोएडा में गंगाजल की आपूर्ति होती है।

बदमाशों का दुस्साहस

चेन छीनने का विरोध करने पर मार दी गोली, पुलिस चौकी से चंद कदम दूरी पर हुई घटना

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी जिले के मोहनसराय पुलिस चौकी से कुछ दूरी पर बैरवन मार्ग पर सोमवार की रात राजेश मिश्रा ने अपने दोस्त की चेन लूटने वाले बदमाशों का विरोध किया। राजेश मिश्रा का आरोप है कि चेन लूटने का विरोध करने पर बाइक सवार बदमाश ने उन्हें गोली मार दी। गोली उनके गले के समीप बाएं कंधे पर लगी है। उन्हें बीएचयू के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। पुलिस आरोप की जांच कर रही है।

यह है पूरा मामला

रोहनिया थाना क्षेत्र के बैरवन गांव निवासी राजेश मिश्रा व संतोष पाल एक ही बाइक से घर जा रहे थे। संतोष पाल बाइक चला रहा था। राजेश ने बताया कि मोहनसराय से बैरवन मार्ग पर दो बदमाश बाइक से आए। दोनों बदमाश संतोष पाल की चेन छीनने लगे। राजेश ने विरोध किया तो एक बदमाश ने उसे लक्ष्य कर गोली मार दी। असलहे से निकली गोली उसकी गर्दन के नीचे बाएं तरफ लगी। इसके बाद बाइक सवार बदमाश राजातालाब की तरफ भाग निकले। राजेश फोन कर परिजनों को सूचना देते हुए मोहनसराय चौकी पर गए। राजेश को भदवर स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे बीएचयू ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। इस संबंध में रोहिनया थानाध्यक्ष योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि गोली लगने की सूचना मिली है। घायल घटनाक्रम के बारे में कुछ स्पष्ट बता नहीं पा रहा है। इस मामले की जांच की जा रही है।

यूपी के चार आईपीएस अफसरों के तबादले, डीजी जेल एसएन साबत हटाए गए

लखनऊ , एजेंसी। यूपी में चुनाव आयोग ने चार आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए हैं। डीजी जेल एसएन साबत को हटा दिया गया है। उनकी जगह पीवी रामशास्त्री नए डीजी जेल होंगे। इसके अलावा, आईपीएस आनंद स्वरूप को अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। वहीं, डॉ. एन रविंदर को अपर पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिदेशक के जी एस ओ के पद पर तैनाती दी गई है। अभी तक वह पुलिस मुख्यालय में अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर तैनात थे वह महानिदेशक केजीएसओ का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे थे।

निजी अस्पताल में महिला की मौत

हंगामा के बाद अस्पताल छोड़कर भागे कर्मी

गोरखपुर, एजेंसी। बिहार के बेतिया पुलिस जिला के रामनगर गांव की रहने वाली 36 वर्षीया महिला की सोमवार की भोर में एक निजी नर्सिंग होम में इलाज के दौरान मौत हो गई। घरवालों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया तो अस्पताल कर्मी शव छोड़कर भाग निकले। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। देर शाम परिजनों ने गांव ले जाकर शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृत पूनम के भतीजे अजय ने बताया कि दो दिन पहले काली मंदिर के पास स्थित अस्पताल में उसने अपनी चाची को भर्ती कराया था। उनके पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत थी। रविवार रात में डॉक्टर ने मरीज की हालत ठीक बताते हुए सोमवार को डिस्चार्ज करने की बात कही।

रात में ग्लूकोज की ड्रिप लगाकर स्टॉफ नर्स चली गई। जब ग्लूकोज खत्म हो गई तो कई बार कर्मचारियों को बुलाने गए, लेकिन कोई आया नहीं। कुछ देर बाद मरीज की हालत बिगड़ी तो हम लोगों ने हल्ला मचाया। इसके बाद कर्मचारी, मरीज को आईसीयू में ले जाने की बात कहकर बेड से उठाकर ले गए। करीब 15 मिनट बाद कर्मचारी शव छोड़कर भाग निकले। सुबह सात बजे परिजनों को मौत की जानकारी हुई। घरवालों की सूचना पर गोलघर चौकी इंचार्ज को दी। चौकी इंचार्ज पुलिस कर्मियों के साथ अस्पताल पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पीड़ित पक्ष के अजय ने बताया कि देर शाम शव का अपने गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

रेलकर्मी ने पत्नी के साथ फंदे से लटकर दी जान, घर में मिला सुसाइड नोट, की थी दूसरी शादी

गोरखपुर , एजेंसी। शाहपुर थानाक्षेत्र के रेलवे डेयरी कॉलोनी में रेलवे कर्मचारी रामकृपाल कुशवाहा ने अपनी पत्नी रोशनी संग आत्महत्या कर ली। घटना सोमवार देर रात की है। परिवारिक कलह से क्षुब्ध होकर आत्मघाती कदम उठाने का ये मामला सामने आ रहा है। मृतक रामकृपाल रेलवे के यांत्रिक कारखाना में फिनिशिंग हेल्पर के पद पर कार्यरत थे। मृतक मूल रूप से देवरिया के रहने वाले थे। शाहपुर के रेलवे डेयरी कॉलेनी में क्वार्टर संख्या 260 ए में दो बच्चों के संग रहते थे। पहली पत्नी की मौत के बात उन्होंने रोशनी संग दूसरी शादी की थी। बताया जाता है कि पहली पत्नी के बेटे और बेटी को प्यार-दुलार को देखकर रोशनी नाखुस रहती थी। इसी बात से लेकर आए दिन दोनों के बीच खुन्नस बनी रहती थी। सोमवार की देर रात दोनों ने फांसी लगाकर जान दे दी। रात को बेटा उठा तो दूसरे कमरे में फंदे से लटका मां- पिता का शव देख अपने बड़े पिता को फोन कर जानकारी दी। इधर, सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में पीएम के लिए भेज दिया था। कमरे से पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है। परिवार सुसाइड के कारणों का पता लगाने में जुटी है। मंगलवार सुबह उनके रिश्तेदार आवास पर पहुंच गए थे।

70 से अधिक संदिग्धों से पूछताछ, 100 से ज्यादा फुटेज से नहीं मिला सुराग

साहिबाबाद। टाटा स्टील की प्रवेश कंपनी में नेशनल बिजनेस हेड विनय त्यागी की लूट के दौरान हत्या में दस टीमें बदमाशों की सुराग पता करने में लगी हैं। लखनऊ से मामले की लगातार मॉनिटरिंग के बाद अब अफसरों ने क्राइम ब्रांच को भी बदमाशों का सुराग जुटाने में लगाया है। रविवार रात क्राइम ब्रांच को सभी इनपुट बता दिए गए। तीन बदमाशों के दिल्ली की तरफ भागने के सुराग मिलने के बाद एक टीम ने दिल्ली में डेरा डाल दिया है। पुलिस सीमापुरी और उसके आसपास सटे इलाकों में बदमाशों का पता करने में लगी है।

डीसीपी निमिष पाटील ने बताया कि घटनास्थल पर कैमरे और डीवीआर काम नहीं करने की वजह से सुराग नहीं मिल रहा था। टीम को विनय की आखिरी लोकेशन पसौंडा के टावर की मिली है। ऐसे में माना जा रहा है कि वह घटना से पहले पसौंडा के सामने शालीमार गार्डन थानाक्षेत्र की सर्विस रोड पर होंगे। पुलिस ने उस साइट से भी सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ली है। घटना में 100 से अधिक फुटेज देखी और 70 से ज्यादा संदिग्धों से पूछताछ हो चुकी है। फुटेज में बाइक सवार तीन संदिग्ध कालोनी में आते-जाते नजर आ रहे हैं। वे दिल्ली की तरफ भागते मिले हैं। इसके बाद टीम ने दिल्ली सीमापुरी, पसौंडा, भोपुर, डीएलएफ की दिलशाद गार्डन एक्सटेंशन-2 कालोनी, पसौंडा, शहीदनगर और लोनी में टीमें काम कर रही हैं। हाईप्रोफाइल घटना में लखनऊ से आला अधिकारी रोजाना पुलिस कमिश्नरेट के अफसरों से मामले की अपडेट ले रहे हैं। डीजीपी प्रशांत कुमार शुरुआत में ही घटना का संज्ञान लेकर पुलिस आयुक्त से रिपोर्ट तलब कर चुके हैं। लिहाजा, अधिकारियों ने अब दस टीमों के अलावा क्राइम बांच को भी केस खोलने में लगाया है। डीसीपी का कहना है कि विनय और अन्य लोगों के फोन सीडीआर में कुछ तथ्य सामने नहीं आए हैं। फिलहाल टीम को हर एंगल से जांच में लगाया हुआ है।0

संपादकीय

मुश्किल चुनौती

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और एनसीआर के लिए 2 मई बुधवार की सुबह असामान्य रही। जिस तरह से एक के बाद एक अलग-अलग स्कूलों में बम रखे होने की खबर आने लगीं, उससे न केवल स्कूल के स्टाफ, बच्चों और अभिभावकों में घबराहट फैली बल्कि इसे देख-सुन रहे सभी लोग सकते में आ गए। हालांकि, करीब 200 स्कूलों को चपेट में लेने वाली यह खबर पूरी तरह फर्जी निकली, लेकिन देश की राजधानी में अफरातफरी की स्थिति तो इसने बना ही दी। साजिश के शुरुआती संकेत है। यूं तो किसी आतंकी संगठन या ग्रुप ने अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन जो शुरुआती संकेत मिले हैं, उनके मद्देनजर इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय साजिश से इनकार नहीं किया जा रहा। सभी स्कूलों को एक ही कंटेंट ईमेल किया गया। ईमेल भेजने के लिए रूसी वीपीएन का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन सभी मेल एक ही आईडी से भेजे गए हैं। जिस तैयारी से ईमेल भेजी गई है, उसे देखते हुए विशेषज्ञ कह रहे हैं कि इसकी ओरिजिन पता लगाना आसान नहीं होगा। ध्यान रहे, यह हाल के दिनों में अपने ढंग की सबसे बड़ी भले हो, पहली घटना नहीं है। मंगलवार को ही राष्ट्रपति भवन समेत कुल 103 सरकारी बिल्डिंगों में बम रखे होने की ईमेल भेजी गई थी। यह अलग बात है कि स्कूल, बच्चे और अभिभावक जैसे कारकों की गैरमौजूदगी में उससे अफरातफरी के हालात नहीं बने। लेकिन स्कूलों की ही बात करें तो भी यह पिछले तीन महीने में हुई तीसरी घटना है। अप्रैल की शुरुआत में कोलकाता के करीब 200 स्कूलों में इसी तरह बम रखे होने की अफवाह फैलाई गई थी। उससे पहले फरवरी में चेन्नै के 13 स्कूल निशाने पर आए थे। जाहिर है, सुरक्षा बलों की चौकसी और आतंकी तत्वों पर लगातार रखी जा रही नजर के कारण आतंकी वारदात को अंजाम देने के बजाय इस तरह की अफवाह फैलाना अपेक्षाकृत आसान है। लिहाजा, देश में अशांति, बेचैनी और घबराहट का माहौल पैदा करने की इच्छुक ताकतें इस तरह की हरकतें जारी रख सकती हैं। निश्चित रूप से सुरक्षा बलों को इस चुनौती से निपटने की बेहतर तैयारी करनी होगी। अंतरराष्ट्रीय जांच वाले पहलू की बात करें तो भारत की स्थिति बहुत अच्छी नहीं दिखती। पारस्परिक कानूनी सहायता सुनिश्चित करने वाली संधि (म्युचुअल लीगल असिस्टेंस ट्रीटी) भी भारत की सिर्फ 42 देशों के साथ है। बुडापेस्ट कन्वेंशन ऑन सायबर क्राइम पर भी भारत ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जिसके तहत विभिन्न देश संयुक्त जांच करते और आपस में सबूत साझा करते हैं।

मणिपुर में जातीय संघर्ष और बेलगाम उपद्रवी

मणिपुर में अब भी जिस तरह लगातार हिंसा जारी है और उसमें आम लोगों से लेकर सुरक्षा बलों तक को निशाना बनाया जा रहा है, उससे यही लगता है कि सरकार की व्यवस्था नाकाम हो चुकी है, उपद्रवी तत्त्वों पर कोई लगाम नहीं है। मणिपुर के कांगकोपकी जिले में संघर्षरत दो समुदायों के बीच रविवार को गोलीबारी हुई और उसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इससे एक दिन पहले सुरक्षा बलों के एक शिविर पर उग्रवादियों ने हमला किया था, जिसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के दो जवान शहीद हो गए और दो जवान घायल हो गए। मानो हिंसा में शामिल समूहों को खुली अराजकता के लिए छोड़ दिया गया है या फिर सरकार के स्थिति पर काबू पाने के दावे खोखले हैं। यह विचित्र है कि राज्य में हिंसा की शुरुआत को एक वर्ष होने आया है, मगर अब तक न तो सरकार हिंसक तत्त्वों को थाम सकी है, न ही समस्या का हल निकालने में उसकी कोई रुचि दिखती है। गौरतलब है कि मैतेई समुदाय को जनजाति का दर्जा देने के सवाल पर कुकी समुदाय के साथ शुरू हुई हिंसा में अब तक दो सौ से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं, ग्यारह सौ से अधिक घायल हुए और करीब पैंसठ हजार को अपना घर-बार छोड़ना पड़ा है। अभी देश भर में लोकसभा चुनाव का दौर है। माना जाता है कि चुनावों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था आम दिनों के मुकाबले इतनी सख्त होती है कि किसी भी अवांछित और आपराधिक गतिविधि को अंजाम देना संभव नहीं होता। हिंसाग्रस्त राज्य होने के नाते मणिपुर में सुरक्षा इंतजामों के और बेहतर होने की उम्मीद की जाती है। मगर हालत यह है कि चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के दावों के बीच कहीं दो गुट आपस में सरेआम गोलीबारी कर लोगों की हत्या कर देते हैं, तो कहीं सुरक्षा बलों के शिविर पर हमला करके उनकी जान ले रहे हैं। ऐसे में समझना मुश्किल है कि समस्या का समाधान निकालने और हिंसा पर काबू पाने को लेकर सरकार की मंशा आखिर क्या है! सब ठीक कर देने या होने के दावों के बरक्स हकीकत अगर त्रासद है, तो कठघरे में सरकार है।

विकास बनाम न्याय का सियासी विमर्श

(बद्री नारायण, निदेशक, जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान)

किसी भी जनतंत्र में चुनाव मात्र जीत-हार, सरकार बनाने-गिराने का माध्यम नहीं होते हैं, ये वस्तुत- राजनीतिक चेतना को प्रेरित करने का माध्यम होते हैं। चुनाव समाज में संवाद, विकास एवं राष्ट्र निर्माण के विमर्शों को प्रेरित करने का माध्यम होते हैं। चुनाव के दिनों में ये बहसें मूलत- राजनीतिक दलों द्वारा जारी किए गए घोषणापत्रों, रैलियों में नेताओं के दिए गए भाषणों और बयानों से बनती-बिगड़ती हैं। वैसे तो मेरा मानना है कि यह चुनाव 'छवियों के टकराव' का चुनाव है, जिसमें इस चुनाव के दौरान नेताओं द्वारा कही गई बातों से ज्यादा एक लंबे काल खंड में बनी-बिगड़ी उनकी छवियों का असर है। इस चुनाव में कथनी से ज्यादा 'करनी' की स्मृतियों एवं प्रभाव में जनता वोट डाल रही है। चुनाव में कुछ बहसें दीर्घकालिक परिवर्तन की दृष्टि से होती हैं, तो कुछ बहसें तात्कालिक लोकप्रिय प्रकृति की होती हैं। इस चुनाव में ऐसी कौन-सी बहसें हैं, जो तात्कालिक राजनीतिक लाभ या लोकप्रियता पाने की रणनीति से प्रेरित हैं। इन तमाम मुद्दों पर विचार इस चुनाव के संदर्भ में ही नहीं, वरन पूरे लोकतंत्र के विस्तार एवं उसे गहरा बनाने के लिए भी जरूरी है। इस चुनाव में दो प्रकार की बहसें हो रही हैं। एक तरफ, भाजपा देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को विमर्श का विषय बना रही है। वह भारतीय समाज में राज्य द्वारा संसाधनों के वितरण के लिए गरीब, युवा, नारी एवं किसान, चार आर्थिक वर्गों को केंद्र में रखकर योजनाओं को प्रचारित कर रही है। दूसरी तरफ, कांग्रेस अपने घोषणापत्र में अन्य वादों के साथ समाज कल्याण कार्यक्रमों को आरक्षण आधारित जाति केंद्रित सामाजिक न्याय की अवधारणा के साथ मिलाकर लोकप्रिय वादे के रूप में प्रचारित कर रही है। इसके लिए वह पूरे देश में जातीय जनगणना कराने को भी एक लोकप्रियतावादी नारे के रूप में अपने चुनावी विमर्श में इस्तेमाल कर रही है। अगर इस चुनाव की बहसों के निर्माण की प्रक्रिया को देखें, तो साफ लगता है कि भाजपा इस चुनाव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि, सामाजिक कल्याण

> *इस बार अल्पसंख्यकों के संदर्भ में धार्मिक अस्मिता एवं सामाजिक न्याय के संदर्भ में जातीय अस्मिता कांग्रेस के घोषणापत्र के केंद्रीय तत्व बने हुए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इन जातीय एवं धार्मिक अस्मिताओं को न्याय-अन्याय जैसी शब्दावली में बार-बार उठाया है। कांग्रेस ने भाजपा के शासन में आने पर 'संविधान बदल दिया जाएगा', 'चुनाव नहीं होंगे'*

के कार्यक्रमों पर केंद्रित एवं विकसित भारत की संकल्पना के ईद-गिर्द रखना चाहती है। इस चुनाव में टिकट बंटवारे में परोक्ष जातीय जोड़-घटाव को छोड़ दें, तो उसने अपने घोषणापत्र एवं अपने नेताओं के भाषणों में जातीय अस्मिता की राजनीति से दूरी बनाने की कोशिश की है। वहीं कांग्रेस ने अपने चुनावी विमर्श में शुरू से ही भारतीय समाज में जाति आधारित सामाजिक अन्याय को मुद्दा बनाते हुए पारंपरिक ढंग के आरक्षण आधारित सामाजिक न्याय को लोकप्रिय बहस बनाने की कोशिश की है। इस बार अल्पसंख्यकों के संदर्भ में धार्मिक अस्मिता एवं सामाजिक न्याय के संदर्भ में जातीय अस्मिता कांग्रेस के घोषणापत्र के केंद्रीय तत्व बने हुए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इन जातीय एवं धार्मिक अस्मिताओं को न्याय-अन्याय जैसी शब्दावली में बार-बार उठाया है। कांग्रेस ने भाजपा के शासन में आने पर 'संविधान बदल दिया जाएगा', 'चुनाव नहीं होंगे' आदि अनेक भय व चिंता जगाने वाले विमर्श खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस के चुनावी विमर्श की इसी रणनीति ने भाजपा को अपने चुनावी विमर्श की रणनीति में परिवर्तन के लिए बाध्य किया। कांग्रेस के इन पारंपरिक राजनीतिक अस्त्रों का जबाब देने के लिए भाजपा ने अपने विकास, भारत गर्व एवं विकसित भारत के विमर्श के साथ ही कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का पारंपरिक अस्त्र चला दिया। इसी तुष्टिकरण के विमर्श में जाति के साथ ही धार्मिक अस्मिता का विमर्श भी सामने आने लगा। भाजपा ने सक्षमता से इसी तुष्टिकरण के विमर्श को सामाजिक न्याय के विमर्श से जोड़ दिया। यह प्रचार शुरू कर दिया कि कांग्रेस एक धर्म के लोगों को संतुष्ट करने के लिए पिछड़ों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के गरीबों का हक छीनकर एक खास धार्मिक समुदाय में बांट देना चाहती है। साथ ही, उसने कांग्रेस द्वारा स्वर्ण एवं संपत्ति के सर्वे की मंशा को भारतीय त्रयों, विशेषकर मध्यवर्गीय त्रयों के 'मंगल सूत्र' पर खतरे के वृतांत में पीरो दिया। भारतीय चुनावों में वृतांतों या 'नैरेटिव्स' की राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी का यह मास्टर स्ट्रोक माना जाना चाहिए, जिसमें उन्होंने मध्यवर्गीय मानस को तो झकझोरा ही, गरीबों, पिछड़ों एवं दलितों की अस्मिताओं को भी पारंपरिक जाति आधारित सामाजिक न्याय की राजनीति के खांचे से बाहर निकाल हिंदुत्व, सामाजिक न्याय एवं विकास की आकांक्षा का संतुलित मिश्रण तैयार किया। राजनीति में यह ऐसा मारक आक्रमण है, जिसका सामना कांग्रेस के विमर्शकार कैसे कर पाते हैं, यह देखना होगा। यह बार-बार देखने में आता है कि जाति कई बार सामाजिक न्याय के वितरण की एक इकाई के रूप में मददगार तो होती है, किंतु आगे चलकर अनेक प्रकार के सामाजिक अन्याय को जन्म भी देती है। कांगेस को यह समझना होगा कि जाति से जाति को काटना भारतीय समाज में अत्यंत मुश्किल है। हमने देखा है कि ऐसे अनेक प्रयोग अब तक विफल ही हुए हैं। आजादी के बाद सामाजिक न्याय की राजनीति के एक अनोखे प्रयोगकर्ता कांशीराम शुरुआती सफलताओं के बाद अंतत- कमजोर पड़ते देखे गए। समझना होगा कि भारतीय समाज में जाति की धार को आर्थिक विकास की प्रक्रियाओं से ही कुंद किया जा सकता है। अगर गहराई से विवेचना करें, तो भारतीय जनतांत्रिक राजनीति को एक नई भाषा की जरूरत है, एक आधुनिक भाव बोध की भी। इसे एक नई राजनीति भी चाहिए। विकास की राजनीति की भाषा को अन्य प्रकार की राजनीति केंद्रित भाषा की तुलना में ज्यादा अधुनातन, अग्रगामी एवं प्रगतिशील तो माना ही जाता है। जैसे ही इस भाषा को हम जाति एवं धर्म आधारित राजनीतिक भाषा की सीमा में जाने के लिए मजबूर करते हैं, वैसे ही हम तीन-चार दशक पीछे की राजनीतिक परिदृश्य में पहुंच जाते हैं। हिंदी के प्रसिद्ध उपन्यासकार फणिश्वर नाथ रेणु ने अपनी कहानी पंचलाइट (पंचलैट) में एक गांव में एक ऐसे जाति विभाजित समाज का वर्णन किया है, जहां हर जाति को अपना गोल बैठता है एवं उनकी अपनी 'पंचलाइट' (पेट्रोमैक्स) होने की चाह होती है। वह अगर आज जीवित होते, तो स्वयं भी चाहते कि भारतीय जनतंत्र के पास एक विकासमान एवं नए भारत की अंतर्दृष्टि एवं राजनीतिक भाषा हो, जो अन्य अनेक पारंपरिक अस्मिताओं पर केंद्रित राजनीतिक भाषा एवं विमर्शों का चोला उतार फेंके। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

सूरज पर लगातार विस्फोट और एक आकाशगंगा

(निरंकार सिंह, पूर्व सहायक संपादक, हिंदी विश्वकोश)

इस ब्रह्मांड में रहस्यमय घटनाएं होती रहती हैं, पर कभी-कभी कुछ ऐसी घटनाएं हो जाती हैं, जो वैज्ञानिकों को भी अचरज में डाल देती हैं। ताजा घटना ब्रह्मांड की एक आकाशगंगा में भयंकर विस्फोट की है। इस विस्फोट के बाद आकाशगंगा के केंद्र से 4,47,000 मील प्रति घंटे से भी अधिक गति से गैस बाहर की ओर निकलने लगी। इस गैस का द्रव्यमान इतना ज्यादा है कि इससे हमारे सूर्य जैसे पांच करोड़ सूर्य बन सकते हैं। दूसरी तरफ, हमारे सूर्य की सतह पर भी विस्फोट हो रहे हैं। वैज्ञानिक इनके कारणों की खोजबीन कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की एक टीम ने ब्रह्मांड के विर्गो, यानी कन्या क्लस्टर में आकाशगंगा एनजीसी 4383 का अध्ययन किया, जिससे पता चला कि गैस का प्रवाह इतना विराट है कि प्रकाश को एक से दूसरी तरफ जाने में 20,000 साल लगेंगे। यह खोज रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी की मंथली नोटिस पत्रिका में प्रकाशित हुई थी। इंटरनेशनल सेंटर फॉर रेडियो एस्ट्रोनॉमी रिसर्च (आईसीआरएआर) में यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया नोड के प्रमुख लेखक डॉ एडम वाट्स ने कहा है कि बहिर्प्रवाह आकाशगंगा के मध्य क्षेत्रों में शक्तिशाली तारकीय विस्फोटों का नतीजा था, जो बड़ी मात्रा में हाइड्रोजन व भारी तत्वों को बाहर निकाल सकता था। उत्सर्जित गैस का द्रव्यमान पांच करोड़ सूर्य से अधिक के बराबर है। डॉ वाट्स ने कहा, 'बहिर्प्रवाह की भौतिकी और उनके गुणों के बारे में बहुत कम जानकारी है, क्योंकि बहिर्प्रवाह का पता लगाना बहुत कठिन है।' निकली गैस भारी तत्वों से भरपूर होती है, जो हमें बाहर निकलने वाली गैस में हाइड्रोजन और धातुओं के बीच मिश्रण की जटिल प्रक्रिया का एक अनूठा दृश्य प्रदान करती है। 'इस विशेष मामले में हमने ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, सल्फर और कई अन्य रासायनिक तत्वों का पता लगाया।' आकाशगंगाएं कितनी तेजी से और कितने समय तक तारे बनाती रह सकती हैं, इसे नियंत्रित करने के लिए गैस का बहिर्प्रवाह महत्वपूर्ण होता है। इन विस्फोटों से निकली गैस आकाशगंगा के भीतर तारों के बीच, यहां तक कि आकाशगंगाओं के बीच के स्थान को भी प्रदूषित कर देती है और अंतरिक्ष में हमेशा के लिए तैर सकती है। उच्च-रिजॉल्यूशन मानचित्र का निर्माण एमएयूवीई सर्वेक्षण के डाटा के साथ किया गया था, जिसका सह-नेतृत्व आईसीआरएआर शोधकर्ता प्रोफेसर बारबरा कैटिनेला और लुका कॉर्टिस ने किया था। ये दोनों भी इस अध्ययन में शामिल थे। इस सर्वेक्षण में उत्तरी चिली स्थित यूरोपीय दक्षिणी वेधशाला के एक बड़े टेलीस्कोप का उपयोग किया गया। प्रोफेसर कैटिनेला ने कहा, 'हमने यह जांचने के लिए 'माउव' को डिजाइन किया कि गैस के बहिर्प्रवाह जैसी भौतिक प्रक्रियाएं आकाशगंगाओं में तारे के निर्माण को रोकने में कैसे मदद करती हैं। 'एनजीसी 4383 हमारा पहला लक्ष्य था, क्योंकि हमें संदेह था कि कुछ बहुत अनोखा हो रहा था, पर डाटा हमारी सभी अपेक्षाओं से अधिक था। दूसरी तरफ, सूरज की सतह पर हो रहा लगातार विस्फोट भी दुनिया भर के वैज्ञानिकों की चिंता का विषय बना हुआ है। अगर विस्फोट होता रहा, तो सैटेलाइट्स, धरती का तापमान व रेडिएशन का स्तर, दूरसंचार व हवाई उड़ानें प्रभावित हो सकती हैं। भारत का आदित्य एल-1 इस पर नजर बनाए हुए है। वह डाटा उपलब्ध करा रहा है। वैज्ञानिक यह पता लगा रहे हैं कि भू-चुंबकीय सौर तूफानों के अंश पृथ्वी तक पहुंचकर क्या प्रभाव डालेंगे? आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान- एरीज के निदेशक व आदित्य एल-1 के आउटरीच के सह अध्यक्ष रहे प्रो दीपांकर बनर्जी के अनुसार, सूरज की सतह पर विस्फोट होते रहते हैं, पर इसका प्रभाव पृथ्वी या अन्य किसी ग्रह तक तभी पहुंचता है, जब विस्फोटों की झड़ी लग जाए। इन दिनों सूर्य की सतह पर कुछ ऐसा ही चल रहा है। उन्होंने कहा, सौर तूफानों का प्रभाव कई तरीके से पड़ सकता है। इनमें प्रमुख है, पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगा रहे सैटेलाइट्स पर असर पड़ना या उनकी कार्य-क्षमता प्रभावित होना, धरती की ऊपरी सतह का तापमान तेजी से बढ़ना, दूरसंचार में बाधा आना आदि। जाहिर है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5363

		4				6		1
		7	2				8	
		9	3					2
			1					9
6	2	1	5		9	4	7	3
5					4			
4					3	5		
	3				2	8		
1		6				3		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5362

5	8	9	6	1	7	3	4	2
2	4	1	3	5	9	8	6	7
3	7	6	8	4	2	9	5	1
4	9	2	7	6	8	1	3	5
6	3	8	1	2	5	7	9	4
7	1	5	9	3	4	6	2	8
8	2	3	4	9	1	5	7	6
9	5	7	2	8	6	4	1	3
1	6	4	5	7	3	2	8	9

वर्ग पहेली 5363

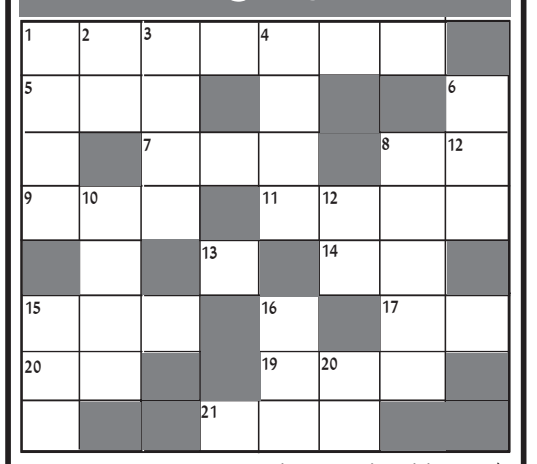

संकेत: बाएं से दाएं

1. 16 जून 2007 को यह महिला अंतरिक्ष में लगातार सबसे लंबे समय तक रहने वाली महिला बनी (7)
5. प्रणाम, अभिवादन, नमस्कार (3)
7. सेवा करना वाला, नौकर (3)
8. व्रत, उपवास (उर्दू)(2)
9. मादा या आवेश में आना (4)
13. प्रकाश की किरण, अर्धप्रकाश (1)
14. टूटने-फूटने आदि से उत्पन्न शब्द (2)
15. गति (3)
17. अधिकार, शक्ति, पर्याप्त है कि, समाप्ति सूचक शब्द (2)
18. प्रहार करने की क्रिया (2)
19. गवाह का कथन, साक्ष्य (3)
21. बलमा, प्रेमी, साजन, इस फिल्म मे देवानंद के साथ मीना कुमारी व सुरैया थी (1951) (3)

ऊपर से नीचे

1. पुराणानुसार महाराजा जनक की पत्नी का नाम, सुलोचना (4)
2. कड़वी छाल वाले इस वृक्ष की पत्तियां औषधि बनाने के काम में आती है (2)
3. इन्हें सम्राट अकबर के नवरत्नों में गिना जाता है, इनका मूल नाम रामतनुमाल था (4)
4. काबिलीयत, योग्यता, गुण, पात्रता (4)
6. संवारना, आकर्षक और सुंदर बनाना (3)
8. रूपयों का लेन-देन का हिसाब सबंधी बही (5)
10. बंधक बनाया हुआ, जिसे अपराध के सिलसिले में पकड़ा गया हो (4)
12. दार्शनिक प्रणाली, राय, वोट (2)
15. प्रस्थित, भेजा गया (3)
16. वे दिन जिसमें विवाह आदि संपन्न कराए जाते है, तल्लीनता, ध्यान लगाने का भाव (3)
20. बायां, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)

वर्ग पहेली 5362 का हल

भा	र	त		गो	दा	व	री
ग	ज	ट		दा	ता	र	
खु		स्थ	ग	न		या	मा
ल	य		र्ज		सं	त्रा	य
ना	ज	नी	न		ता		
	मा		क	मी	न	गा	ह
जा	न	व	र		ही	र	क
ट			ना	दा	न		ला

आज का राशिफल

मेष

आज भाग्य साथ देगा और आपका दिन सफलता से भरा होगा। आपके धन में वृद्धि होगी और सम्मान मिलेगा। ऑफिस में किसी के साथ विवाद से बचना अच्छा होगा। आप अपने काम पर ध्यान दें और फालतू की बातों से दूर रहें। परीक्षा की दिशा में किया गया श्रम सार्थक होगा और आपके विरोधी कुछ नहीं कर पाएंगे।

वृष

आज लाभ का दिन है और आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। आपको जीविका के क्षेत्र में प्रयास फलीभूत होंगे। काम की अधिकता के कारण आपके अपने काम अटक सकते हैं। किसी भी विवाद में उलझना आपके लिए सही नहीं है। हर मामले में राजनीतिक सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाणी पर संयम रखें। विरोधियों का अंत होगा।

मिथुन

आज आपको कहीं से रुका पैसा मिल सकता है। धन और ऐश्वर्य में वृद्धि से शत्रु जलन महसूस करेंगे। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आपका काफी समय से रुका कोई कार्य संपन्न होने से आपको खुशी होगी। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

तुला

आज आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है। पैसों के लेन-देन में सावधानी रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, नहीं तो विवाद हो सकते हैं।

वृश्चिक

आज का दिन किसी प्रकार की उधेड़बुन में बीतेगा और आपका काम करने में मन नहीं लगेगा। शाम तक आपकी योजनाएं पूरी होंगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी और आपको करियर से जुड़ी कोई अच?छी खबर मिल सकती है। खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। आज धन का लेनदेन किसी के साथ न करें।

धनु

आज करियर और कारोबार से जुड़ी कोई खुशखबरी मिल सकती है। व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। विरोधी परास्त होंगे और आपके धन में वृद्धि होगी और योजनाएं सफल होंगी।

कर्क

आज आपको कारोबार में सफलता मिलेगी। राजनीतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप बढ़ सकता है। आय और व्यय में संतुलन रखें। फालतू के खर्च से बचें और किसी को मुफ्त की सलाह न दें। आज आपके धन में वृद्धि के योग हैं।

सिंह

आज का दिन लाभ देगा। पुराने झगड़े झंझटों से मुक्ति मिलेगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और आपको उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपका स्वभाव बदलेगा। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा। मैत्री संबंध मधुर होंगे। आपको परिवार के लोगों का हर मामले में साथ मिलेगा।

कन्या

आज लाभ का दिन है। आपके पद में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक मामलों में प्रयास सफल होंगे। खान-पान पर संयम रखें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। झगड़े से बचें। शेयर में निवेश न करें और न ही प्रॉपर्टी के मामले में कोई विचार करें।

मकर

आज आर्थिक लाभ होगा और आप अपना कर्ज चुका पाएंगे। व्यावसायिक दिशा में सफलता मिलेगी। खान-पान में संयम रखें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों का अंत होगा। रोजी रोजगार में सफलता प्राप्त होगी। आपको धन से जुड़े मामलों में लाभ होगा और भाग्य साथ देगा।

कुंभ

आज धन सम्मान में वृद्धि होगी। रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। उपहार और सम्मान का लाभ मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। यात्रा पर जा सकते हैं। प्रियजनों से भेंट संभव है। आज किसी से पैसों के मामले में लेनदेन न करें। धोखाधड़ी हो सकती है।

मीन

आज हर मामले में सावधान रहने की सलाह है। पैसों का लेनदेन न करें। सहयोगियों से सावधान रहें। आर्थिक दिशा में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता से आपको लाभ होगा। सेहत के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। बिजनस से जुड़ा कोई फैसला न करें।

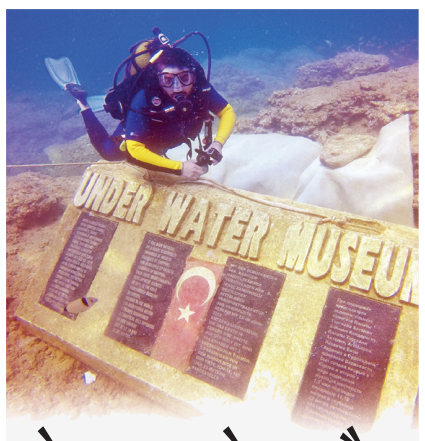

बेहद अनोखा है तुर्किए का ये म्यूज़ियम, पानी के अंदर मौजूद हैं 117 मूर्तियां

म्यूजियम ये नाम सुनते ही दिमाग में पुरानी चीज़ों को सहेजकर रखने वाली जगहों का ध्यान आता है। हालांकि बदलते समय के साथ अब म्यूजियम्स में आकर फन और एडवेंचर का एक्सपीरियंस भी लिया जा सकता है।

आपने म्यूज़ियम तो बहुत देखें होंगे लेकिन कभी सोचा है कि पानी के अंदर भी म्यूज़ियम हो सकता है? तुर्किए का पहला अंडरवाटर म्यूज़ियम देखने लायक है। साइड अंडरवाटर म्यूज़ियम अंताल्या के मानवघाट जिले के साइड शहर में है। यह म्यूज़ियम तट से 1.5 मील दूर और 12-20 मीटर की औसत गहराई पर है। इस म्यूज़ियम में 117 मूर्तियां हैं।

ये मूर्तियां ऐसी सामग्रियों से बनी है, जो कि पानी के अंदर सुरक्षित रह सकती हैं। वे समुद्री जीवों को नुकसान पहुंचाए बिना वहां रह सकती है। यह म्यूज़ियम मेक्सिको में मैक्सिकन अंडरवाटर म्यूज़ियम के बाद दूसरे स्थान पर है, जो 400 मूर्तियों के साथ पहले स्थान पर है। म्यूज़ियम में आने वाले लोगों के पास प्रोफेशनल डाइविंग सर्टिफिकेट होना ज़रूरी है।

बिहार की इस गुफा में छिपा है सोने का खजाना

तोप भी नहीं उड़ा पाई गुफा का दरवाजा

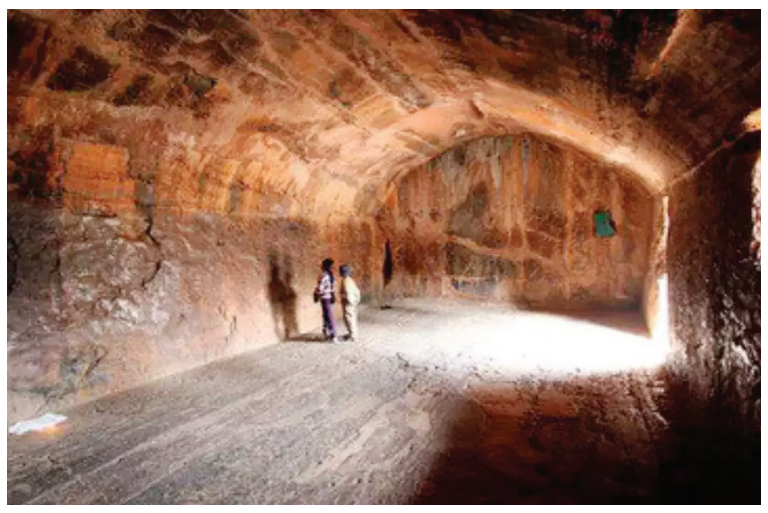

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में मिला सोने का भंडार अब पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। लेकिन क्या आपको पता है कि बिहार में भी एक जगह सोने का भंडार है, लेकिन वहां से सोना निकालना लगभग नामुमकिन है। दरअसल, वहां एक रहस्यमय दरवाजा है, जिसे आजतक कोई भी खोल नहीं पाया है। कई बार इसे खोलने की कोशिश की गई, लेकिन हर बार नाकामी ही हाथ लगी।

सोने का यह भंडार बिहार के राजगीर में एक गुफा के अंदर है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें मगध साम्राज्य के सम्राट यानी मौर्य शासक बिम्बिसार का बेशकीमती खजाना छुपा है, जिसे आज तक कोई नहीं खोज पाया है। इसे सोन भंडार के नाम से जाना जाता है। दरअसल, राजगीर प्राचीन समय में मगध की राजधानी था। यही पर भगवान बुद्ध ने बिम्बिसार को धर्मोपदेश दिया था। यह शहर भगवान बुद्ध से जुड़े स्मारकों के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। हालांकि कुछ लोग इस खजाने को पूर्व मगध सम्राट जरासंघ का भी बताते हैं, लेकिन वहां इस बात के प्रमाण ज्यादा हैं कि यह खजाना बिम्बिसार का ही है, क्योंकि इस गुफा से कुछ दूरी पर उस जेल के अवशेष हैं, जहां अजातशत्रु ने अपने पिता बिम्बिसार को बंदी बना कर रखा था। सोन भंडार गुफा में प्रवेश करते ही पहले एक बड़ा सा कमरा आता है। कहते हैं कि यह कमरा खजाने की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए बनाया गया था। इसी कमरे की पिछली दीवार से खजाने तक पहुंचने का रास्ता बना हुआ है, जिसका द्वार एक पत्थर के दरवाजे से बंद किया हुआ है। इस दरवाजे को आज तक कोई नहीं खोल पाया है। गुफा की एक दीवार पर शंख लिपि मे कुछ लिखा हुआ है जो आज तक पढ़ा नहीं जा सका है। कहा जाता है कि इसमें ही खजाने के दरवाजे को खोलने का तरीका लिखा हुआ है, लेकिन इस लिपि को पढ़ने में दुनियाभर के लोग नाकाम रहे हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि बिम्बिसार के खजाने तक पहुंचने का रास्ता वैभवगिरी पर्वत सागर से होकर सप्तपर्णी गुफाओं तक जाता है, जो सोन भंडार गुफा की दूसरी ओर पहुंचती है।

कहा जाता है कि अंग्रेजों ने एक बार तोप से खजाने के दरवाजे को तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन वो इसे तोड़ नहीं पाए। तोप के गोले के निशान आज भी दरवाजे पर मौजूद हैं।

हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार की पत्नी ने छिपाया था खजाना

भारत विविधताओं वाला देश है। उत्तर में हिमालय है तो दक्षिण में कन्याकुमारी है। पश्चिम में कच्छ है तो पूर्व में बंगाल की खाड़ी है। इसके साथ ही कई ऐसे रहस्यमयी स्थान है जो विज्ञान के लिए आज भी पहेली बनी हुई है। इन पहेलियों में एक पहेली सोन भंडार है जो कि बिहार राज्य के राजगीर में स्थित है। ऐसा कहा जाता है कि इस जगह पर सोने का खजाना है, जिसे हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार की पत्नी ने छिपा रखा है। आज तक कोई इस खजाना तक नहीं पहुंच पाया है। अंग्रेजों ने एक बार कोशिश भी की थी, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पाए थे। यह स्थान बिहार राज्य के राजगीर में स्थित है। इतिहास की माने तो हर्यक वंश के संस्थापक बिम्बिसार को सोने चांदी से बेहद लगाव था। इसके लिए वह सोना और उसके आभूषणों को इकट्ठा करते रहते थे। उनकी कई रानियां थी, जिनमें एक रानी बिम्बिसार की पसंद का पूरा ख्याल रखती थी। जब अजातशत्रु ने अपने पिता को बंदी बना लिया और कारागार में डाल दिया। तब बिम्बिसार की पत्नी ने राजगीर में यह सोन भंडार बनवाया था। इस गुफा में राजा द्वारा इकट्ठा किए गए सभी खजानों को छिपा दिया गया था। आज तक यह गुफा विज्ञान के लिए पहेली है। इस गुफा में दो बड़े कमरे एक समान बनाए गए थे। एक गुफा में सैनिक रहते थे। जबकि दूसरे कमरे में खजानों को छिपाया गया था। इस कमरे को एक बड़े से चट्टान से ढका गया है, जिसे आज तक कोई खोलने में कामयाब नहीं हो पाया है। इस दरवाजे पर शंख लिपि में कुछ लिखा है। इस बारे में कहा जाता है कि अगर कोई इस लिपि को पढ़ने में सफल हो जाता है तो वह सोन भंडार को खोल सकता है। आजादी से पूर्व अंग्रेजों ने एक बार तोप से इस दरवाजे को उड़ाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें इसमें सफलता नहीं मिली। इसके बाद से किसी ने दरवाजे को खोलने की कोशिश नहीं की है।

क्या कहानी है खजाने की...

भारत में ऐसे कई स्पॉट्स है, जहां राजा-महाराजाओं का खजाना छिपे होने की बातें होती हैं। ऐसी ही एक कहानी सोन भंडार गुफा के बारे में भी प्रचलित है। जो बिहार के नालंदा जिले के राजगीर में आती है।

- मौर्य शासक बिंबिसार ने अपने शासन काल में राजगीर में एक बड़े पहाड़ को काटकर अपने खजाने को छुपाने के लिए गुफा बनाई थी।
- जिस कारण इस गुफा का नाम पड़ा था सोन भंडार। इस गुफा के बारे में कहा जाता है कि सोने को सहेजने के लिए इस गुफा को बनवाया गया था।
- पूरी चट्टान को काटकर यहां पर दो बड़े कमरे बनवाए गए थे।
- गुफा के पहले कमरे में जहां सिपाहियों के रुकने की व्यवस्था थी। वहीं, दूसरे कमरे में खजाना छुपा था।
- दूसरे कमरे को पत्थर की एक बड़ी चट्टान से ढंका गया है। जिसे आज तक कोई नहीं खोल पाया।

अंग्रेजों ने की थी तोप से उड़ाने की कोशिश, हुए थे नाकाम

- अंग्रेजों ने इस गुफा को तोप के गोले से उड़ाने की कोशिश की थी, लेकिन वे इसमें नाकामयाब रहे थे। आज भी इस गुफा पर उस गोले के निशान देखे जा सकते हैं।
- अंग्रेजों ने इस गुफा में छुपे खजाने को पाने के लिए यह कोशिश की थी, लेकिन नाकाम होने पर वे वापस लौट गए।

अंदर जाते ही 10 मीटर लंबा चट्टान का कमरा मौजूद है यहां पर

- सोन भंडार गुफा में अंदर घुसते ही 10.4 मीटर लंबा चौड़ा और 5.2 मीटर चौड़ा कमरा है। इस कमरे की ऊंचाई लगभग 1.5 मीटर है।
- यह कमरा खजाने की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए बनाया गया था। इसी कमरे के दूसरी ओर खजाने का कमरा है, जो कि एक बड़ी चट्टान से ढंका हुआ है।

किस भाषा में लिखा है खजाने का कमरा खोलने का रहस्य

- मौर्य शासक के समय बनी इस गुफा की एक चट्टान पर शंख लिपि में कुछ लिखा है।
- इसके संबंध में यह मान्यता प्रचलित है कि इसी शंख लिपि में इस खजाने के कमरे को खोलने का राज लिखा है।

जैन धर्म के भी हैं अवशेष

इस जगह पर जैन धर्म के अवशेष भी देखने को मिलते हैं। यहां पर दूसरी ओर बनी गुफा में 6 जैन धर्म तीर्थंकरों की मूर्तियां भी चट्टान में उकेरी गई हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि यहां पर जैन धर्म के अनुयायी भी रहे थे। तीसरी और चौथी शताब्दी में बनी हैं दोनों गुफा दोनों ही गुफा तीसरी और चौथी शताब्दी में चट्टानों को काटकर बनाई गई हैं। इन गुफाओं के कमरों को पॉलिश किया गया है।

चट्टानों पर लिखी गयी है शंखलिपि भाषा

बिहार के साथ-साथ दूर-दराज़ के राज्यों से भी लोग इस गुफा को देखने आते हैं। इसके साथ ही भारतीय एवं अंतराष्ट्रीय पुरातत्त्वज्ञ भी इस गुफा के पीछे छिपे राज़ का पता लगाने यहाँ आते हैं। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि आज जब साइंस और टेक्नोलॉजी इतनी उन्नति कर चुकी है, उसके बावजूद भी इस गुफा के कमरों को खोला नहीं जा सका।

दुनिया का अनोखा रेलवे स्टेशन जिसका नहीं है कोई नाम

भारतीय रेल एशिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। इतना ही नहीं एकल सरकारी स्वामित्व के मामले में भारतीय रेल विश्व का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। भारत में कुल रेलवे स्टेशन की संख्या 8000 के करीब है। कई ऐसे रेलवे स्टेशन हैं जो काफी मशहूर हैं। लेकिन आज हम आपको भारत के एक ऐसे अनोखे रेलवे स्टेशन के बारे में बताएंगे, जिसकी अपनी कोई पहचान ही नहीं है। इस स्टेशन का कोई नाम नहीं है। इस बात को जानकर आपको हैरानी भी हो रही होगी कि भला ऐसे कैसे हो सकता है। तो आपको बता दें कि यह स्टेशन पश्चिम बंगाल में है जिसका अपना कोई नाम नहीं है। यह स्टेशन पश्चिम बंगाल के बर्धमान से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बांकुरा-मैसग्राम रेल लाइन पर स्थित यह स्टेशन दो गांवों रैना और रैनागढ़ के बीच में पड़ता है। शुरुआत में इस स्टेशन को रैनागढ़ के नाम से जाना जाता था। रैना गांव के लोगों को यह बात पसंद नहीं आई क्योंकि इस स्टेशन की बिल्डिंग का निर्माण रैना गांव की जमीन पर किया गया था। रैना गांव के लोगों का मानना था कि इस स्टेशन का नाम रैनागढ़ की जगह रैना होना चाहिए।

ये है नाम न होने की वजह

ये रेलवे स्टेशन पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. बांकुरा-मैसग्राम रेल लाइन पर स्थित यह स्टेशन दो गांवों रैना और रैनागढ़ के बीच में पड़ता है. रैना और रैनागढ़ के बीच में होना ही इसका नाम न होने की वजह है. ऐसा कहा जाता है कि इस स्टेशन को 2008 में तैयार किया गया था. उस समय इस स्टेशन का नाम रैनागढ़ रखा गया. लेकिन इस स्टेशन की बिल्डिंग का निर्माण रैना गांव की जमीन पर किया गया था, इसलिए रैना गांव के लोगों को ये बात अच्छी नहीं लगी और इसके नाम को लेकर विवाद छिड़ गया.

रेलवे ने मिटा दिया साइन बोर्ड्स से नाम

रैना गांव के लोगों का कहना था कि इस स्टेशन का नाम रैना होना चाहिए, जबकि रैनागढ़ वालों का कहना था इसके नाम को नहीं बदला जाए. ये विवाद इतना बढ़ गया कि रेलवे बोर्ड तक पहुंच गया. इस विवाद के चलते रेलवे ने यहां लगे सभी साइन बोर्ड्स से स्टेशन का नाम मिटा दिया. इसके कारण स्टेशन पर आने वाले सभी यात्रियों को काफी समस्या होती है. जो भी यात्री यहां आता है, बिना नाम का साइन बोर्ड को देखकर उसका सिर चकरा जाता है और कन्फ्यूजन हो जाता है कि वो सही जगह आया है या नहीं. हालांकि रेलवे की तरफ से आज भी स्टेशन का टिकट रैनागढ़ के नाम से ही जारी किया जाता है.

जब इंडस्ट्री के लोग ही..., अपना मजाक उड़ता देख दुखी हैं करण जौहर

फिल्ममेकर करण जौहर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। करण सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं। अपनी बात रखने के लिए वह सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं। हाल ही में उन्होंने एक टीवी शो के एक कॉमेडियन को खराब कहा है। उन्होंने कहा कि वह कॉमेडियन को उनकी नकल करते देख परेशान थे। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट साझा करते हुए इस मिमिक्री को खराब कहा है। उन्होंने कहा कि ट्रोलर्स से उन्हें इस तरह की उम्मीद थी, लेकिन इंडस्ट्री के लोगों से उन्हें ये उम्मीद नहीं थी। करण जौहर ने अपने पोस्ट में बिना किसी शो या कॉमेडियन का नाम लिए निशाना साधा है। करण के इस पोस्ट को देखकर कई यूजर्स हैरान हैं। वहीं, कई सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि वह केतन सिंह के बारे में बात कर रहे हैं। केतन ने सोनी टीवी के शो मैडनेस मचाएंगे- इंडिया को हंसाएंगे में उनकी मिमिक्री की थी। करण ने अपने नोट में लिखा, मैं अपनी मां के साथ बैठकर टेलीविजन देख रहा था और मैंने एक प्रतिष्ठित चैनल पर एक रियलिटी कॉमेडी शो का प्रोमो देखा। एक कॉमिक बेहद खराब तरीके से मेरी नकल कर रहा था। मैं ट्रोल्स और अंजान लोगों से यही उम्मीद करता हूं, लेकिन जब आपकी अपनी इंडस्ट्री किसी ऐसे व्यक्ति का अनादर कर सकती है, जो 25 वर्षों से अधिक समय से बिजनेस कर रहा है। यह इस समय के बारे में बहुत कुछ बताता है, जिसमें हम रह रहे हैं। इससे मुझे गुस्सा भी नहीं आता, बस दुख होता है। उनका ये नोट हाल ही में सोनी टीवी औ उसके इंस्टाग्राम पर साझा किए गए हालिया प्रोमो को लेकर है। शो के प्रोमो में केतन ने करण की मिमिक्री की है। वह उनके शो कॉफी विद करण को आड़े हाथ लेते दिखाई दिए हैं। कॉमेडी शो में केतन करण के शो को टॉफी विद चूरन कहते हुए मजाक बनाया है। केतन शो में करण पर कई स्टार किड्स को लॉन्च करने को लेकर निशाना साधा है। इसके साथ ही करण जौहर की डांस करने की आदत का भी मजाक उड़ाया है। इस शो को बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरेशी जज कर रही हैं।

गिल्ट 3 में नजर आएंगी सारा खान

टीवी शो सपना बाबुल का...बिदाई से घर-घर में अपनी खास पहचान बनाने वाली अभिनेत्री सारा खान जल्द ही फिल्म गिल्ट 3 में नजर आने वाली हैं। हाल ही में एक बातचीत में उन्होंने इस फिल्म को लेकर खुलकर बात की। इस साक्षात्कार में अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में विस्तार से चर्चा की। साथ ही, उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट को लेकर भी अपडेट दिया।

किरदार निभाना रहा चुनौतीपूर्ण

फिल्म पर बात करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि यह पिता-पुत्री और सौतेली मां की कहानी है, जो खुशहाल जिंदगी बिता रहे हैं, लेकिन इसी दौरान उनके जीवन में हैरान कर देने वाला मोड़ आता है और सब कुछ बदल जाता है। अपने किरदार पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि अपनी उम्र से 10 साल छोटी लड़की का किरदार निभाना उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने बताया कि इस रोल को निभाने में उन्हें काफी ज्यादा मजा आया।

परिवार के साथ वक्त बिताना है पसंद

उन्होंने अपनी निजी जिंदगी पर बात करते हुए बताया कि उन्हें पार्टी में जाने से ज्यादा अपने परिवार के साथ वक्त बिताना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि उनके कुछ दोस्त हैं जिनके साथ उन्हें बाहर जाने में अच्छा लगता है। इस बातचीत में उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट पर भी बात की।

जल्द आएगी एक और फिल्म

उन्होंने बताया कि उनका प्रोडक्शन हाउस एक कॉन्सेप्ट पर काम कर रहा है, जिस पर फिल्म आने वाली है। उन्होंने आगे बताया कि उनके प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले तीन गाने भी जल्द ही लोगों को सुनने को मिलेंगे।

अपनी सभी फिल्मों को अपनी डेब्यू फिल्म मानती हैं सोनाक्षी

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों हीरामंडी में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं। संजय लीला भंसाली की नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। सीरीज में सोनाक्षी ने विलेन की भूमिका निभाई है। अब अभिनेत्री ने अपने करियर के बारे में बात की और बताया कि वे अपने किरदार को किस तरह से चुनती हैं। सोनाक्षी ने कहा कि उन्होंने दबंग से डेब्यू किया था, जिसके बाद 14 साल वे इंडस्ट्री में बिता चुकी हैं। सोनाक्षी अपनी मेहनत के दम पर किरदार पाना चाहती हैं और टाइपकास्ट नहीं होना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि वे अपनी सभी फिल्मों को डेब्यू फिल्म मानती हैं, ताकि वे सबकुछ मेहनत से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सके।

इस वजह से जब वी मेट 2 नहीं बनाना चाहते इम्तियाज अली

इम्तियाज अली इन दिनों अपनी फिल्म चमकीला की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इम्तियाज जब वी मेट जैसी सुपरहिट फिल्म भी दे चुके हैं। करीना कपूर खान और शाहिद कपूर अभिनीत यह फिल्म रोमांस का प्रतीक है और आज भी दर्शकों से जुड़ी हुई है। हम प्रशंसक काफी समय से निर्देशक से सीक्वल के बारे में पूछ रहे हैं। अब उन्होंने इस बारे में फिर खुलकर बात की है। उन्होंने जब वी मेट के सीक्वल के बारे में बात करते हुए इम्तियाज अली ने इसके विचार को खारिज कर दिया, लेकिन यह भी कहा कि वह करीना कपूर खान के साथ फिर से काम करना पसंद करेंगे। यह बताते हुए कि ऐसा अभी तक क्यों नहीं हो सका निर्देशक ने आगे कहा कि जब भी कोई फिल्म निर्माता किसी कलाकार के साथ काम करता है तो उस पर यह जिम्मेदारी होती है कि वह केवल उस कलाकार के के लिए ही कुछ भी न करें। विचार यह है कि पुनर्मिलन केवल तभी किया जाए, जब आपने पहले जो किया है उसकी तुलना में कोई बेहतर या पूरी तरह से अलग प्रोजेक्ट हो।

इस फिल्म के सीक्वल में काम करना चाहती हैं प्रीति

प्रीति जिंटा बॉलीवुड की जानी मानी अभिनेत्री हैं। 90 के दशक से लेकर अब तक वे कई सुपरहिट फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने फैंस के लिए एक चैट सेशन का आयोजन किया। इस दौरान एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि अगर संघर्ष का सीक्वल बनी तो वे उसमें जरूर काम करना चाहेंगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रीति जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं। लाहौर 1947 में वे सनी देओल के साथ दिखेंगी।

शेखर सुमन ने आमिर खान से की अपनी तुलना, बोले- सिर्फ दिखने के लिए काम नहीं करता

शेखर सुमन मनोरंजन की दुनिया में काफी पुराना नाम हैं। उन्होंने लगातार कई वर्षों से लोगों का मनोरंजन किया है। इस दौरान वह एक मशहूर टीवी स्टार, जज, गायक और बॉलीवुड अभिनेता के तौर पर दिखे। फिलहाल वह निर्देशक संजय लीला भंसाली की डेब्यू वेब सीरीज हीरामंडी में नजर आ रहे हैं। वह लंबे समय बाद स्क्रीन पर नजर आए हैं। शेखर के फैंस उन्हें फिर से अभिनय करते देखने को लेकर काफी उत्सुक थे। उनके फैंस इस सीरीज को उनकी वापसी करार दे रहे थे, लेकिन अभिनेता इसे वापसी के रुप में नहीं देखते। अच्छे खासे अंतराल के बाद स्क्रीन पर नजर आ रहे शेखर इसे वापसी के तौर पर नहीं देखते। अपने रुख साफ करते हुए उन्होंने कहा, मैं एक थियेटर का कलाकार हूं। आप एक अच्छे किरदार का इंतजार करते हैं। ऐसे किरदार मिलने में समय लग सकता है। इसलिए आप थोड़े अंतराल के बाद दिखते हैं, क्योंकि वो किरदार मुझे उत्साहित करना चाहिए। मैं सिर्फ दिखने के लिए काम नहीं करता कि मैं 10 ओटीटी सीरीज और पांच फिल्मों का हिस्सा हूं।

दिलीप कुमार और आमिर खान से सीखा

स्क्रीन पर कम नजर आने को लेकर उन्होंने आमिर खान और दिलीप कुमार का जिक्र किया। उन्होंने कहा, मैंने दिलीप कुमार साहब से काफी कुछ सिखा है। वह दो-तीन सालों में एक फिल्म किया करते थे। दिलीप कुमार,आमिर खान ये लोग खुद को काफी संयमित और अच्छे-खासे अंतराल के बाद दर्शकों के सामने पेश करते हैं। इस वजह से लोगों के अंदर इन्हें पर्दे पर देखने की जिज्ञासा होती है। खुद को भेड़ चाल का हिस्सा बना लेना, किसी भी कलाकार के लिए काफी बुरा होता है। किसी फिल्म या शो के बीच में यह एहसास होना कि आपने गलती की है, यह बहुत बुरा अनुभव होता है।

पिता-पुत्र दोनों ने किया है काम

शेखर सुमन इससे पहले बिग बॉस के 16वें सीजन में दिखे थे। फिलहाल वह ओटीटी सीरीज हीरामंडी में नजर आ रहे हैं। इसमें वह जुल्फिकार का किरदार अदा कर रहे हैं। शो में उनके साथ उनके पुत्र अध्यन सुमन भी नजर आ रहे हैं। इसमें वह जोरावर अली खान का किरदार निभा रहे हैं। इससे पहले अध्यन वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश में नजर आए थे। फिलहाल दोनों पिता-पुत्र की जोड़ी स्क्रीन पर लोगों को पसंद

मनोज ने 'द फैमिली मैन' के लिए बदला 'भैयाजी' का प्रमोशन प्लान

'अब निवेदन नहीं, नरसंहार होगा!' की टैगलाइन के साथ कोई महीना भर पहले रिलीज हुआ अभिनेता मनोज बाजपेयी की सौंवीं फिल्म 'भैयाजी' का टीजर अब तक 38 लाख लोगों ने देखा है। फिल्म इसी महीने रिलीज होने वाली है और तब तक ये शायद 50 लाख लोगों तक पहुंच भी जाए, लेकिन मनोज बाजपेयी सोमवार को इस फिल्म से ज्यादा अपनी वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन को लेकर होने वाले अनाउसमेंट पर फोकस दिखे। और, इसी के चलते फिल्म के लिए होने वाले इंटरव्यू की सारी गणित भी उन्होंने सुबह सुबह बदल दी। बायोपिक के बाजीगर कहलाने वाले निर्माता विनोद भानुशाली की फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के बाद से ही मनोज बाजपेयी का सिनेमा में टैम्पो हाई है। बताते हैं कि इन दिनों वह एक फिल्म का कोई 10 करोड़ रुपये मांगते हैं। हालांकि, सच यही है कि इस फिल्म की ओटीटी पर खूब तारीफ होने के बावजूद जो दूसरी फिल्म मनोज की शुरू हुई, वह भी विनोद भानुशाली ने ही 'भैयाजी' के नाम से शुरू की। दोनों के निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की हैं, जिनके साथ मनोज एक और फिल्म की शूटिंग जल्द ही लंदन में शुरू करने वाले हैं। लेकिन, 'सिर्फ एक बंदा काफी है' से बनी मनोज की ब्रांडिंग पर अब तक न सिर्फ 'किलर सूप' फिर चुका है, बल्कि जी5 पर ही प्रसारित हुई फिल्म 'साइलेंस 2' की औसत से कमतर प्रोडक्शन वैल्यू ने भी असर डाला है। सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'जोरम' का हाल सबको पता ही है। 'भैयाजी' के बारे में बताया जाता है कि ये फिल्म ओवरबजट हो चुकी है। फिल्म के सैटेलाइट और ओटीटी राइट्स के जरिये हालांकि इसके निर्माता फिल्म की लागत फिल्म की रिलीज से पहले ही करीब करीब निकाल चुके हैं, लेकिन इस फिल्म को सिनेमाघरों में पहुंचाना अब भी सीधी खीर नहीं है।

दिलचस्प बात ये है कि 'भैयाजी' मनोज बाजपेयी की सौवीं फिल्म है लेकिन, उनकी तरफ से इसे लेकर कोई खास उत्साह नहीं दिख रहा। तीन दिन से इस फिल्म के लिए प्रमोशन प्लान बना रही कंपनी देश के तमाम अखबारों के लिए उनके इंटरव्यू का समय तय करके बैठी रही और ऐन सोमवार की सुबह मनोज ने ये सारा प्रमोशनल प्लान बदल दिया। पता चला कि प्राइम वीडियो इसी समय उनकी सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन को लेकर एलान करने वाला है। ये सीरीज भी बिल्कुल बीरबल की खिचड़ी की तरह पक रही है। सोमवार को बताया गया कि इसकी शूटिंग चल रही है। कहां चल रही है, कब तक चलेगी और कब सीरीज का प्रसारण होगा? इन सारे सवालों के जवाब प्राइम वीडियो अरसे से देने से कतराता रहा है। मनोज बाजपेयी को फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' और 'भैयाजी' में निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की ने निर्देशित किया है। टीवीएफ की कई कमाल की सीरीज निर्देशित कर चुके अपूर्व को बड़े परदे का सिनेमा सीखने में भी काफी वक्त लगा है। फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के सेट पर सारे रचनात्मक निर्णय लेने के लिए लेखक, निर्देशक सुपर्ण वर्मा हर समय मौजूद रहते थे। उनके कहने पर अपूर्व को फिल्म के कई सारे सीन न सिर्फ दोबारा शूट करने पड़े बल्कि अक्सर ये सीन ठीक उसी तरह उन्होंने शूट किए जैसे कि सुपर्ण ने उन्हें समझाए। अपूर्व के साथ मनोज अब अपनी लगातार तीसरी फिल्म करने जा रहे हैं। और, उसके पहले वह अपनी फिल्म 'भैयाजी' के अपने करियर की सौंवीं फिल्म होने के बावजूद इसे लेकर माहौल नहीं बना पा रहे हैं। मनोज बाजपेयी के साथ काम कर चुके अब तक किसी भी दिग्गज कलाकार या निर्देशक ने उनकी इस सौंवी फिल्म की उपलब्धि पर सोशल मीडिया पर कुछ लिखा नहीं है और न ही कहीं सार्वजनिक तौर पर इस फिल्म को जश्न की तरह मनाने की सुगबुगाहट ही मनोज बाजपेयी की तरफ से दिखाई या सुनाई दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

सेंसेक्स 383 अंक गिरकर 73,511 और निफ्टी 22,302 के स्तर पर बंद

मुंबई, एजेंसी। मंगलवार को हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत के बाद शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 383 अंकों की गिरावट के साथ 73,511 के स्तर जबकि निफ्टी 140 अंकों की गिरावट के साथ 22,302 के स्तर पर बंद हुआ। आज सुबह 9ः18 बजे, सेंसेक्स 0.08 प्रतिशत बढ़कर 73,954.96 पर खुला था, जबकि निफ्टी 50 0.13 प्रतिशत बढ़कर 22,471.95 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले कल यानी 6 मई को शेयर बाजार में सपाट कारोबार देखने को मिला था। सेंसेक्स 17 अंक की तेजी के साथ 73,895 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में 33 अंक की गिरावट रही, ये 22,442 के स्तर पर बंद हुआ था।

भारत ने मॉरीशस को 14,000 टन गैर–बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मॉरीशस को 14,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को मंजूरी दे दी। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (एनसीईएल) के माध्यम से मॉरीशस को 14,000 टन गैर-बासमती सफेद चावल निर्यात किए जाने की अनुमति दी गई है। सरकार ने घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए 20 जुलाई, 2023 से ही गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया हुआ है लेकिन कुछ देशों को अनुरोध पर उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतें पूरा करने के लिए सरकार निर्यात की अनुमति देती है। इससे पहले भारत ने तंजानिया, जिबूती और गिनी-बिसाऊ सहित कुछ अफ्रीकी देशों को इस चावल के निर्यात की अनुमति दी है। इसके अलावा नेपाल, कैमरून, कोटे डि-आइवरी, गिनी, मलेशिया, फिलिपीन और सेशेल्स जैसे देशों को भी गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात की अनुमति दी गई थी। एनसीईएल कई राज्यों में सक्रिय एक सहकारी समिति है। इसे देश की कुछ प्रमुख सहकारी समितियों अमूल, इफको, कृभको और नैफेड के जरिये संयुक्त रूप से बढ़ावा दिया जाता है।

रेखा झुनझुनवाला को शेयर बाजार में हुआ बड़ा नुकसान, शेयर के टूटने से 800 करोड़ डूबे

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक रहे दिवंगत राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला को सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान 800 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। उन्हें यह नुकसान टाटा समुह के स्वामित्व वाली कंपनी टाइटन के शेयरों के टूटने से हुआ है। टाटा समूह के इस शेयर पर झुनझुनवाला परिवार ने बड़ा निवेश कर रखा है। झुनझुनवाला परिवार की टाइटन में करीब 5.35त्न हिस्सेदारी 31 मार्च 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार झुनझुनवाला परिवार की टाइटन में करीब 5.35त्न की हिस्सेदारी थी। शुक्रवार को बाजार की क्लोजिंग के दौरान टाइटन के शेयरों में उनकी होल्डिंग का कुल मूल्य 16,792 करोड़ रुपये था। सोमवार को टाइटन के शेयर 7त्न तक टूट गए। मार्च तिमाही के नतीजों के बाद निवेशकों में टाइटन के शेयरों में खरीदारी के प्रति निराशा दिखी। इस गिरावट से झुनझुनवाला परिवार को खासा नुकसान उठाना पड़ा। उन्हें टाटाइन के शेयर कमजोर होने से करीब 800 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान टाइटन के शेयर 3,352.25 के अपने निचले स्तर पर पहुंचने के बाद 3281.65 रुपये पर बंद हुए।

देश की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर, इंडिया रेटिंग ने बढ़ाया जीडीपी ग्रोथ रेट का अनुमान

मुंबई एजेंसी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारत की अर्थव्यवस्था का लोहा रेटिंग एजेंसियां भी मान रही हैं। डोमेस्टिक रेटिंग एजेंसी इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए देश की जीडीपी की ग्रोथ रेट के अनुमान को 6.5 फीसदी से बढ़ाकर 7.1 फीसदी कर दिया है। यह अनुमान रिजर्व बैंक के 7 फीसदी के अनुमान से थोड़ा ज्यादा है। डोमेस्टिक रेटिंग एजेंसी ने बयान में कहा कि सरकारी कैपेक्स बने रहने, कॉरपोरेट और बैंकिंग सेक्टर के बैलेंस शीट में कर्ज की कमी और आरंभिक प्राइवेट कॉरपोरेट कैपेक्स से मिले मजबूत सपोर्ट ने उसे ग्रोथ अनुमान में संशोधन करने के लिए मजबूर किया है।

क्या है बदलाव करने की वजह

इसके साथ ही रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कंजप्शन डिमांड का व्यापक बेस नहीं होना और ग्लोबल लेवल पर सुस्त वृद्धि के कारण निर्यात में आने वाली बाधाएं भारत की जीडीपी वृद्धि को सीमित कर सकती है। एजेंसी ने उम्मीद जताई कि प्राइवेट फाइनल कंजप्शन एक्सपेंडिचर में वृद्धि वित्त वर्ष 2024–25 में बढ़कर 7 फीसदी हो जाएगी, जो वित्त वर्ष 2023–24 में 3 फीसदी थी। यह 3 साल का उच्चतम स्तर होगा।

कमजोर बनी हुई है रूरल कंजप्शन

इस रिपोर्ट में मौजूदा कंजप्शन डिमांड को अत्यधिक विषम बताते हुए कहा गया है कि यह उच्च आय वर्ग से संबंधित परिवारों द्वारा बड़े पैमाने पर कंज्यूम्ड की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं से प्रेरित है जबकि रूरल कंजप्शन कमजोर बनी हुई है। इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि सामान्य से बेहतर मानसून रहने से गेहूं की सरकारी खरीद के चालू वित्त वर्ष में 3.7 करोड़ टन रहने पर कंजप्शन बढ़ सकती है। पिछले वित्त वर्ष में गेहूं की खरीद 2.6 करोड़ टन रही थी।

विंसॉल इंजीनियर्स लिमिटेड का आईपीओ 9 मई 2024 को बंद होगा

विंसॉल इंजीनियर्स लिमिटेड का आईपीओ 6 मई, 2024 को खुलेगा। मुंबई, एजेंसी। विंसॉल इंजीनियर्स लिमिटेड की शुरुआत पहले विंसॉल इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जामनगर में हुई थी। बाद में 21 दिसंबर, 2023 को कंपनी का नाम बदलकर विंसॉल इंजीनियर्स लिमिटेड कर दिया गया। जामनगर स्थित विंसोल इंजीनियर्स लिमिटेड एक एकीकृत इंजीनियरिंग, खरीद, निर्माण और कमीशनिंग कंपनी है जो पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन कंपनियों के लिए बैलेंस ऑफ प्लांट (बीओपी) समाधान प्रदान करती है। बीओपी सॉल्यूशंस के लिए कंपनी की मुख्य सेवाओं में नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में अपने ग्राहकों के साथ फाउंडेशन कार्य, सबस्टेशन सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्य, राइट-ऑफ-वे सेवा, सबस्टेशन और ग्रिड केबलिंग और विविध कार्य शामिल हैं।

मैक्रोटेक डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष में 17 आवासीय परियोजनाएं करेगी पेश

नई दिल्ली, एजेंसी। मैक्रोटेक डेवलपर्स चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 17 आवासीय परियोजनाएं शुरू करेगी, जिनकी राजस्व क्षमता 12,000 करोड़ रुपए होगी। इससे कंपनी की बिक्री बुकिंग को बढ़ावा मिलेगा, जो 2023-24 में मजबूत मांग के दम पर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। निवेशकों के अनुसार, लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी संपत्तियों का विपणन करने वाली मैक्रोटेक डेवलपर्स 2024-25 में मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे तथा बेंगलुरु में 10 नई परियोजनाएं और मौजूदा आवासीय परियोजनाओं में सात नए चरण शुरू करेगा। पेश किए जाने वाले कुल क्षेत्रफल का अनुमान 1.01 करोड़ वर्ग फुट है, जिसका अनुमानित सकल विकास मूल्य (जीडीवी) 12,100 करोड़ रुपए है। हालांकि, कंपनी ने कहा कि इस वित्त वर्ष में पेश होने वाली परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शन बढ़ सकता है, क्योंकि वह अधिक भूमि अधिग्रहण कर सकती है और इसी वित्त वर्ष में पेश करने में सक्षम हो सकती है। भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक मैक्रोटेक डेवलपर्स ने चालू वित्त वर्ष में 17,500 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति बेचने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। इसने अपनी बिक्री बुकिंग (जिसे प्री-सेल्स भी कहा जाता है) में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले वित्त वर्ष में रिकॉर्ड 14,520 करोड़ रुपए हो गई जो 2022-23 में 12,060 करोड़ रुपए थी।

मैक्रोटेक डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अभिषेक लोढ़ा ने कहा कि कंपनी ने 2024-25 में 10,000 से अधिक अपार्टमेंट वितरित करने का लक्ष्य रखा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा करीब 8,200 इकाई था। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कंपनी ने मजबूत आवासीय मांग के बीच पूर्व-बिक्री, नई भूमि अधिग्रहण और ऋष्ठा में कमी से संबंधित 2023-24 के अपने सभी प्रमुख लक्ष्यों को हासिल कर लिया है।

वैश्विक व्यापार मेलों में भागीदारी, नए देशों से संपर्क से परिधान निर्यात को बढ़ावा मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक व्यापार मेलों में भागीदारी और पोलैंड, मैक्सिको तथा ब्राजील जैसे नए देशों में मांग का दोहन करने जैसे कदमों से भारत से परिधान निर्यात बढ़ाने में मदद मिलेगी। ये उपाय उस विस्तृत रणनीति का हिस्सा हैं जिस पर परिषद निर्यात को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने 2030 तक निर्यात को 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। एईपीसी के चेयरमैन सुधीर सेखरी ने कहा, ''हम चालू वित्त वर्ष में सभी महाद्वीपों में 17 अंतरराष्ट्रीय मेलों में हिस्सा लेने की योजना बना रहे हैं। इस वर्ष हम जिन नए गंतव्यों को लक्ष्य कर रहे हैं, उनमें अमेरिका, ब्रिटेन तथा यूरोपीय संघ जैसे पारंपरिक बड़े देशों के अलावा सऊदी अरब, पोलैंड, मैक्सिको, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और रूस शामिल हैं। उन्होंने कहा कि फरवरी 2024 में 'भारत टेक्स (केंद्र सरकार और परिधान उद्योग के बीच एक अनूठा सहयोग) के पहले संस्करण की सफलता के बाद अगले साल की शुरुआत में दूसरे संस्करण के जरिए दुनिया भर के खरीदारों तक पहुंच बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। एईपीसी ने तीन मई को यहां एनसीआर स्थित प्रमुख खरीद एजेंसियों, विदेशी खुदरा विक्रेताओं के संपर्क कार्यालयों के प्रतिनिधियों के साथ एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया। कपड़ा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, अतिरिक्त सचिव रोहित कंसल और व्यापार सलाहकार शुभ्रा ने अपने इसमें विचार साझा किए। बैठक में 2030 तक 40 अरब अमरीकी डॉलर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ब्रांडों और खरीद घरानों के साथ अधिक से अधिक जुड़ाव की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में फ्री सर्टिफाइड सोना मसूरी पैडी (धान) सीड्स डिस्ट्रिब्यूशन इनिशिएटिव लॉन्च की

जम्मू, एजेंसी। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने एक अग्रणी पहल की घोषणा की है जिसका उद्देश्य जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में सर्टिफाइड सोना मसूरी धान के बीजों के मुफ्त वितरण के द्वारा किसानों को सपोर्ट करना है, जो क्षेत्र में किसानों के बीच अपनी हाई क्वॉलिटी और उपज क्षमता के लिए जाने जाते हैं। सर्वेश्वर का लक्ष्य एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड चावल की किस्मों के बीज उपलब्ध करवाकर कृषक समुदाय को सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम के तहत सर्वेश्वर खरीद सुविधा केन्द्र में सोना मसूरी धान के सर्टिफाइड सीड्स का निःशुल्क वितरण किया जायेगा। यह इनिशिएटिव स्थानीय कृषक समुदायों को मज़बूत बनाने और क्षेत्र में एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने के लिए सर्वेश्वर फूड्स के समर्पण को दर्शाती है।

जम्मू और कश्मीर में किसानों के सामने आने वाले इकनॉमिक चैलन्जेस के मद्देनजर, सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड के अध्यक्ष श्री रोहित गुप्ता ने एक कम्पैशनट इनिशिएटिव की घोषणा की है। एग्रीकल्चरल स्पेशलिस्ट टीम की देख-रेख में सर्वेश्वर ने निःशुल्क धान बीज वितरण का संकल्प लिया है। यह वितरण विशेष रूप से जम्मू के गैर-बासमती उत्पादक क्षेत्रों को टार्गेट करेगा। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य राज्य में किसानों के कल्याण और हितों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें समर्थन देना है। सोना मसूरी चावल मध्यम अनाज वाले चावल की एक किस्म है जो मुख्य रूप से दक्षिणी भारत में उगाया जाता है। सोना मसूरी चावल के यूनिक फीचर्स में से एक इसकी फ्लेवर्स और स्पाइसेस को आसानी से एब्जॉर्ब (अवशोषित) करने की क्षमता है, जो इसे विभिन्न प्रकार के भारतीय व्यंजन तैयार करने के लिए एक आइडियल इनग्रेडिएंट बनाती है। इसके अतिरिक्त, चावल की अन्य किस्मों की तुलना में इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है

एनर्जी मिशन मशीनरीज की पब्लिक इश्यू से रु. 41.15 करोड़ जुटाने की योजना; आईपीओ 9 मई को खुलेगा

कंपनी रू. 131 से रु. 138 प्रति शेयर के प्राइज बैंड में रु. 10 अंकित मूल्य के 29.82 लाख इक्विटी शेयर जारी करेगी; शेयर एनएसई के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे

अहमदाबाद , एजेंसी। शीट मेटल मशीनरी की विविध रेंज के डिजाइन और निर्माण में अहमदाबाद स्थित अग्रणी कंपनी एनर्जी मिशन मशीनरीज (इंडिया) लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 41.15 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 9 मई को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुला है और 13 मई को बंद होगा। पब्लिक इश्यू की आय का उपयोग कंपनी की विस्तार योजनाओं को फंड देने के लिए किया जाएगा, जिसमें गुजरात के साणंद में मौजूदा मेन्युफेक्चरिंग यूनिट में सिविल कन्स्ट्रक्शन वर्क, नए प्लान्ट और मशीनरी, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताएं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य को पूरा करना शामिल है। हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है।

आईपीओ में पब्लिक इश्यू के लिए रु. 131 से रु. 138 प्रति इक्विटी शेयर के प्राइज बैंड में रु. 10 अंकित मूल्य के 29.82 लाख इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू शामिल है। रु. 41.15 करोड़ की इश्यू आय में से कंपनी की योजना रु. 6.86 करोड़ का उपयोग गुजरात के अहमदाबाद जिले के साणंद में स्थित मौजूदा विनिर्माण इकाई में सिविल कन्स्ट्रक्शन वर्क के लिए, रु. 7.43 करोड़ नए प्लान्ट और मशीनरी की स्थापना के लिए, रु. 15 करोड़ कार्यशील पूंजी की जरूरते के लिए करने की है। एप्लिकेशन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1000 शेयर है जो प्रति एप्लिकेशन रु. 1.38 लाख के निवेश के बराबर है। आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक कोटा नेट ऑफर के 35 प्रतिशत से कम नहीं रखा गया है, एचएनआई क्वोटा ऑफर के 15 प्रतिशत से कम नहीं रखा गया है और क्यूआईबी हिस्सा नेट ऑफर के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं रखा गया है। मार्केट मेकर का हिस्सा 1.50 लाख इक्विटी शेयर रखा गया है। एनर्जी मिशन मशीनरीज (इंडिया) सीएनसी, एनसी और कन्वेन्शनल मेटल फोर्मिंग मशीनों का डिजाइन और निर्माण करती है जो औद्योगिक क्षेत्र की मेटल फेब्रिकेशन सॉल्युशन्स की आवश्यकता को पूरा करती हैं। कंपनी की मेटल फोर्मिंग मशीनों की श्रृंखला में प्रेस ब्रेक मशीन, शियरिंग मशीन, प्लेट रोलिंग मशीन, आयरनवर्कर मशीन, हाइड्रोलिक प्रेस और बसबार बेंडिंग, कटिंग और पंचिंग मशीनें शामिल हैं। कंपनी की मशीनें विभिन्न उद्योगों में उपयोग की जाती हैं, जिनमें ऑटोमोटिव, स्टील, प्री-इंजीनियर्ड इमारतें, फर्नीचर, एचवीएसी, कृषि उपकरण, सड़क निर्माण उपकरण, लिफ्ट, फूड प्रोसेसिंग मशीनरी, मेटल वर्किंग वर्कशोप्स आदि शामिल हैं। एनर्जी मिशन मशीनरीज (इंडिया) ने भारत में 20 से अधिक राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में ग्राहकों को अपनी प्रोडक्ट्स बेची हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने अमेरिका, स्विट्जरलैंड, रूस, नेपाल, केन्या, युगांडा, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और मध्य पूर्व के अन्य देशों सहित दुनिया भर के कई देशों में अपनी प्रोडक्ट्स का निर्यात किया है।

एक्सालियॉन एक्टिव की शक्ति से लैस एफिकॉन बीएएसएफ भारतीय किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है

सागर । छेदकर रस चूसने वाले कीट भारत में कृषि फसलों के लिए बड़ा संकट पैदा करते हैं, जिससे उत्पादकता और फसलोपज में 35 से 40प्रतिशत तक भारी नुकसान पहुँचता है. अब भारतीय किसान आज लॉन्च किए गए बीएएसएफ के नए कीटनाशक एफिकॉन की सहायता से इस मुश्किल भरी चुनौती पर काबू पा सकते हैं. एफिकॉन एक विशेष फॉर्मूलेशन में बीएएसएफ के नए एक्टिव इंग्रीडिएंट एक्सालियॉन की शक्ति से लैस है। अनूठी क्रियाविधि रखने वाला एफिकॉन कीटनाशक नए आईआरएसी समूह 36 के तहत बाजार में पेश किए गए उन पहले कंपाउंड्स में से एक है, जो पूरी तरह से कीटनाशकों की एक नई श्रेणी (समूह 36-पायरिडाजाइन) का प्रतिनिधित्व करता है, जिसका बाजार में मौजूदा उत्पादों के साथ कोई ज्ञात क्रॉस-रेजिस्टेंस नहीं है, जिससे यह एक श्रेष्ठतर कीटनाशक प्रतिरोध प्रबंधन का साधन बन जाता है। पहली बार 2023 में ऑस्ट्रेलिया में एफिकॉन कीटनाशक लॉन्च किया गया था. भारत दुनिया के उन कुछ देशों में से एक है, जहाँ इतनी जल्दी यह नई केमिस्ट्री उपलब्ध होने जा रही है, जिससे किसानों को मुश्किल चुनौती पेश करने वाले रस चूसने वाले कीटों पर काबू पाने में मदद मिलेगी। एशिया पैसिफिकस्ट्रेटजी के अनुरूप, बीएएसएफ खास तौर से स्थानीय बाजार की जरूरतों के लिए समाधान विकसित कर रहा है. बीएएसएफ एग्रीकल्चरल सॉल्यूशंस, एशिया पैसिफिककी सीनियरवाईसप्रेसिडेन्टसिमोन बर्ग ने कहा बीएएसएफ में, हम जो कुछ भी करते हैं वह कृषिकार्य के प्रति लगाव के चलते करते हैं. हम किसानों की जरूरतों को समझने के लिए किसानों की आवाज़ सुनकर काम करने के प्रति समर्पित हैं, जिससे कि फसलों को कीटों से बचाने और उत्पादकता बढ़ाने की मुश्किल चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने में उनकी मदद करने के लिए हम अपनी विशेषज्ञता का प्रयोग कर धरती पर सबसे बड़े काम में सहायता प्रदान कर सकें। एफिकॉन कीटनाशक की एक महत्वपूर्ण खूबी इसकी अनूठी क्रियाविधि है. यह चेपा, फुदका और सफेद मक्खियों जैसे कीटों के जीवनकाल की कई अवस्थाओं पर अत्यधिक असरदार है. प्रयोग किए जाने पर, एफिकॉन से तुरंत कीटों द्वारा भक्षण कर पौधों को चोट पहुँचाना रूक जाता है. यह अपने प्रणालीगत गुणों के कारण लंबे समय तक चलने वाला अवशिष्ट नियंत्रण प्रदान करता है। अपने प्रणालीगत गुणों के चलते, एफिकॉन नई फसल की बढ़वार के लिए भी लंबे समय तक चलने वाला अवशिष्ट नियंत्रण प्रदान करता है. बीएएसएफ इंडिया के एग्रीकल्चरल सॉल्यूशंस के बिजनेस डायरेक्टर गिरिधर रानुवा ने कहा यह नवाचार दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के रस चूसने वाले कीटों को काबू में लाने में किसानों की मदद करने की बीएएसएफ की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है. एफिकॉन से भारतीय किसानों को कपास और सब्जियों जैसी विभिन्न प्रकार की फसलों में कीटों पर असरदार नियंत्रण पाने और लंबी अवधि की सुरक्षा में मदद मिलेगी. लेबल पर दिए गए निर्देशों के अनुसार प्रयोग किए जाने पर एफिकॉन परागणकों सहित गैर-लक्षित सजीवों और लाभकारी कीड़ों के लिए भी अत्यधिक अनुकूल है। एफिकॉन की सहायता से यह उपलब्धि ऐसा कीटनाशक पोर्टफोलियो विकसित करने के हमारे लक्ष्य के अनुरूप है, जिससे दुनिया भर के किसानों को मदद मिलेगी.

रैपिडो और मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन कार्यालय की पहल मतदाताओं को प्रदान करेगी परिवहन सेवाएं

आम चुनाव 2024 के दौरान भोपाल में मतदाताओं के लिए लाए मुफ्त बाईक टैक्सी राईड्स और रैली का किया आयोजन

भोपाल। देश के लोकतांत्रिक ढांचे को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता के साथ भारत के प्रमुख कम्यूट ऐप रैपिडो ने राष्ट्र के प्रति अपना कर्तव्य निभाते हुए 'सवारी जिम्मेदारी की' पहल का लॉन्च किया है। मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचय कार्यालय के सहयोग से रैपिडो 7 मई 2024 को भोपाल के मतदाताओं के लिए मुफ्त बाईक टैक्सी राईड उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा रैपिडो ने शहर के निवासियों को मतदान के महत्व पर जागरुक बनाने के लिए शहर प्रशासन के साथ साझेदारी भी की है।

100 बाईक टैक्सी कैप्टन्स के साथ इस रैली को प्लेटिनम प्लाज़ा अटल पथ, भोपाल से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर श्री अनुपम राजन, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, मध्य प्रदेश, श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, आईएएस, कलेक्टर एवं ज़िला मजिस्ट्रेट, भोपाल और श्री रितेश शर्मा, असिस्टेन्ट नोडल ऑफिसर, एसवीईईवी, भोपाल मौजूद रहे, और नागरिकों को मतदान के लिए प्रोत्साहित किया। चुनाव के दिन मतदाता रैपिडो ऐप पर कोड 'ड्ढह्लज्ञश्वह्लद्ध' का उपयोग कर मुफ्त राईड पा सकते हैं और अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग कर सकते हैं। नागरिकों के मतदान के अधिकार को बढ़ावा देना तथा चुनाव प्रक्रिया को अधिक समावेशी बनाना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। ये प्रयास रैपिडो के राष्ट्रव्यापी अभियान के अनुरूप हैं, जिसके तहत 100 से अधिक शहरों में चुनाव के दिन मुफ्त राईड उपलब्ध कराने के लिए 10 लाख से अधिक कैप्टन्स को लगाया गया है। मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन कार्यालय के साथ रैपिडो की साझेदारी ऐसा ब्राण्ड बनने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है जो बेहतर समाज के निर्माण में सकारात्मक योगदान दे सके।

बाबा विश्वनाथ ने बुलाया है...

जाना था कोलकाता पहुंच गए बनारस

टीका-चंदन लगाकर भक्ति में लीन केकेआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स को रविवार को 98 रन से हराने के बाद श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम सोमवार की शाम कोलकाता के लिए रवाना हुई थी। टीम को 7 बजकर 25 मिनट पर कोलकाता पहुंचना था, लेकिन लखनऊ से कोलकाता की यह फ्लाइट खराब खराब मौसम के चलते लैंड ही नहीं कर पाई। विमान का कोलकाता में उतरना असंभव था, ऐसे में चार्टर्ड उड़ान को पहले गुवाहाटी की ओर रवाना किया गया और फिर वाराणसी मोड़ा गया, जिसके चलते पूरी टीम को एक रात वाराणस में गुजारनी पड़ी। अब इसे सुखद हादसा कहिए या भगवान का बुलावा, सुबह-सुबह पूरी टीम ने वाराणसी स्थित बाबा विश्वनाथ मंदिर के भव्य दर्शन किए। पवित्र गंगा नदी में नौकायन किया और घाटों पर सैर की।

देर रात पहुंचे वाराणसी - केकेआर मीडिया टीम ने रात पौने नौ बजे बताया कि कोलकाता में खराब मौसम के कारण टीम की चार्टर्ड उड़ान को गुवाहाटी मोड़ दिया गया। इसके एक घंटे बाद कहा गया कि कोलकाता उड़ाने के लिए हरी झंडी मिल चुकी है, लेकिन फिर मौसम अनुकूल नहीं होने के कारण उसे वाराणसी की ओर मोड़ दिया गया। रात एक बजकर 15 मिनट पर जारी अपडेट में कहा गया, 'उड़ान गुवाहाटी से कोलकाता जानी थी, लेकिन खराब मौसम के कारण रात 11 बजे नहीं उतर सकी। खराब मौसम के कारण सारे प्रयास नाकाम रहे और अब वाराणसी की ओर। अभी अभी यहां उतरे हैं।' इस बीच कोलकाता नाइटराइडर्स के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज अपनी मां की खराब तबीयत के चलते अफगानिस्तन लौट गए। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर उन्होंने इसकी जानकारी दी। गुरबाज ने एक्स पर पोस्ट लिखा, मां की बीमारी के चलते आईपीएल में एक छोटा ब्रेक लेकर मैं दोबारा जल्द से जल्द अपनी केकेआर फैमिली से जुड़ूंगा। संदेश और दुआओं के लिए आप सभी का शुक्रिया। अल्हम्दुल्लाह अब वह पहले से काफी बेहतर हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रहमनुल्लाह गुरबाज को अबतक इस सीजन एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। पिछले सीजन टीम के लिए ओपनिंग करने वाले गुरबाज की जगह इस बार इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट से पारी की शुरुआत करवाई जा रही है। साल्ट और सुनील नरेन की जोड़ी लगभग हर मैच में केकेआर को शानदार शुरुआत दिलाने में कामयाब रहती है।

अरे कोई डीएनए टेस्ट कराओ यार... सूर्यकुमार यादव पर बोला क्रिकेटर वेन पार्नेल

मुंबई (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव ने सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ धमाकेदार शतक जड़कर अपनी क्लास दिखाई। 174 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यकुमार (102*) ने 51 गेंदों पर अपना दूसरा आईपीएल शतक जड़ा। इस तेजतर्रार बल्लेबाज ने वानखेड़े में प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करते हुए 12 चौके और 6 छक्के लगाए।

मुंबई इंडियंस ने रोहित शर्मा (4), ईशान किशन (9) और नमन धीर (0) के विकेट शुरुआत में ही खो दिए। इसके बाद स्कोरबोर्ड पर केवल 31 रन थे। हालांकि, सूर्यकुमार ने अपने 360 डिग्री शॉट-मेकिंग के साथ दबाव को कम किया। उन्होंने डीप एक्स्ट्रा कवर पर विजयी शॉट के साथ अपना शतक पूरा किया। रोहित के बाद वह आईपीएल में दो शतक लगाने वाले मुंबई इंडियंस के दूसरे बल्लेबाज बन गए। इस बीच उन्होंने टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाजों में केएल राहुल और रुतुराज गायकवाड़ की बराबरी भी कर ली।

टी20 में सबसे ज़्यादा शतक लगाने वाले भारतीय

9 - विराट कोहली
8 - रोहित शर्मा
6 - रुतुराज गायकवाड़
6 - केएल राहुल
6 - सूर्यकुमार यादव

क्रिकेट जगत सूर्यकुमार की इस पारी से काफी प्रभावित है, जो टी20 विश्व कप से ठीक पहले सही समय पर आई। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने लिखा, पिछले मैच में सूर्यकुमार यादव ने अर्धशतक बनाया था और शुरुआत में 15 गेंदों तक वह सचमुच 100 की स्ट्राइक रेट से खेल रहे थे और अंत में 160 रन बनाकर आउट हुए। आज भी उन्होंने जिम्मेदारी से शुरुआत की। प्रतिबद्धता और कौशल।

मोहम्मद कैफ ने भी सूर्या की तारीफ की और कहा कि उन्होंने टी20 विश्व कप से पहले पैट कमिंस की धुनाई करके एक बड़ा बयान दिया है। कैफ ने एक्स पर लिखा, संघर्षरत मुंबई इंडियंस के लिए सूर्या का मैच जीतने वाला शतक उनके चरित्र का परिचय है। विश्व टी20 से पहले कमिंस का सामना करके उन्होंने एक मजबूत बयान दिया है।

आरसीबी के पूर्व तेज गेंदबाज वेन पार्नेल भी सूर्यकुमार की बल्लेबाजी की क्षमता से प्रभावित हैं। दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज ने कहा कि सूर्यकुमार टी20 प्रारूप में कितने अच्छे हैं, यह जानने के लिए डीएनए टेस्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने लिखा- क्या कभी किसी ने सूर्यकुमार यादव का डीएनए टेस्ट किया है? यह लड़का अलग है, बिल्कुल अलग।

पावरप्ले के अंदर मुंबई के 31 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद सूर्यकुमार और तिलक वर्मा (32 गेंदों पर नाबाद 37) की जोड़ी ने मिलकर 143 रनों की नाबाद साझेदारी करके 22 गेंदें शेष रहते शानदार जीत दर्ज की। सूर्या ने टूर्नामेंट में पहले भी तीन अर्धशतक लगाकर अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई थी, लेकिन वह नियंत्रण में दिखे और एसआरएच के गेंदबाजों की धुनाई करते हुए अपने शानदार प्रदर्शन को नाबाद शतक में बदल दिया।

सचिन तेंदुलकर ने नाराज पड़ोसियों को खुश कर दिया, घर में निर्माण कार्य से गुस्सा थे आसपास के लोग

मुंबई (एजेंसी)। महान भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर गलत वजहों से चर्चा में हैं। सचिन के पड़ोसी उनसे नाराज है। पड़ोसियों का आरोप है कि क्रिकेट के भगवान की वजह से उनकी रात की नींद और दिन का चैन खो चुका है। सोशल मीडिया पर नाराजगी जाहिर भी की जा चुकी है। दरअसल, दिलीप डिसूजा नाम के एक एक्स यूजर का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में कहा गया है कि सचिन के घर में निर्माण कार्य जारी है। इस दौरान काफी तेज आवाज आ रही थी। पोस्ट में बताया गया कि रात नौ बजे के करीब भी निर्माण कार्य जारी था। इसी बात को लेकर पड़ोसी सचिन तेंदुलकर से नाराज थे।

प्रिय सचिन तेंदुलकर, फिलहाल रात के करीब 9 बज रहे हैं और आपके बांद्रा स्थित घर के बाहर जो सीमेंट मिक्सर पूरे दिन तेज आवाज करता रहा है, अभी भी वहीं है, अभी भी तेज आवाज कर रहा है। कृपया क्या आप अपने घर पर काम करने वाले लोगों से सही वक्त का पालन करने के लिए कह सकते हैं? आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। ये वह पोस्ट है जो दिलीप डिसूजा नामक यूजर के एक्स अकाउंट से पोस्ट किया गया।

हालांकि इसके कुछ ही देर बाद दिलीप डिसूजा अकाउंट से पूरे मामले में एक फॉलोअप पोस्ट भी शेयर की गई, जिसमें लिखा था कि उन्हें सचिन तेंदुलकर के ऑफिस से कॉल आया। उस कॉल पर बताया गया कि कोशिश की जाएगी कि कंस्ट्रक्शन वर्क के समय कम से कम आवाज हो।

सोशल मीडिया पर लोग इस पोस्ट के बाद लोग हमेशा की तरह दो गुट में बंट चुके हैं। कुछ लोगों का कहना है कि दिलीप डिसूजा का यह बस एक पब्लिसिटी स्टंट है तो वहीं कुछ लोगों ने सलाह दी कि डिसूजा को सचिन तेंदुलकर को टैग करने के बजाए बीएमसी को टैग करना चाहिए था। यहां बताना जरूरी हो जाता है कि बृहन्मुंबई महानगरपालिका यानी बीएमसी के नियमों के मुताबिक निर्माण कार्य सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक जारी रखने की अनुमति है।

ड्रेसिंग रूम में रोने लगे रोहित शर्मा!

आंसुओं से डबडबाई आंखें, चेहरे पर साफ दिखी हताशा

मुंबई (एजेंसी)। वानखेड़े स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुंबई इंडियंस की सात विकेट की जीत के बावजूद टी-20 क्रिकेट में बने। आउट होने के बाद उन्हें ड्रेसिंग रूम में निराश देखा गया। कैमरा जब उन पर फोकस हुआ तो पूरी दुनिया ने देखा कि रोहित कितने मायूस थे। चेहरे पर निराशा साफ झलक रही थी। आंखें भी नम थीं, जिसे पोछते हुए वह साफ देखे जा सकते थे।

इस साल अचानक मुंबई इंडियंस की कप्तानी से हटाए गए रोहित शर्मा ने सीजन की अपनी पहली सात पारियों में 297 रन बनाए, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 49 रन और सीएसके के खिलाफ घरेलू मैदान पर नाबाद 105 रन शामिल थे। हालांकि, अपने अगले पांच मैच में वह सिर्फ 34 रन ही जोड़ सके हैं, जिसमें चार स्कोर सिंगल डिजिट में हैं। मुंबई में बीती रात रोहित विपक्षी कप्तान पैट कमिंस की एक लैंथ गेंद पर आउट हो गए। वह इसे स्क्वायर के ऊपर से फ्लिक करना चाहते थे, लेकिन शॉट खेलने में जल्दबाजी की और गेंद आसमान में ऊंची चली गई। विकेटकीपर हेनरिक क्लासेन ने आराम से इसे पकड़कर रोहित का काम तमाम कर दिया।सोशल मीडिया मुंबई इंडियंस ड्रेसिंग रूम के अंदर रोहित के रोने की तस्वीरों और वीडियो से भरा हुआ है

रोहित शर्मा की फॉर्म टेंशन दे रही है। इस सीजन चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ शतक जड़ने के बाद से रोहित की खराब फॉर्म जारी है। एक महीने के बाद टी-20 विश्व कप शुरू होने वाला है, ऐसे में भारतीय कप्तान को लेकर चिंताएं लाजिमी है। बीती रात दुनिया के सबसे विस्फोटक ओपनर्स में शुमार रोहित शर्मा पांच गेंद में सिर्फ चार रन पर चलते

टी20 विश्व कप में भारत की सफलता की कुंजी होंगे ये दो खिलाड़ी: शास्त्री

दुबई (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि आगामी टी20 विश्व कप में शिवम दुबे की बड़े छक्के लगाने की क्षमता से भारत को बड़े स्कोर बनाने में मदद मिलेगी और यशस्वी जायसवाल के साथ दुबे पर भारत की उम्मीदों का दारोमदार होगा। जायसवाल और दुबे एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप में पदार्पण करेंगे। शास्त्री ने आईसीसी से कहा, 'दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं। एक यशस्वी जायसवाल है जिसने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। वह युवा है और बेखौफ खेलता है। चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेलने वाले दुबे ने इस सत्र में 11 मैचों में 170.73 की स्ट्राइक रेट से 350 रन बनाए हैं। शास्त्री ने कहा, 'मध्यक्रम में उसे देखिएगा। वह आक्रामक है और मैच विनर है। वह मजे के लिये छक्के लगा देता है और स्पिन गेंदबाजी को बखूबी खेलता है।उन्होंने कहा, 'तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी वह असरदार है। पांचवें छठे नंबर पर उसकी भूमिका अहम होगी।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की नई जर्सी लॉन्च

● नीले के साथ ऑरेंज कलर का कॉम्बिनेशन, कॉलर पर तिरंगे के रंग

एडिडास (एजेंसी)। एडिडास ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लॉन्च का वीडियो शेयर किया। वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा के साथ कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा को भी दिखाया गया। यह वीडियो धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम का है।

एडिडास ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लॉन्च का वीडियो शेयर किया। वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा के साथ कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा को भी दिखाया गया। यह वीडियो धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम का है।

अगले महीने वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले टी-20 वर्ल्डकप में टीम इंडिया नई जर्सी में नजर आएगी। टीम की ऑफिशियल किट स्पॉन्सर एडिडास ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए नई जर्सी जारी की। नई डिजाइन की गई जर्सी नीले रंग की है। इसके साथ ऑरेंज कलर का कॉम्बिनेशन है। वहीं, वी-शेप्ड कॉलर पर तिरंगे के रंग हैं।

आज प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिए लखनऊ को हराने उतरेगी सनराइजर्स

हैदराबाद (एजेंसी)। अपने बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से उबरकर सनराइजर्स हैदराबाद लखनऊ सुपर जाइंटस के खिलाफ बुधवार को आईपीएल के मैच में जीत दर्ज करके प्लेआफ का दावा पुख्ता करने के इरादे से उतरेगी। दोनों टीमों के 11 मैचों में 12 अंक हैं। सनराइजर्स का नेट रनरेट (माइनस 0.065) लखनऊ (माइनस 0.371) से बेहतर है। अंक तालिका में कोलकाता नाइट राइडर्स (16), राजस्थान रॉयल्स (16) और चेन्नई सुपर किंग्स (12) उससे ऊपर हैं। सनराइजर्स और लखनऊ में से जो जीतेगा वह प्लेआफ की दौड़ में एक कदम आगे होगा। पैट कमिंस की कप्तानी वाली टीम में प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन पिछले कुछ मैचों में उसके विजय अभियान पर रोक लग गई है। पिछले चार में से तीन मैचों में सनराइजर्स को पराजय का सामना करना पड़ा है क्योंकि उसके आक्रामक बल्लेबाज नाकाम रहे हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में वे बड़ा स्कोर नहीं बनाने के कारण सात विकेट से हार गए। ट्रेविस हेड को छोड़कर बाकी बल्लेबाज पिछले कुछ मैचों में खराब फॉर्म में रहे हैं। युवा अभिषेक शर्मा पिछले चार मैचों में 30 रन से आगे नहीं जा सके हैं। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने स्वीकार किया कि हर बार सलामी बल्लेबाजों पर ही जिम्मेदारी नहीं छोड़ी जा सकती, मध्यक्रम को भी कमान संभालनी होगी। हेनरिच क्लासेन लगातार अच्छा खेलने में नाकाम रहे हैं और नीतिश रेड्डी ने भी टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टी नटराजन ने अच्छी गेंदबाजी की है जबकि अनुभवी भुवनेश्वर कुमार ने भी लय हासिल कर ली है। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाइंट्स ने कोलकाता के खिलाफ इकाना स्टेडियम पर निराशाजनक प्रदर्शन किया और पहली बार 200 से अधिक रन देने के बाद 137 रन पर आउट हो गई। कप्तान केएल राहुल नाकाम रहे जबकि मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन भी बड़ी पारियां नहीं खेल सके। आयुष बडोनी का इस आईपीएल में प्रदर्शन औसत ही रहा है और वह अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल से बाहर हो गए हैं जबकि बायें हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान को भी चोट लगी है। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीनुल हक, युवा यश ठाकुर, स्टोइनिस और स्पिनर कृणाल पंड्या तथा रवि बिश्नोई पर दारोमदार होगा।

संभावित प्लेइंग 11

सनराइजर्स हैदराबाद - अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, मार्को जानसन, पैट कमिंस (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, सनवीर सिंह, ट्रैविस हेड, मयंक अग्रवाल, नितीश कुमार रेड्डी

लखनऊ सुपर जाइंट्स - केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, एश्टन टर्नर, आयुष बदोनी, करुणाल पंड्या, रवि बिश्नोई, नवीन-उल-हक, मोहसिन खान, यश ठाकुर, अर्शिन कुलकर्णी, युद्धवीर सिंह, दीपक हुडा, निकोलस पूरन

बुमराह को आराम देने पर बोले कोच पोलार्ड, अभी आराम देने का कोई इरादा नहीं है

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस के आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बावजूद बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने कहा कि टीम का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम देने का कोई इरादा नहीं है। मुंबई ने सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया जिसमें सूर्यकुमार यादव (नाबाद 102) ने आईपीएल में दूसरा शतक जड़ा। मुंबई की यह 12 मैचों में चौथी ही जीत थी।

टी20 विश्व कप को देखते हुए बुमराह को आराम देने के सवाल पर पोलार्ड ने कहा, 'हमने इस पर कोई बात नहीं की है। मुझे नहीं लगता कि यह मेरा काम है लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। हम सभी यहां पूरा आईपीएल खेलने के लिए हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य आईपीएल पूरा करना है। उसके बाद देखते हैं कि क्या होता है।

पोलार्ड ने कहा कि बल्लेबाजी कोच होने के नाते सबसे कठिन काम सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाज से आक्रामक खेल पर नियंत्रण कराना है। उन्होंने कहा, 'वह स्वाभाविक तौर पर आक्रामक बल्लेबाज है। वह हर गेंद को पीटन चाहता है। ऐसे में बल्लेबाजी कोच के लिए सबसे कठिन काम उसकी स्वाभाविक शैली को बदलना है। लेकिन बहुत ज्यादा नियंत्रण की भी जरूरत नहीं है क्योंकि आजकल क्रिकेट में इतने रन बन रहे हैं।

वहीं सनराइजर्स के सहायक कोच सिमोन हेलमोट ने कहा कि सूर्यकुमार ने शानदार पारी खेलकर मैच उनकी जद से बाहर कर दिया। उन्होंने कहा, 'वह अद्भुत क्रिकेटर है और विश्व कप में भी वह अपनी छाप छोड़ेगा। उसे गेंदबाजी करना काफी कठिन है। उसके जैसा बल्लेबाज मिलना मुश्किल है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लेकर युवराज ने किया रोहित का समर्थन

हमें वास्तव में एक अच्छे कप्तान की जरूरत है

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व स्टार ऑलराउंडर और आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के एमबेस्डर युवराज सिंह ने कप्तान रोहित शर्मा के समर्थन में सामने आए और अमेरिका और वेस्ट इंडीज में खिताब में उनके नेतृत्व करने के लिए समर्थन किया। युवराज ने मौजूदा कप्तान के साथ भारतीय ड्रेसिंग रूम साझा किया है और उन्हें एक बेहद प्रतिभाशाली युवा से भारतीय क्रिकेट के अग्रणी सितारों में से एक और आधुनिक समय का महान बल्लेबाज बनते हुए देखा है। युवराज ने कहा कि रोहित का नेतृत्व कौशल और दबाव में शांत रहने की क्षमता उन्हें प्रभावित करेगी। यह आईसीसी आयोजनों में भारत के लंबे समय से चले आ रहे सूखे को समाप्त करने की संभावनाओं की कुंजी होगी।

युवराज ने कहा, रोहित की उपस्थिति बहुत महत्वपूर्ण होने वाली है। मुझे लगता है कि हमें वास्तव में एक अच्छे कप्तान की जरूरत है, एक समझदार कप्तान जो दबाव में अच्छी तरह से निर्णय लेता है। वह निर्णय लेने वाला व्यक्ति है। जब हम (क्रिकेट विश्व कप) हारे थे तो वह कप्तान थे) 50 ओवर का फाइनल (2023 में)। उन्होंने एक कप्तान के रूप में पांच आईपीएल ट्रॉफी जीती हैं। मुझे लगता है कि हमें भारत की कप्तानी के लिए उनके जैसे व्यक्ति की जरूरत है।

आईसीसी आयोजनों में भारत की ट्रॉफी का सूखा 2011 वनडे विश्व कप के बाद से चला आ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी आयोजनों में भारत के लिए यह बहुत करीबी मामला रहा है, पिछले साल के एकदिवसीय विश्व कप में इसका उदाहरण सामने आया। चाहे वह 2022 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में हार हो, आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फाइनल और पिछले साल का 50 ओवर का विश्व कप, भारतीय क्रिकेट को पिछले कुछ वर्षों में विश्व आयोजनों में कई दुखों का सामना करना पड़ा है।

2024 पुरुष टी20 विश्व कप में जाने के लिए, प्रशंसक अंतिम बाधा में हारने के बजाय रोहित और उनके लड़कों पर भरोसा कर रहे हैं कि वे जीत हासिल करेंगे। युवराज और रोहित के बीच का बंधन भारतीय सेटअप में मुंबईकर के शुरुआती दिनों से चला आ रहा है। यह कोई रहस्य नहीं है कि युवी ड्रेसिंग रूम में रोहित के सबसे करीबी दोस्तों में से एक थे और अब भी हैं। जब रोहित ने देश के लिए पदार्पण किया तो युवराज भारतीय टीम के सितारों में से एक थे। बाएं हाथ के बल्लेबाज का विकेट गिरने के बाद युवा रोहित ने 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिदृश्य में कदम रखा और आयरलैंड के खिलाफ विलो के साथ टीम के लिए अपनी पहली उपस्थिति दर्ज की।

उनके क्रिकेट संबंध 2019 में पूर्ण रूप से सामने आए जब युवराज ने रोहित की कप्तानी में मुंबई इंडियंस के साथ अपने अंतिम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन में भाग लिया। इसके बाद युवराज ने जून 2019 में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम

रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज

रिजर्व - शुबमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद, अवेश खान।

संक्षिप्त समाचार

दावा-पाकिस्तानी फौज के अफसरों ने बच्चों का यौन शोषण किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल का खुलासा हुआ है। खैबर पख्तूनख्वा के कबाइली इलाकों में तैनात कर्नल से मेजर रैंक तक के कुछ अफसरों के बच्चों से यौन शोषण के 600 से ज्यादा वीडियो सामने आए हैं। बच्चों की उम्र 14 साल से कम बताई गई है। लगभग सौ से ज्यादा बच्चों का पांच साल से यौन शोषण किया जा रहा था। कुछ अफसरों को पाराचिनार कैंट से पेशावर कमांड हेडक्वार्टर बुला लिया गया है। कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हसन अजहर हयात ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी में आदेश देते हुए किसी भी अफसर के यौन शोषण में शामिल होने से इनकार किया है। सेना का दावा है कि तीन साल पहले भी अफसरों पर 13 साल के लड़के के यौन शोषण के आरोप लगे थे जो झूठे पाए गए थे। इस बीच, स्नद्बक्रके बाद पुलिस ने यौन शोषण केस में एक स्थानीय दुकानदार को गिरफ्तार किया है। गरीब बच्चों की सप्लाई, ब्लैकमेल करने के लिए वीडियो बनाए गए थे पुलिस ने दैनिक भास्कर को बताया कि इलाके का एक दुकानदार ताहिर कबादी सेना का करीबी था। वही गरीब बच्चों की सप्लाई करता था। बताया जाता है कि वह बच्चों को लालच देकर अफसरों के पास भेजता था।उसने ही बच्चों के यौन शोषण के वीडियो भी बनाए। इससे वह बच्चों के माता-पिता से पैसे भी ऐंठता था। साथ ही वीडियो के जरिए वह बच्चों को ब्लैकमेल करके बार-बार अफसरों के पास भेजता था। पुलिस ने उसके लैपटॉप से ये वीडियो बरामद किए हैं। खुर्रम के स्थानीय लोगों का आरोप है कि सेना के कुछ अफसरों पर पहले भी बच्चों के यौन शोषण के आरोप लगे थे, लेकिन पाक सेना के मेजर और कैप्टन रैंक के अफसरों ने पुलिस वालों पर दबाव डालकर आरोपियों को छुड़ा लिया था। पाकिस्तान में 2015 में बच्चों के यौन शोषण के वीडियो वायरल करने का बड़ा रैकेट सामने आया था। इसमें करीब 400 वीडियो थे। इन वीडियो को 50-50 रुपए में बेचा गया था। हालांकि, इस मामले में फौज के अफसर शामिल नहीं थे।

स्तन कैंसर कार्यकर्ता क्रिस हालेंगा का 38 साल की उम्र में निधन, आखिरी सांस तक लाखों महिलाओं को किया जागरूक

लंदन, एजेंसी। स्तन कैंसर जागरूकता चैरिटी कोप्पाफील की संस्थापक क्रिस हालेंगा का 38 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने इंग्लैंड के कॉर्नवाल में अपने घर पर आखिरी सांस ली। हालेंगा ने अपने जीवन के आखिरी समय तक लाखों महिलाओं को अपने स्तनों (स्तन कैंसर) की जांच करने के लिए प्रोत्साहित किया। दरअसल, स्तन कैंसर को लेकर जागरूकता फैलाने वाली क्रिस हालेंगा को 15 साल पहले टर्मिनल स्तन कैंसर का पता चला था। एक साल से ज्यादा समय तक अपने गार्जियन से दूर रहने के बाद हालेंगा का 23 साल की उम्र में ब्रेस्ट कैंसर का इजाल हुआ था। क्रिस हालेंगा के मित्र और लेखक फर्ने कॉटन ने उनके निधन पर कहा, जितना मैंने किसी को जीवित देखा है, वह उससे कहीं अधिक जिंदगी जीती थीं। बता दें कि कोप्पाफील मिशन युवाओं को स्तन कैंसर के बारे में शिक्षित करता है। संस्था की जागरूकता की वजह से कई युवाओं को दोबारा अपनी सामान्य जिंदगी जीने में मदद मिली। चैरिटी कोप्पाफील ने सोमवार को हालेंगा की मौत की पुष्टि करते हुए कहा, क्रिस ने जीवन को बेहद रचनात्मक, मजेदार और निडर तरीके से जिया और हमें दिखाया कि कैंसर के साथ भी जीवन को पूरी तरह से जीना संभव है।

भारत की जांच के नतीजों का हम इंतजार करेंगे..., पन्नू की हत्या की साजिश मामले में क बोला अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। खालिस्तानी आतंकवादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू एक बार फिर सुर्खियों में बने हुए है। अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट का दावा है कि एक भारतीय खुफिया अधिकारी की देखदेख में पन्नू की हत्या की साजिश रची गई थी। हालांकि, भारत ने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है। वहीं, इस पूरे विवाद में अमेरिका का बयान आया है। विदेश विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिका में पन्नून की हत्या की साजिश से संबंधित आरोपों पर भारतीय जांच के नतीजे देखने का इंतजार कर रहे है। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा, भारत सरकार ने मामले की जांच के लिए एक जांच समिति बिठाई है और वह काम जारी है। हम परिणाम देखने के लिए प्रतीक्षा करेंगे, लेकिन हम यह स्पष्ट कर रहे है कि इस मामले को हम गंभीरता से ले रहे हैं और हमें लगता है कि उन्हें (भारत) को भी इसे गंभीरता से लेना चाहिए। दरअसल, मिलर उन आरोपों पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि भारत सरकार के अधिकारी अमेरिकी नागरिक और अलगाववादी सिख नेता पन्नून की हत्या की साजिश में शामिल थे। मिलर ने कहा कि हम सोचते हैं कि भारत को इस मामले को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए और जांच करनी चाहिए। वाशिंगटन पोस्ट ने हाल ही में पिछले साल भारत पर पन्नून को मारने की कथित साजिश के संबंध में रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के एक अधिकारी का नाम सार्वजनिक रूप से लिया था। अमेरिकी दैनिक की रिपोर्ट की आलोचना करते हुए, भारत ने दावों को दृढ़ता से खारिज कर दिया और कहा कि रिपोर्ट में एक गंभीर मामले पर अनुचित और अप्रमाणित आरोप लगाए गए हैं और मामले की जांच चल रही है।

हमास सीजफायर को तैयार, राफा में इजराइल के हमले जार, कहा- प्रपोजल में वे शर्तें ही नहीं, जिन पर सहमति बनी थी

काहिरा , एजेंसी। इजराइल से जंग के 7 महीने बाद हमास ने मिस्र और कतर के सीजफायर के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। हमास ने सोमवार (6 मई) को इसे लेकर आधिकारिक बयान जारी किया। हालांकि, इजराइल ने कहा है कि हमास जिन शर्तों पर तैयार हुआ उसकी मंजूरी नहीं दी गई थी। इसके बाद इजराइल ने जंग के आखिरी फेज की शुरुआत करते हुए दक्षिणी गाजा के राफा पर हमले भी किए। न्यूज एजेंसी क्रके मुताबिक, इजराइल टैंक गाजा-मिस्र की सीमा से सिर्फ 200 मीटर की दूरी पर थे। इससे पहले हमास के लीडर इस्माइल हानिए ने कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी और मिस्र के खुफिया एजेंसी के प्रमुख अब्बास कामेल से फोन पर बात की। उन्होंने दोनों से कहा कि वो इजराइल के साथ युद्धविराम के लिए उनकी शर्तों को स्वीकार कर रहे हैं। हमास ने कहा, अब फैसला इजराइल के हाथ में है कि वो सीजफायर के लिए तैयार होता है या नहीं। अलजजीरा के मुताबिक, हमास ने जिस समझौते को स्वीकार किया है, उसमें तीन चरणों में युद्धविराम की बात कही गई है। हर चरण 42 दिनों तक चलेगा। पहले चरण में इजराइल गाजा पर हमले रोकेगा। नेटजारिम कॉरिडोर से इजराइली सेना की वापसी होगी। न्यूज एजेंसी क्रके मुताबिक, इजराइल टैंक गाजा-मिस्र की सीमा से सिर्फ 200 मीटर की दूरी पर थे। इसके अलावा इजराइली सेना गाजा रोज 10 घंटों के लिए गाजा की हेलिकॉप्टरों-ड्रोन्स से गाजा की निगरानी नहीं करेगी। दूसरी तरफ, हमास 33 इजराइली

बंधकों को रिहा करेगा। हर इजराइली बंधक की रिहाई के बदले इजराइल 30 फिलिस्तीनियों को अपनी जेल से आजाद करेगा। पहला फेज सफल होने के बाद इजराइल-हमास अगले फेज की शर्तों पर चर्चा करेंगे। इसमें बचे हुए इजराइली बंधकों की रिहाई पर फोकस रहेगा। साथ ही गाजा में मौजूद बचे हुए इजराइली सैनिक पीछे हटेंगे।

आखिरी फेज में गाजा में मारे गए इजराइली बंधकों के शव वापस लाए जाएंगे। गाजा को फिर से बसाने पर चर्चा होगी। इसको मिस्र, कतर और अमेरिका मॉनिटर करेंगे। अमेरिका बोला- राफा पर हमले का समर्थन नहीं करेंगे दूसरी तरफ अमेरिका ने कहा है कि वो फिलहाल प्रपोजल रिव्यू कर मिडिल ईस्ट में अपने सहयोगियों से इस पर चर्चा कर रहे हैं। अमेरिका की प्राथमिकता इजराइली बंधकों को रिहा करवाना है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, हम राफा पर इजराइल के हमलों का समर्थन नहीं करते हैं। इजराइल के हमलों के दौरान गाजा के ज्यादातर लोग राफा चले गए थे। ऐसे में वहां हमला होने पर मानवीय नुकसान ज्यादा होगा। हम फिलिस्तीनियों की सुरक्षा के लिए बनाए गए प्लान को रिव्यू किए बगैर राफा पर हमले का समर्थन नहीं करेंगे। अमेरिका ने पहली बार इजराइल को गोला-बारूद की सप्लाई रोकी राफा में सैन्य अभियान की घोषणा करके नेतन्याहू ने एक बार फिर अमेरिका को नाराज कर दिया है। यही कारण है कि 7 अक्टूबर के हमले के बाद पहली बार अमेरिका ने इजराइल भेजे जाने वाले गोला- बारूद की खेप रोक दी है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इस खेप में मिसाइल समेत जंग से जुड़ी कई सामान थे। इसस पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने नेतन्याहू से कहा था कि राफा में सैन्य अभियान से अमेरिका-इजराइल के संबंधों पर गलत असर पड़ेगा। समझौता करवाने में जुटे हैं मिस्र, कतर और अमेरिका मिस्र, कतर और अमेरिका साथ मिलकर हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम करवाने की कोशिश कर रहे हैं। तीनों देशों ने शुक्रवार 26 अप्रैल को प्रपोजल पर बातचीत करने के लिए एक हाई-लेवल डेलिगेशन इजराइल भेजा था। इससे पहले कतर और मिस्र की मध्यस्थता के बाद नवंबर में इजराइल-हमास के बीच पहली बार 4 दिन के लिए युद्धविराम हुआ था। इस दौरान हमास ने 112 बंधकों को रिहा किया था। वहीं इजराइल ने भी जेल में बंद 240 से ज्यादा फिलिस्तिनियों को छोड़ा था। इजराइल ने हमास को दिया था आखिरी मौका 6 महीने की जंग में इजराइल ने राफा छोड़कर पूरे गाजा पर कब्जा कर लिया है। राफा पर हमले से पहले इजराइल ने हमास को समझौते का आखिरी मौका दिया था। इजराइल ने कहा था कि अगर हमास समझौता स्वीकार नहीं करता है, इजराइल राफा पर बड़ा हमला करेगा। इसी कारण मिस्र का डेलिगेशन दोनों पक्षों में समझौते करवाने को कोशिश कर रहा है। पिछले दिनों रिपोर्ट आई थी कि मिस्र बंधकों को छोड़ने के लिए हमास पर दबाव बनाने की तैयारी कर रहा है। दरअसल राफा मिस्र की बॉर्डर के पास है। इसलिए उसे डर है कि अगर इजराइली सेना राफा पर हमला करेगी, तो बड़ी संख्या में शरणार्थी मिस्र में घुसने की कोशिश करेंगे। इसी से बचने के लिए इजिप्ट का एक डेलिगेशन इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते करवाने की कोशिश में जुटा है। इस समय 10 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनियों ने राफा शहर में पनाह ली हुई है।

हमास ने 5 साल के युद्धविराम की इच्छा जाहिर की थी कुछ दिन पहले हमास के एक सीनियर अधिकारी ने 5 साल के युद्धविराम की इच्छा जाहिर की थी। खलील अल-हैय्या ने कहा था कि अगर फिलिस्तीन एक अलग और आजाद देश बनता है तो हम हथियार डाल देंगे और एक साधारण राजनीतिक पार्टी के तौर पर काम करेंगे। हालांकि, 7 अक्टूबर के हमले के बाद हमास का खात्मा करने की कसम खा चुका इजराइल इस समझौते के लिए सहमत नहीं है। अल-हैय्या का कहना था कि अगर फिलिस्तीन को 1967 की जंग से पहले के इलाके दिए जाते हैं तो वो इजराइल के खिलाफ युद्ध नहीं लड़ेगा।

अमरीका में महिला की 10 सप्ताह में दूसरी बार लगी 1 मिलियन डॉलर की लॉटरी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमरीका के मैसाचुसेट्स राज्य में क्रिस्टीन विल्सन नाम की महिला की 10 सप्ताह के भीतर दूसरी बार 1 मिलियन डॉलर का लॉटरी की लगी है। उसने दोनों बार एकमुश्त भुगतान का विकल्प चुना है। क्रिस्टीन विल्सन को अचानक यह लाभ 100एक्स कैश 10 डॉलर के तत्काल टिकट गेम से मिला है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विल्सन ने अपनी पिछली जीत में से कुछ राशि का उपयोग एक एसयूवी कार खरीदने के लिए किया था। इस बार वह अपना पुरस्कार बचत में लगाने की योजना बना रही है। विल्सन ने अपना नवीनतम विजेता टिकट मैन्सफील्ड में फैमिली फूड मार्ट से खरीदा था। मार्ट को भी बिक्री करने के लिए मैसाचुसेट्स स्टेट लॉटरी से 10,000 डॉलर का बोनस प्राप्त होगा। विल्सन का पहला 1 मिलियन डॉलर का पुरस्कार मैन्सफील्ड में ही डब्स डिस्काउंट लिकर से था। पहले भी दो बार लगी है लोगों की लॉटरी रिपोर्ट में कहा गया है कि विल्सन की लगातार जीत लॉटरी इतिहास में पहली बार नहीं है। मैसाचुसेट्स निवासी केविन मिलर और केनेथ जे. स्टोक्स ने भी दो बार इसी तरह का जैकपॉट हासिल किया था। यू.के. के एक जोड़े डेविड और कैथलीन लॉन्ग ने जुलाई 2013 में1.25 मिलियन डॉलर जीते थे। उन्होंने मार्च 2015 में एक और 1.25 मिलियन डॉलर जीत कर और एक जगुआर कार खरीदी थी। हालांकि रिपोर्ट में यह भी जिक्र किया गया है कि कुछ विजेता कर्ज़ में डूब गए हैं या जेल भी भेजे गए हैं।

बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के निरीक्षण में हुई बड़ी लापरवाही, रिकॉर्ड में हेराफेरी की संभावना की जांच करेगा अमेरिका

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिकी एयरलाइन बोइंग 787 ड्रीमलाइनर इस समय विवादों में घिरी हुई है। एयरलाइन के कुछ कर्मचारियों ने दावा किया था कि बोइंग 787 ड्रीमलाइनर का परीक्षण पूरा हो गया है। हालांकि, इस दावे की जांच करने के लिए ही संघीय उड्डयन प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। स्न इस बात की जांच करेगा कि क्या बोइंग ने पर्याप्त बॉन्डिंग और ग्राउंडिंग की पुष्टि के लिए निरीक्षण पूरा कर लिया है या नहीं। इसके अलावा इस बात का भी पता लगाएगी की क्या कंपनी के कर्मचारियों ने विमान के रिकॉर्ड में हेराफेरी की होगी दरअसल, एफएए ने यह जांच तब शुरू की जब बोइंग ने सूचित किया कि कंपनी ने आवश्यक निरीक्षण पूरा नहीं किया है। जबकि कंपनी के कर्मचारियों ने दावा किया था कि बोइंग का परीक्षण पूरा हो चुका है। एफएए इस बात की जांच कर रही है कि क्या बोइंग ने निरीक्षण पूरा कर लिया है और क्या कंपनी के कर्मचारियों ने विमान के रिकॉर्ड में हेराफेरी की होगी। बोइंग 787 कार्यक्रम के प्रमुख स्कॉट स्टॉकर ने कर्मचारियों को एक ईमेल में कहा कि, हमने तुरंत मामले की समीक्षा की और पता चला कि कई लोग आवश्यक परीक्षण न करके, बल्कि कार्य को पूरा होने के रूप में दर्ज करके कंपनी की नीतियों का उल्लंघन कर रहे थे।

मालदीव में 40त भारतीय टूरिस्ट घटे, पर्यटन मंत्री ने भारतीयों से आने की अपील की, कहा- हमारी इकोनॉमी टूरिज्म बेस्ड

माले, एजेंसी। मालदीव और भारत के बीच जारी गतिरोध का असर वहां के टूरिज्म पर पड़ा था। जनवरी से अप्रैल तक मालदीव पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में 40 फीसदी गिरावट आई है। मालदीव की मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म ने बताया कि जनवरी से अप्रैल तक भारत से 43,991 टूरिस्ट आए। 2023 में इस दरम्यान यह संख्या 73,785 थी। सोमवार (6 मई) को मालदीव के पर्यटन मंत्री इब्राहिम फैसल ने भारतीयों से उनके देश आने की अपील की। उन्होंने कहा- हमारी इकोनॉमी टूरिज्म पर ही निर्भर है। पर्यटन मंत्री बोले- मालदीव हमेशा भारत से दोस्ती करना चाहता है पर्यटन मंत्री ने कहा कि मालदीव हमेशा भारत से दोस्ती करना चाहता है। हमारी सरकार भारतीयों के स्वागत के लिए हमेशा तैयार है। मालदीव में सबसे ज्यादा टूरिस्ट भारत से आते थे। अब यह संख्या छठे स्थान पर पहुंच गई है। इससे पहले मालदीव ने कहा था कि वो भारतीय टूरिस्ट को लुभाने के लिए भारत के कई शहरों में रोड शो

कराएगा। हालांकि, रोड शो किन शहरों में और कब कराए जाएंगे, इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। मालदीव एसोसिएशन ऑफ टूर एंड ट्रैवल ऑपरेटर्स ने कहा था कि भारत के हाई कमिश्नर मुनु महावर से दोनों देशों के बीच यात्रा और पर्यटन सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की गई। दरअसल, जनवरी 2024 के बाद से मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या बहुत कम हुई है। इसकी वजह वहां के नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हुई आपत्तिजनक टिप्पणी है। 7 जनवरी के बाद भारत-मालदीव के बीच तनाव बढ़ा 7 जनवरी को भारत में हैशटैग ट्रेंड हुआ। पीएम मोदी ने लक्षद्वीप दौरे का एक वीडियो शेयर किया था। इसमें खूबसूरती के लिहाज से लक्षद्वीप अब मालदीव को टक्कर देता नजर आया। इसके बाद सोशल मीडिया पर लोग कहने लगे कि लाखों रुपए खर्च कर मालदीव जाने से बेहतर है कि लक्षद्वीप जाएं। इससे मालदीव के मंत्री और नेता नाराज नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट में मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। साथ ही कहा कि भारत सर्विस के मामले में मालदीव का मुकाबला नहीं कर सकता। इसके बाद मालदीव में मौजूद भारतीय सेना को 10 मई से पहले देश छोड़ने को कहा गया था। तब 11 मार्च को 25 भारतीय सैनिकों के पहले समूह ने मालदीव छोड़ दिया था। फिर 9 अप्रैल को भारतीय सैनिकों को दूसरा समूह ने भी मालदीव छोड़ दिया था। फरवरी में नई दिल्ली में हुए मालदीव और भारत के बीच समझौते में ये तय हुआ था कि सैन्य विमानों के संचालन की देखरेख के लिए मालदीव में मौजूद भारतीय सैनिकों की जगह भारत की टेक्निकल स्टाफ टीम लेगी। इसके बाद 29 मई को 26 टेक्निकल स्टाफ का पहला बैच मालदीव पहुंच गया था।

बोइंग का स्टारलाइनर मिशन टला, इससे भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स स्पेस स्टेशन जाने वाली थीं, ऑक्सीजन रिलीफ वॉल्व में आई खराबी

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय मूल की एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन ले जाने वाला बोइंग का स्टारलाइनर मिशन टल गया है। इसे क्रके एटलस वी रॉकेट से आज सुबह 8:04 बजे फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लॉन्च किया जाना था। रॉकेट के ऑक्सीजन रिलीफ वॉल्व में आई समस्या के कारण इस मिशन को टाला गया है। मिशन टलने के बाद एस्ट्रोनॉट क्रू क्वार्टर में लौट गए हैं। अब अगला लॉन्च कब होगा इसकी फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है। इस मिशन के सफल होने पर इतिहास में पहली बार अमेरिका के पास एस्ट्रोनॉट को स्पेस में भेजने के लिए 2 स्पेसक्राफ्ट हो जाएंगे। अभी अमेरिका के पास इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट ही है। एटलस वी रॉकेट लॉन्च होगा। 15 मिनट बाद ये स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट को रिलीज कर देगा। स्पेसक्राफ्ट के इंजन फायर होंगे और ये स्पेस स्टेशन की लगभग 24 घंटे की यात्रा के लिए कक्षा में स्थापित हो जाएगा।

स्टारलाइनर हार्मनी मॉड्यूल के आगे वाले पोर्ट पर डॉक करेगा। अपने स्टे के दौरान क्रू स्टारलाइनर के अंदर जाएगा, हैच बंद करेगा और दिखाएगा कि भविष्य में मलबे के

साथ टकराव के रिस्क जैसी स्थिति में स्पेसक्राफ्ट सुरक्षित आश्रय के रूप में काम कर सकता है। विल्मोर और विलियम्स पृथ्वी पर लौटने से पहले लगभग एक हफ्ते तक एक्सपेडिशन 71 क्रू के साथ रहेंगे और काम करेंगे। अनडॉकिंग के बाद, स्टारलाइनर के मैनुअल पायलटिंग का आकलन होगा। चालक दल अनडॉकिंग से लेकर लैंडिंग तक लगभग छह घंटे बिताएगा। पृथ्वी के वायुमंडल में रीएंट्री के दौरान, स्पेसक्राफ्ट 28,000 किमी/घंटे की गति से धीमा होना शुरू हो जाएगा। इस दौरान क्रू 3.5 द्द तक भार महसूस कर सकता है। रीएंट्री के बाद पैराशूट सिस्टम की सुरक्षा के लिए स्पेसक्राफ्ट की आगे लगी हीट शील्ड को हटा दिया जाएगा। दो ड्रैग और तीन मुख्य पैराशूट स्टारलाइनर की गति को और धीमा कर देंगे। बेस हीट शील्ड डुअल एयरबैग सिस्टम को एक्सपोज करते हुए डिप्लॉय हो जाएगी। 6 प्राइमरी एयरबैग कैप्सूल के बेस पर डिप्लॉय होंगे। ये लैंडिंग के दौरान कुशन की तरह काम करेंगी। लैंडिंग के दौरान स्पेसक्राफ्ट की गति करीब 6 किलोमीटर प्रति घंटे की होगी। संभावित लैंडिंग स्थानों में एरिजोना का विलकॉक्स और यूटा का डगवे प्रोविंग ग्राउंड शामिल है। कैलिफोर्निया में एडवर्ड्स एयर फोर्स बेस एक इमरजेंसी लैंडिंग साइट के रूप में उपलब्ध है। टचडाउन के बाद, चालक दल पैराशूट हटाएगा, स्पेसक्राफ्ट की बिजली बंद करेगा और मिशन कंट्रोल लैंडिंग और रिकवरी टीमों से सैटेलाइट फोन कॉल के जरिए संपर्क करेगा। रिकवरी टीम स्टारलाइनर के चारों ओर एक टेंट लगाएगी और स्पेसक्राफ्ट में ठंडी हवा पंप करेगी। स्टारलाइनर का हैच खुलने और, लैंडिंग के एक घंटे से भी कम समय बीतने के बाद, दोनों एस्ट्रोनॉट्स हेल्थ चेक के लिए मेडिकल व्हीकल में जाएंगे।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बनेंगे बिलावल भुट्टो

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टा जरदारी एक बार फिर पाकिस्तान की कैबिनेट में लौटने के लिए बेकरार हैं। खबर है कि बिलावल एक बार फिर विदेश मंत्री बन सकते हैं। पाकिस्तान की सत्ताधारी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज और पीपीपी के बीच सत्ता में साझेदारी को लेकर सहमति बन गई है। पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद सरकार गठन के समय बिलावल भुट्टो ने कहा था कि उनकी पार्टी पीएमएल-एन के नेतृत्व वाली सरकार को समर्थन देगी लेकिन वो कैबिनेट का हिस्सा नहीं बनेगी। लेकिन दो महीने के भीतर ही बिलावल खुद को पॉवर सेंटर से दूर रख पाना मुश्किल हो गया। उन्होंने अब कैबिनेट में शामिल होने पर सहमति जता दी है।

पाकिस्तानी न्यूज पोर्टल ट्रिब्यून की रिपोर्ट ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि बिलावल भुट्टो जरदारी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की कैबिनेट में विदेश मंत्री के तौर पर शामिल हो सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि हाल ही में हुई बातचीत के दौरान पार्टी के दिग्गजों के बीच इस बात पर सहमति बनी है। दोनों पक्ष अब पीपीपी के औपचारिक रूप से कैबिनेट में शामिल होने पर काम कर रहे हैं। पाकिस्तान में जून के पहले सप्ताह में बजट पेश होना है। सूत्रों ने बताया कि शहबाज शरीफ चाहते हैं कि पीपीपी बजट से पहले कैबिनेट में शामिल हो। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि पीपीपी बजट से पहले शामिल होगी या बाद में, लेकिन एक बात तय है कि पीपीपी जून में

कैबिनेट का हिस्सा होगी। हाल ही में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विदेश मंत्री इशाक डार को पाकिस्तान का उपप्रधानमंत्री नियुक्त किया था। कहा जा रहा है कि इशाक डार को इसीलिए उप प्रधानमंत्री बनाया गया ताकि विदेश मंत्री के पद पर बिलावल के लिए जगह बनाई जा सके। डार का ऑफिस अब प्रधानमंत्री कार्यालय में बनाया जा रहा है और बिलावल के लिए विदेश कार्यालय खाली करने के बाद वहीं से काम करेंगे। बिलावल भुट्टो जरदारी चुनाव से पहले पाकिस्तान की पीएमएल-एन और पीपीपी सरकार में विदेश मंत्री का पद संभाल चुके हैं। मई 2023 में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेने के लिए बिलावल गोवा पहुंचे थे, जो किसी पाकिस्तानी विदेश मंत्री का 12 साल बाद भारत दौरा था।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा वैश्विक मंदी का असर

न्यूयार्क, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी अमरीकी अर्थव्यवस्था पर वैश्विक मंदी का असर दिखने लगा है। हालात ऐसे हो चले हैं कि नौकरी बाजार में कदम रखने से पहले अब भारतीयों को इंटर्नशिप करने के प्रस्ताव भी नहीं मिल पा रहे हैं। मामले से जुड़े जानकारों का कहना है कि आइवी लीग विश्वविद्यालयों के छात्रों को भी इंटर्नशिप प्रस्ताव पाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बता दें कि आइवी लीग संयुक्त राज्य अमरीका में आठ प्रतिष्ठित निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का एक समूह है, जो अपनी अकादमिक उत्कृष्टता, समृद्ध इतिहास और चयनात्मक प्रवेश प्रक्रिया के लिए जाना जाता है। इस समूह में ब्राउन यूनिवर्सिटी, कोलंबिया यूनिवर्सिटी, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, डार्टमाउथ कॉलेज, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी और येल यूनिवर्सिटी शामिल हैं।

चुनावी वर्ष में स्थानीय छात्रों को ज्यादा रोजगार : अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के चलते इंटर्नशिप ऑफर नौकरी का अनुभव हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। अमरीका में कई छात्रों, शिक्षा सलाहकारों और भारतीय-अमरीकी पेशेवरों का कहना है कि वैश्विक आर्थिक मंदी ने प्रवेश स्तर की नौकरी के अवसरों को बुरी तरह प्रभावित किया है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अमरीका में चुनावी वर्ष

में कई कंपनियां स्थानीय छात्रों को नौकरी पर रखने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दे रही हैं। जिसके चलते बढ़ती हुई महंगाई, जीवन यापन की बढ़ती लागत और स्थानीय लोगों की बेरोजगारी ने इस साल अमरीका में स्नातक होने वाले भारतीय छात्रों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। 400 छात्रों को नहीं मिला इंटर्नशिप शिक्षा परामर्श कंपनी कॉलेजिफाई के सह-संस्थापक आदर्श खंडेलवाल के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि आइवी लीग स्कूलों सहित पूर्वी तट और पश्चिमी तट में अंतिम वर्ष में लगभग 400 स्नातक ऐसे छात्र थे, जिन्हें इस गर्मी में कोई इंटर्नशिप ऑफर नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि एनवाईयू स्टर्न, यू.सी. बर्कले, ब्राउन यूनिवर्सिटी, पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी और ऑस्टिन में टेक्सास यूनिवर्सिटी जैसे शीर्ष अमरीकी कॉलेजों में भी भारतीय संघर्ष कर रहे हैं। इनमें से बहुत से बच्चे भारत में दाखिला पाने के लिए मदद मांगने के लिए हमारे पास पहुंचे हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान में पढ़ाई कर रहे 22 वर्षीय अंतिम वर्ष के स्नातक छात्र का उदाहरण देते हुए खंडेलवाल ने कहा कि उसने पिछले छह महीनों में कई कंपनियों में आवेदन किया है, लेकिन अभी तक उसे ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप नहीं मिली है। इस वर्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एस.टी.ई.एम.) के छात्र भी कठिन हालात से गुजर रहे हैं। कोविड महामारी से पहले ऐसे छात्रों की नौकरी बाजार में काफी ज्यादा मांग थी, हालांकि अब प्रौद्योगिकी, परामर्श और नए जमाने की कंपनियां कर्मचारियों की छंटनी कर रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह हालात ऐसे समय में पैदा हुए हैं जब अमरीकी कॉलेज भारतीयों सहित विदेशी छात्रों को लुभाने में लगे हुए हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अमरीका में पढ़ाई के लिए जाने वाले छात्रों की संख्या अन्य देशों के मुकाबले बहुत ज्यादा है।

संक्षिप्त समाचार

डीयू के मास्टर्स कोर्सों में दाखिले के लिए 25 तक आवेदन करें

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) इस साल 80 से अधिक मास्टर्स विषयों में दाखिला देने जा रहा है। दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 25 मई है। डीयू की ओर से सोमवार को आयोजित वेबिनार में डीयू की डीन एडमिशन प्रो.हनीत गांधी ने छात्रों से जानकारी साझा की। डीयू के यूट्यूब चैनल पर इस बारे में छात्रों ने सवाल भी किए। प्रो.हनीत गांधी ने बताया कि मास्टर्स के लिए छात्र अधिक से अधिक कोर्स और कॉलेज को प्राथमिकता दें। ज्ञात हो कि डीयू नॉर्थ और साउथ कैंपस के अलावा कुछ कॉलेजों में और ग्वायर हॉल में पीजी की डिग्री की पढ़ाई होती है। वेबिनार में बताया गया कि सीयूईटी देने के दौरान जिन अभ्यर्थियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय का विकल्प नहीं भरा है, वह भी डीयू की ओर से पीजी दाखिला प्रक्रिया के दूसरे चरण सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सीएसएएस) में रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं, लेकिन बिना सीयूईटी के पीजी में दाखिला नहीं हो सकता है। प्रो. गांधी ने स्पष्ट किया है कि छात्र सीयूईटी फार्म में जो जानकारियां भरी थी उसे ही वह सीएसएएस फार्म में भरें। गलत फार्म भरने पर वह मान्य नहीं होगा। नियमित कॉलेजों के साथ एनसीवेब की छात्राओं को दिल्ली का निवास प्रमाणपत्र देना होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को जामिया मिलिया इस्लामिया से कहा कि वह अपनी आवासीय कोचिंग में ओबीसी (गैर-क्रीमी लेयर) श्रेणी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों को प्रवेश देने की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर प्रतिनिधित्व के रूप में निर्णय लें। याचिकाकर्ता ने कहा कि आरसीए, जो कि सिविल सेवा के उम्मीदवारों के लिए एक मुफ्त कोचिंग कार्यक्रम है, केवल महिलाओं और अल्पसंख्यक या एससी, एसटी समुदायों को इसका लाभ दे रहे हैं। वहीं, मनमाने ढंग से अन्य वंचित श्रेणियों को इससे बाहर कर दिया गया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन एवं मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता कानून के छात्र सत्यम सिंह ने बिना किसी पूर्व प्रतिनिधित्व के सीधे अदालत का दरवाजा खटखटाया। इस पर पीठ ने विश्वविद्यालय से जनहित याचिका में उठाए गए मुद्दे को एक प्रतिनिधित्व के रूप में मानते हुए निर्णय लेने के लिए कहा। बेंच ने कहा कि जेएमआई को इसे एक प्रतिनिधित्व के रूप में मानने और कानून के अनुसार चार सप्ताह में निर्णय लेने के निर्देश के साथ वर्तमान रिट याचिका का निपटारा किया जा रहा है।

बैड कैरेक्टर घोषित किए जाने वाले मामले में अमानतुल्लाह खान को राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस द्वारा बैड कैरेक्टर घोषित किए गए आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। दरअसल दिल्ली पुलिस ने अमानतुल्लाह खान की हिस्ट्री शीट को देखते हुए उन्हें बैड कैरेक्टर घोषित किया था। जिसके खिलाफ अमानतुल्लाह खान ने शीर्ष अदालत का रूख किया था। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिस्ट्री शीट सिर्फ पुलिस के अंदरुनी डॉक्यूमेंट हैं और इसे पब्लिक डोमेन में नहीं लाया जाना चाहिए। अमानतुल्लाह खान ने अपनी याचिका में कहा था कि उनके खिलाफ बनाई गई हिस्ट्री शीट में उनके नाबालिग बेटों क पहचान उजागर की गई है। अदालत में जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जेव विश्वनाथन की खंडपीठ ने कहा, हिस्ट्री शीट पुलिस का आंतरिक दस्तावेज है और उसे सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। हम अथॉरिटी को यह सलाह देते हैं कि वो अपनी नीति में बदलाव लाएं और यह इस केस में भी लागू होगा। हम पुलिस कमिश्नर को भी सलाह देते हैं कि वो एक संयुक्त आयुक्त रैंक के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को नियुक्त करें जो इस विषय पर देखेंगे। वो हिस्ट्री शीट, उसकी सामग्री को देखेंगे ताकि इसकी गोपनीयता बनाई रखी जा सके। इसके अलावा ऐसे व्यक्ति/नाबालिग जो जांच के बाद निर्दोष पाए जाते हैं उनके नाम इस शीट से हटाए जाएं।

1500 खरीदारों को नहीं दिया घर, बहन की आलीशान शादी में उड़ा दिए करोड़ों

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने माहिरा होम्स समूह के प्रबंध निदेशक सिकंदर सिंह छोकर की पांच दिन की रिमांड पूरी होने के बाद सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुभास मेहला की अदालत में पेश किया। अदालत ने उनकी रिमांड तीन दिन और बढ़ा दी। सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि आरोपी जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। ईडी ने छोकर की नौ दिन की और रिमांड मांगी। ईडी ने कोर्ट को अवगत करवाया कि सेक्टर-68 स्थित माहिरा होम्स के करीब 1500 खरीदारों से वसूली गई करोड़ों की राशि का दुरुपयोग हुआ है। राशि से दिल्ली, गुरुग्राम और उत्तराखंड में बेनामी संपत्ति, लग्जरी कार, गहने अर्जित किए गए हैं। करोड़ों रुपये खातों से नकद निकाले गए हैं। कोर्ट को यह भी बताया कि बहन की आलीशान शादी भी इस राशि से की। ईडी अब तक छोकर, सिकंदर सिंह और विकास के नाम पर 36.5 करोड़ की संपत्ति को इस मुकदमे के साथ जोड़ चुकी है। ईडी ने कोर्ट को बताया कि पांच दिन के रिमांड के दौरान चार लोगों को सामने बैठाकर पूछताछ की गई थी। अब रिमांड के दौरान सात और लोगों से भी पूछताछ करनी है। जबकि प्रबंध निदेशक के वकील ने ईडी के रिमांड मांगने का विरोध किया और उन्होंने कहा कि उन पर लगाए गए आरोप गलत है। कोर्ट ने तमाम साक्ष्यों को देखते हुए ईडी को तीन दिन रिमांड की अवधि और बढ़ा दी। रिमांड के दौरान कोर्ट ने ईडी को निर्देश दिए कि आरोपी को मेडिकल करवाना होगा। इसके अलावा रोजाना दोपहर को दो से तीन बजे के बीच उनके वकील उनसे मिल सकते हैं।

दिल्ली की कोर्ट से सिसोदिया को फिर लगा झटका, नहीं मिली राहत; 15 मई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को राहत नहीं मिली है। कोर्ट ने दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई केस में आप नेता की न्यायिक हिरासत 15 मई तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने मामले में आरोप तय करने पर आगे की बहस के लिए 15 मई की तारीख भी तय की है। इससे पहले कोर्ट ने 30 अप्रैल को सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। तब उन्होंने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। सिसोदिया एक साल से ज्यादा समय से जेल में बंद है। 28 अप्रैल को ट्रायल कोर्ट ने ईडी केस में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

ट्रायल कोर्ट ने आप नेता की याचिका ऐसे समय पर खारिज की है जब हाईकोर्ट ने सिसोदिया की जमानत याचिका के संबंध में जवाब देने के लिए हाल ही में सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया है। जस्टिस स्वर्णा कांति शर्मा की पीठ ने सीबीआई के साथ ही ईडी से भी जवाब मांगा है और मामले की सुनवाई 8 मई के लिए निर्धारित की है। कोर्ट ने हफ्ते में एक बार सिसोदिया को अपनी पत्नी से मिलने की भी अनुमति दी। हालांकि, यह निर्देश भी दिया कि हिरासत पैरोल की अनुमति वाला ट्रायल कोर्ट का आदेश जारी रहेगा। सिसोदिया ने राउज एवेन्यू कोर्ट के 30 अप्रैल, 2024 के आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट का दरवाजा

खटखटाया है। जिसने दो मामलों में उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह उन्हें जमानत देने का सही चरण (स्टेज) नहीं है। कोर्ट ने सिसोदिया की उस दलील को भी खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि मामले की कार्यवाही काफी धीमी गति से आगे बढ़ रही है। अदालत ने कहा कि वह इस स्टेज पर उन्हें नियमित या अंतरिम जमानत नहीं दे सकती।

कथित शराब घोटाले की वजह से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सामने एक और मुसीबत खड़ी हो गई है। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक के खिलाफ एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) जांच की सिफारिश कर दी है। यह केंद्रीय एजेंसी आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच करती है। एलजी को शिकायत मिली थी कि आम आदमी पार्टी और इसके मुखिया ने खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) से फंडिंग ली। एक अप्रैल को आशू मोंगिया नाम के एक शख्स ने एलजी वीके सक्सेना को लेटर लिखकर जांच की मांग की थी। मोंगिया खुद को वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन का महासचिव बताते हैं। कभी आम आदमी पार्टी के सदस्य रहे मुनीष रायजादा ने भी एलजी से जांच की मांग की थी। अब राजभवन ने गृहमंत्रालय को लेटर लिखकर जांच की सिफारिश कर दी है। मोंगिया का कहना है कि उन्होंने वॉट्सऐप पर एसएफजे के गुरपतवंत सिंह पन्नू का वीडियो देखा था जिसमें उसने दावा किया था कि केजरीवाल ने आतंकी भुल्लर को छोड़ने का वादा करते हुए 16 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की थी। 21 मार्च को केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पन्नू ने एक वीडियो जारी किया था। खालिस्तानी आतंकी ने इससे पहले भी इसी तरह के आरोप लगाए थे। मोंगिया का कहना है कि वॉट्सऐप पर वीडियो देखने के बाद उन्होंने शिकायत करने का फैसला लिया। आम आदमी पार्टी का कहना है कि मोंगिया भाजपा नेता हैं। हालांकि, खुद मोंगिया इससे इनकार करते हुए खुद को हिंदू संगठन का नेता बताते हैं।

राजभवन की ओर से गृहमंत्रालय को भेजे गए लेटर में आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता मुनीश रायजादा का भी जिक्र किया गया है। अमेरिका के शिकागो में डॉक्टर रायजादा 2015 तक आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी थे। संगठन की गतिविधियों को लेकर एक वेबसाइट बनाने की वजह से पार्टी से उन्हें निकाल दिया गया था। पन्नू के वीडियो के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट करके उन्होंने केजरीवाल पर कई आरोप लगाए थे। एलजी को केजरीवाल के खिलाफ शिकायत के साथ एक पेन ड्राइव भी सौंपा गया है, जिसे अब जांच के लिए गृहमंत्रालय को भेजा गया है।

दरअसल, पन्नू ने एक वीडियो जारी करके दावा किया था कि आम आदमी पार्टी ने 2014 से 2022 के बीच उससे 16 मिलियन यूएस डॉलर (करीब 134 करोड़) रुपए हासिल किए थे। पन्नू ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने आतंकी देवेंद्र पाल सिंह भुल्लर को जेल से रिहा करने का भरोसा दिया था, जिसे पूरा नहीं किया गया। वहीं, आम आदमी पार्टी ने एलजी की ओर से की गई जांच की सिफारिश को केजरीवाल के खिलाफ नई साजिश करार दिया है। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सोमवार को कहा कि भाजपा दिल्ली में सभी सात सीटों पर हार रही है।

टिकट कटने का दुख लेकिन....मान गए कांग्रेस के पूर्व मंत्री कैप्टन अजय यादव? राज बब्बर को क्या दिया भरोसा

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार राज बब्बर सोमवार को कांग्रेस के पूर्व मंत्री कैप्टन अजय सिंह यादव को मनाने के लिए उनके कार्यालय पहुंचे। इस दौरान सैंकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। दावा है कि नाराज कैप्टन अजय यादव को मना लिया गया है और अब वह कांग्रेस के लिए प्रचार करते नजर आएंगे। राज बब्बर ने कैप्टन अजय सिंह यादव के कार्यकर्ताओं को भी संबोधित किया। हरियाणा की सबसे बड़ी लोकसभा सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर तमाम कांग्रेसियों को एक जुट करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में सोमवार को कैप्टन अजय यादव के कार्यकर्ता सम्मेलन कार्यक्रम में राज बब्बर पहुंचे। उन्होंने नाराज कैप्टन अजय यादव को मना लिया तो वहीं कप्तान अजय यादव को अपना समधी भी बताया। इस दौरान राज बब्बर ने जहां कार्यकर्ताओं को संबोधित किया तो वहीं कैप्टन अजय सिंह यादव की तमाम नाराजगी को दूर किया। राज बब्बर ने कहा कि गुरुग्राम लोकसभा सीट से राज बब्बर नहीं बल्कि कैप्टन अजय सिंह यादव चुनाव लड़ रहे हैं और वह बड़े भाई के साथ-साथ समधि भी हैं। इस दौरान राज बब्बर ने राव इंद्रजीत सिंह पर निशाना साधा। राज बब्बर को भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कैप्टन अजय सिंह यादव ने आश्वासन और भरोसा दिलाया कि वह उनके साथ है। कैप्टन अजय सिंह यादव ने कहा कि उन्हें अपने टिकट कटने का उन्हें दुख जरूर है, लेकिन अब आने वाले वक्त में कांग्रेस के लिए प्रचार करते हुए नजर आएंगे। एक बार फिर भाजपा और राव इंद्रजीत सिंह पर जमकर कैप्टन अजय सिंह यादव बरसते हुए नजर आए। एक तरफ बीजेपी और दूसरी तरफ तमाम राजनीतिक पार्टियां लगातार चुनाव प्रचार में जुटी हुई है। कांग्रेसी उम्मीदवार के लिए सबसे बड़ी चुनौती रूठे हुए नेताओं को मानना है।

नोएडा यूनिवर्सिटी की पानी की टंकी में मिली महिला की लाश, पति और सास की तलाश में जुटी पुलिस

नईदिल्ली, एजेंसी। नोएडा के गौतम बुद्ध नगर यूनिवर्सिटी में मौजूद पानी की टंकी में महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। यह शव स्टाफ क्वार्टर की बिल्डिंग की पानी की टंकी में मिला है। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। शुरुआती जांच के मुताबिक महिला उसी बिल्डिंग में अपने पति और सास के साथ रहची थी। पुलिस को शक है कि इन्हीं दोनों ने महिला की हत्या की है और फिर यहां से फरार हो गए। महिला का पति पास में जिम्स अस्पताल में काम करता था। आसपास रहने वाले लोगों ने पुलिस को बताया कि पति पत्नी के बीच अक्सर किसी बात को लेकर झगड़ा होता था। रविवार रात को भी एक झगड़ा हुआ था। पुलिस को शक है कि इस झगड़े के दौरान पति ने महिला की हत्या की वारदात को अंजाम दिया होगा। पुलिस फिलहाल महिला के पति और सास की तलाश में जुटी हुई है। महिला के रिश्तेदारों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। बता दें, पानी की टंकी में शव मिलने के बाद थाना ईकोटेक 1 की टीम के साथ एसीपी, लॉ एंड ऑर्डर डीसीपी और एडिशनल डीसीपी मौके पर पहुंचे थे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर जांच शुरू की थी।

6 दिन भी पुलिस को नहीं मिला सुराग, किडनैपर्स ने दूसरे दिन ही कारोबारी के बेटे को मार डाला था; पीएम रिपोर्ट से खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में शिवा ढाबे के कारोबारी कृष्ण शर्मा के बेटे कुणाल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से बड़ा खुलासा हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक कुणाल की हत्या अपहरण से दूसरे दिन यानी कि करीब 24 घंटे बाद की गई थी। इससे साफ जाहिर होता है कि अपहरणकर्ताओं ने एक दिन कुणाल को अपने चंगुल में रखा। इस मामले में पुलिस की लापरवाही उजागर हुई है। यदि पुलिस समय रहते कार्रवाई करती तो बच्चे की जान बचाई जा सकती थी। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के म्याना गांव के रहने वाले कृष्ण शर्मा के बेटे कुणाल का एक मई की दोपहर करीब 2.17 बजे शिवा ढाबे से अपहरण किया गया था। इस घटना के करीब दो घंटे बाद कृष्ण शर्मा ने पुलिस को बेटे के अपहरण की सूचना दी, लेकिन पुलिस ने शुरुआत में घटना को हल्के में लिया। पुलिस ने सीसीटीवी में कुणाल को ले जाते हुए भी देखा, लेकिन पुलिस का बयान आया था कि कुणाल अपनी मर्जी से

कार में बैठता दिखाई दिया है। पुलिस को नहीं लग रहा था कि उसका अपहरण हुआ है। इसकी वजह से पुलिस मामले में लापरवाही बरतती रही। जब घटना के पांचवें दिन कुणाल का शव बुलंदशहर की नहर में मिला तो पुलिस की नींद खुली। इसके बाद पुलिस ने भाग दौड़ शुरू की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। बुलंदशहर में कुणाल के शव का पोस्टमार्टम हुआ। बुलंदशहर पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की वजह सिर और कंधे में चोट लगना आया है। हत्या के बाद शव को नहर में फेंका गया था। रविवार को हुए पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि कुणाल की मौत दो से तीन दिन पहले हुई थी। इसका मतलब अपहरण की घटना के दूसरे दिन हत्या को अंजाम दिया गया। परिवार का कहना है कि पुलिस शुरुआत में तत्परता दिखाती तो आज उनका बेटा उनके पास होता। पुलिस की लापरवाही ने उनके बेटे की जान ली है। एसटीएफ की टीम को हत्याकांड के खुलासे के लिए लगाया है। परिवार के लोगों का पुलिस से भरोसा उठ गया है। परिवार अब एसटीएफ से उम्मीद लगा रहा है कि हत्यारोपियों को जल्द पकड़ा जाएगा। परिवार, रिश्तेदार और ग्रामीणों में पुलिस के प्रति गहरी नाराजगी है। सोमवार को सांसद डॉक्टर महेश शर्मा व्यापारी के घर सांत्वना देने पहुंचे और हत्यारों के खिलाफ उचित कार्रवाई का आश्वासन पीड़ित परिवार को दिया। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने प्रमुख सचिव गृह दीपक कुमार को पत्र लिखा है। उन्होंने उच्चस्तरीय जांच के साथ दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है। सेक्टर बीटा दो कोतवाली पुलिस कुणाल की हत्या के बाद भी हत्यारों तक नहीं पहुंच सकी है। घटना को पांच दिन से अधिक का समय बीत गया है।

दिल्ली के रण में उतरे सबसे अमीर उम्मीदवार हैं मनोज तिवारी, दूसरे नंबर पर बिधूड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए मैदान में उतरे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के प्रमुख उम्मीदवारों में भोजपुरी गायक से नेता बने 53 साल के मनोज तिवारी सबसे अमीर प्रत्याशी हैं। उनकी कुल संपत्ति 28.05 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि वह गाने गाकर, अभिनय करके और एक सांसद के तौर पर ये आय अर्जित करते हैं। दूसरे नंबर पर दक्षिण दिल्ली से भाजपा उम्मीदवार रामवीर सिंह बिधूड़ी हैं, जिनकी कुल संपत्ति 21.08 करोड़ रुपये है। 2022-23 के आयकर रिटर्न के अनुसार, 71 साल के बिधूड़ी की आय 14.93 लाख रुपये थी। तीसरे स्थान पर चुनावी मैदान में पश्चिमी दिल्ली से उतरे आप के उम्मीदवार महाबल मिश्रा (69) हैं। उनकी कुल संपत्ति 19.93 करोड़ रुपये है। चौथे नंबर पर दिवंगत विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज हैं। ऑक्सफोर्ड रिटर्न वकील (40) के पास 19 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति है। इसके बाद आप से नाता तोड़कर बसपा का दामन थामने वाले राज कुमार आनंद का नंबर आता है। वे 17.87 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। नई

दिल्ली सीट से पहली बार बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ रहीं बांसुरी स्वराज ने चुनावी हलफनामे में बताया है कि उनके पास पास दो वाहन हैं, जिनमें 2023 में खरीदी गई हाई-एंड मर्सिडीज बेंज भी शामिल है। उनके पास हरियाणा के पलवल में संयुक्त संपत्ति का छठा हिस्सा है, जिसकी कीमत 99.34 लाख रुपये है और दिल्ली के पॉश इलाकों में तीन फ्लैट हैं - दो जंतर मंतर पर और एक हेली रोड पर स्थित हैं। अपने चुनावी हलफनामे में, स्वराज ने साल 2022-23 में दाखिल आयकर रिटर्न में अपनी आय 68.28 लाख रुपये बताई। दिल्ली की उत्तर पूर्व सीट से तिवारी के खिलाफ रण में उतरे कांग्रेस के कन्हैया कुमार की कुल संपत्ति 10.65 लाख रुपये है। उन्होंने जेएनयू से पीएचडी की है जो 2019 में पूरी हुई। वहीं पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा की कमलजीत सहरावत ने अपने चुनावी हलफनामे में 1.30 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 27.60 लाख रुपये की अचल संपत्ति घोषित की है। उनके पास हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला से कॉमर्स में मास्टर की डिग्री है।

सावधान! पासपोर्ट की ये फर्जी वेबसाइट्स बढ़ा रहीं आवेदकों की परेशानी, ऐसे रहें सतर्क; विदेश मंत्रालय ने जारी की

नईदिल्ली, एजेंसी। पासपोर्ट जल्द बनवाने के चक्कर में आवेदक फर्जी वेबसाइट्स का शिकार हो रहे हैं। फर्जी बेवसाइट पर जल्द अपॉइंटनमेंट भी मिला रहे हैं और फीस की रसीद भी जारी हो रही है, लेकिन फार्म जमा नहीं हो रहा। हर माह बड़ी संख्या में आवेदक इन फर्जी वेबसाइट्स के शिकार हो रहे हैं। लोगों को इस फर्जीवाड़े से बचाने के लिए विदेश मंत्रालय ने अपनी आधिकारिक साइट पर सभी फर्जी बेवसाइट की लिस्ट जारी की है।

पासपोर्ट जल्द बनवाने की आड़ में ठगी करने वाले गिरोह भी सक्रिय हैं। उन्होंने पासपोर्ट से मिलती-जुलती कई वेबसाइट्स बना रखी हैं। जागरूकता के अभाव में लोग इनमें से किसी भी एक का चयन कर आवेदन की प्रक्रिया शुरू कर देते हैं। इस दौरान ठग आवेदकों से उनकी पूरी डिटेल ले लेते हैं। इसके साथ ही फर्जी तरीके से जल्द अपॉइंटमेंट दिखाकर और फीस ले लेते हैं। जब आवेदक इस अपॉइंटमेंट के शेड्यूल से अपना फार्म जमा करने पहुंचते हैं तब उन्हें ठगी का पता चलता है। कई वेबसाइट पर डिटेल लेकर पासपोर्ट की असली वेबसाइट पर जाकर आवेदन तो कर देते हैं, लेकिन पैसे ज्यादा वसूलते हैं।

गाजियाबाद क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से 13 जिलों के लोगों को पासपोर्ट बनाए जाते हैं। रोजाना दो हजार आवेदकों को फॉर्म जमा करने का मौक दिया जाता है। हर माह सैकड़ों की संख्या में आवेदक इन फर्जी वेबसाइट के झांसे में आ जाते हैं। विभाग की मूल वेबसाइट पर फर्जी वेबसाइट की सूची जारी की गई है। सामान्य श्रेणी

में पासपोर्ट आवेदन की फीस 1,500 रुपये है। तत्काल के लिए 3,500 रुपये हैं, लेकिन तत्काल के लिए दो हजार रुपये फॉर्म जमा करते समय ही लिए जाते हैं। फर्जी वेबसाइटों पर तत्काल आवेदन कराकर 3,500 रुपये ले लिए जाते हैं। जब आवेदक फॉर्म जमा करने पहुंचता तो उसे पता चलता है कि जिस वेबसाइट से उसने अपॉइंटमेंट लिया था, उसने केवल 1,500 रुपये ही विभाग की मेन साइट पर जाम किए। दो हजार रुपये अपने खाते में ले लिए। उसके बाद आवेदक को मौके पर फिर से दो हजार रुपये जमा करने पड़ते हैं। एक बार दिए गए अपॉइंटमेंट पर यदि आवेदक नहीं जा पाया तो उसे अपॉइंटमेंट रीशेड्यूल कराने में परेशानी होती है। फर्जी वेबसाइट पर यह सेवा नहीं मिल पाती, क्योंकि आवेदक को पता नहीं चलता और फर्जी वेबसाइट वाले अपनी आईडी के जरिये साथ-साथ आवेदन करते हैं। कई बार रीशेड्यूल के नाम पर रुपये वसूलते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में आसमान से बरस रही आग, पारा 40 डिग्री के पार

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर के इलाके में तेजी से बढ़ती गर्मी ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि आने वाले दिनों में पारा और तेजी से चढ़ेगा। राजधानी दिल्ली में मंगलवार को अधिकतम पारा 42 डिग्री पार हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, रात में आंधी आने की भी संभावना जताई गई है। बीते 3 दिन से पारा 40 डिग्री के पार बना हुआ है। दिल्ली में सोमवार को तापमान सामान्य से ज्यादा दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ेगी। सोमवार को सफदरजंग मौसम केन्द्र में अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। न्यूनतम पारा 24.4 डिग्री सेल्सियस रहा। आर्द्रता का स्तर 59 से 23 डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार को तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस था। मौसम विभाग (आईएमडी) ने भविष्यवाणी की है कि मंगलवार को तापमान एक बार फिर बढ़ेगा और इसके 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि मंगलवार देर रात धूल भरी आंधी चलने की भी संभावना है और 45 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी। रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस सफदरजंग में इस साल का अब तक का सबसे अधिक तापमान था। आईएमडी का कहना है कि सप्ताह के शेष दिनों में अधिकतम तापमान 41 और 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहना

चाहिए। आईएमडी के वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि दिल्ली में सोमवार को दिन के दौरान तेज सतही हवाएं दर्ज की गई, जिससे आसमान साफ होने के बावजूद पारा बहुत ऊपर नहीं चढ़ सका। यही कारण है कि हमने रविवार की तुलना में मामूली गिरावट देखी। मंगलवार को आसमान साफ रहेगा और इससे अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी। सफदरजंग में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और शहर के अन्य हिस्सों में इससे भी अधिक हो सकता है। श्रीवास्तव ने कहा कि किसी स्टेशन पर मैदानी इलाकों में लू चलने के लिए अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर होना चाहिए, साथ ही सामान्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हीटवेव मानदंडों को पूरा करने के लिए एक स्टेशन को 45 डिग्री सेल्सियस को पार करना होगा। देश के अन्य हिस्सों में ऐसी स्थिति होने के बावजूद, दिल्ली में इस साल अब तक गर्मी की लहर दर्ज नहीं की गई है। नोएडा में अधिकतम तापमान 41.3 दर्ज किया गया नोएडा में भी लोग चिलचिलाती धूप और गर्मी से बेहाल दिखे। सोमवार को नोएडा का अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री ज्यादा है। न्यूनतम तापमान 27.7 डिग्री दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले के मुकाबले तीन डिग्री ज्यादा है।

सात्विक प्रो० प्रा० लि० कोलकता, पं० बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।